

Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ **सितम्बर** २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ISSN 2229-547X VIDEHA

'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)  

वोट-नाटक- बेचन ठाकुर

[illegible]- नदीक धारा सन

वोट

नाटक

बेचन ठाकुर

अक्षर संयोजन- [illegible]

सामाजिक आ राजनैतिक मैथिली नाटक “वोट” केर पात्र-परिचय


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

१ गोवर्धनलाल - एकटा एम पी प्रत्याशी
२ रामेश्वर - गोवर्धनलालक सहयोगी
३ जीतेन्द्र - गोवर्धनलालक सहयोगी
४ श्रीलाल - गोवर्धनलालक सहयोगी
५ श्रीराम - दोसर एम पी प्रत्याशी
६ कृष्णानंद - श्रीरामक सहयोगी
७ कन्हैया - श्रीरामक सहयोगी
८ राकेश - श्रीरामक सहयोगी
९ ब्रजेश - तेसर एम पी प्रत्याशी आ वर्तमान एम पी
१० सुरेश - ब्रजेशक पी ए
११ भोलू - ब्रजेशक अंगरक्षक
१२ शम्भू - ब्रजेशक अंगरक्षक
१३ सुभद्रा - चारिम एम पी प्रत्याशी
१४ चन्द्रमोहन - सुभद्राक सहयोगी
१५ माला - सुभद्राक सहयोगी
१६ उमाकांत - सुभद्राक सहयोगी
१७ विवेक - पाँचम एम पी प्रत्याशी
१८ सूरज - विवेकक सहयोगी
१९ पंकज - विवेकक सहयोगी
२० मोहन - विवेकक सहयोगी
२१ पप्पू - विवेकक सहयोगी
२२ राम प्रताप - चुनाव आयुक्त
२३ गिरिराज -चुनाव उपायुक्त
२४ मानसिंह - सुरक्षा बल
२५ चानसिंह - सुरक्षा बल
२६ राघव - चुनाव कार्यालयक चपरासी
२७ बैजू - चुनाव कार्यालयक किरानी
२८ आनन्द - चुनाव कार्यालयक बड़ा बाबू
२९ हरिदेव - नोमिनेशन पदाधिकारी
३० राम - गोवर्धनलालक समर्थक
३१ श्याम - गोवर्धनलालक समर्थक
३२ महेश - गोवर्धनलालक समर्थक
३३ गोपाल - गोवर्धनलालक समर्थक
३४ सोहन - गोवर्धनलालक समर्थक
३५ गोलू - श्रीरामक समर्थक
३६ जीवछ - श्रीरामक समर्थक



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

३७ નાળા - શ્રીનણક સમ્નથક
३८ પ૭ટ - શ્રીનણક સમ્નથક
३९ પંઙિત - શ્રીનણક સમ્નથક
४० નવીન - વ્નાળેશક સમ્નથક
४१ પ્નવીણ - વ્નાળેશક સમ્નથક
४२ સુમન - વ્નાળેશક સમ્નથક
४३ સંળીવ - વ્નાળેશક સમ્નથક
४४ નાહુ૭ - વ્નાળેશક સમ્નથક
४५ ૭ાજૂ - સુબાદ્નાક સમ્નથક
४६ કાજૂ - સુબાદ્નાક સમ્નથક
४७ નહીમ - સુબાદ્નાક સમ્નથક
४८ કનીમ - સુબાદ્નાક સમ્નથક
४९ વદજૂ - સુબાદ્નાક સમ્નથક
५० વા૭યન - વ઼િવેકક સમ્નથક
५१ ૭ા૭યન - વ઼િવેકક સમ્નથક
५२ નન્દન - વ઼િવેકક સમ્નથક
५३ કુન્દન - વ઼િવેકક સમ્નથક
५४ યન્દન - વ઼િવેકક સમ્નથક
५५ મીપ્યન - ઢો૭હો દેનહિન
५६ વય્યા વાવૂ - ગામક પ્નતષ્ઠિત વેક્તી
५७ ઉતીમ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
५८ વેયૂ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
५९ કશ્રિન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६० મગાન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६१ ઘુટન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६२ મુટન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६३ નનકૂ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६४ સુ૭માન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६५ સ૭ીમ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६६ સ૭ાઉદ્દીન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६७ ળીવૂ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६८ મનન - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
६९ પંયૂ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
७० વ઼નહ્નુ - વય્યા વાવૂક ગૌશ્રાઁ
७१ સુળીત - થાનાક વડ઼ા વાવૂ
७२ નળીત - થાનાક છોટા વાવૂ
७३ વુયન - થાનાક હવ઼૭દાન


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

७४ सुभाष - चौकीदार
७५ प्रेम प्रकाश - पीठासीन पदाधिकारी
७६ महेन्द्र - सी आर पी एफ
७७ रवीन्द्र - सी आर पी एफ
७८ सुरेन्द्र - सी आर पी एफ
७९ सौरभ - चुनाव प्रतिनिधि
८० गणपति - डी एस पी
८१ पवन - सी आर पी एफ
८२ रमन - सी आर पी एफ
८३ राणा - ब्रजेशक गुंडा
८४ तस्लीम - ब्रजेशक गुंडा
८५ मोस्लीम - ब्रजेशक गुंडा
८६ ब्रह्मानंद - ब्रजेशक गुंडा
८७ नाजनी - मतदाता
८८ हीना - मतदाता
८९ लुवनी - मतदाता
९० आनन्दी - मतदाता
९१ बबाजी - चाह दोकानदार
९२ देवनाथ - भगवती मंदिरक पूजारी
९३ प्रदीप - ब्रजेशक गुण्डाक सरदार
९४ उमेश - प्रदीप गैंगक गुण्डा
९५ रमेश - प्रदीप गैंगक गुण्डा
९६ गणेश - प्रदीप गैंगक गुण्डा
९७ महेश - प्रदीप गैंगक गुण्डा
९८ कुलदीप - कलक्टर
९९ इन्द्रदेव - कलक्टरक चपरासी
१००प्रेमकांत - गिनती पदाधिकारी
१०१सुभाकांत - गिनती पदाधिकारी



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पहिल अंक-

पहिल दृश्य-

(स्थान- गोवर्धनबाबूक दलान। गोवर्धनबाबू पुरान चौकी पर बैसल सामाचार पढ़ि रहल छथि। दलानपर ओ अपन तीनटा अपेक्षित रामेश्वर, जीतेन्द्र, आ सुनीलबाबूक संग बैस गौंटक सम्बन्धमे कुरसीपर बैस गप-सप्प करै छथि।)

रामेश्वर- गोवर्धन भाय, पहिने अहाँ मन्दिर बनबाउ। तखन फुल-फलवारी लगाएब।

गोवर्धन- पहिने लगाउ तखन बनबाएब।

रामेश्वर- नै पहिने बनबाउ तखन लगाएब।

गोवर्धन- नै भाय, अहाँ पहिने कहू तखन निश्चित बनबाएब।

रामेश्वर- नै भाय, पहिने अहाँ बनबाउ, तखन एक-दू-तीन कहै छी पक्का फुलफलवारी लगाएब।

जीतेन्द्र- रामेश्वर भाय, यौ समधी तँ, यौ समधी। गाड़ी छूटि गेल तँ, कटहर बाझि समधी। ओ कहियो बात एकदमकिनार। अहाँ अपन फुल-फलवारी लगा दियौ। हुनका मन होयतनि तँ मन्दिर बनबा लेता आ नै तँ कोनो बात नै। अरबा समए कहि बेरबाद करै छी?

सुनीलबाबू- रामेश्वर भाय, अहाँ कहि ऐ खुसखियाली गपकेँ ओतेक गंभीर कऽ देलिऐ? संगी-साथीमे ओहिना बात कटौवलि होइत रहै छै। कहै छै, जहाँ चार यार मिलि, ओहाँ रात कट जाइ।

गोवर्धन- सभ कहियो शान्त रहू। कटौज बन्द करै जाइ जाउ। रामेश्वर भायक बियान छन्हि जे पहिने मन्दिर बनाएब तखन फुल-फलवारी लगाएब। तँ हुनिके बियान सही। रामेश्वर भाय हरए पार लगि आ अपनेसँ मन पसीन मन्दिर नेने आउ। (गोवर्धन रामेश्वरकेँ एगो नमरी जेबीसँ निकालि कऽ देलनि आ रामेश्वर मन्दिर लेल बहरेला।)

जीतेन्द्र- गोवर्धन भाय, रामेश्वर भायक फुलफलवारी हमरा किछु अनुमानमे आबि रहल अछि।

सुनीलबाबू- भायकेँ कहि ने दियौ। पछाति रामेश्वरभायकेँ बुड़बक बनबै जाएब।

जीतेन्द्र- अनुमान तँ अनुमाने होइ छै। सत-प्रतिशत साँच नहियोँ भऽ सकैए।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

गोवर्धन- अहाँ कहियौ ने। की हेतै, सुनि लेतै तँ हेतै।

जितेन्द्र- हमरा लगैए, ई भोटक सम्बन्धमे किछु कहत। अप्रैल-मईमे लोकसभा चुनाव होएबला छै। (रसगुल्ला लऽ कऽ रामेश्वरक प्रवेश।)

रामेश्वर- गोवर्धन भाय, हइए लिअ। अपनेसँ बाँटू।

गोवर्धन- अपनेसँ अहीं बाँटू। किये तँ अपने हिस्सा खाएत ने? आकि अहाँ पेटू छी?

रामेश्वर- पेटू तँ नै छी। मुदा रससोख अवस्स छी।

गोवर्धन- तँ की हेतै? रससोख छी तँ रस सभटा सोखि लेब आ रसगुल्ला हमरा लोकनिकेँ दऽ देब।

रामेश्वर- अहीक विचार रहौ भाय। रस चुसि कऽ रसगुल्ला बाँटि देब। मुदा एगो गपक डर भऽ रहलए जे रस चुसैतकाल रसगुल्लो नै घोंटा जाए।

जितेन्द्र- रामेश्वर भाय, पहिने सबहक हिस्सा बाँटि दियौ। तखनि अपन हिस्सा चुसैमे आकि घोंटैमे जे मन हुअए से करब।

रामेश्वर- (मुँह चटपटबैत) ठीके कहै छी भाय। पहिने बाँटऽ दिअ। (रामेश्वर सभकेँ रसगुल्ला बाँटि रहल छथि। सभ कियो रसगुल्ला खेलथि आ हाथ-मुँह धोइ केर गप-सप्प शुरू केलथि।)

गोवर्धन- आब कहू, की खुशखबरी छल?

रामेश्वर- अप्रैल-मईमे लोकसभा चुनाव होएबला छै। ओइमे अहाँकेँ ठाढ़ करैक चर्चा सगरो छै। अहाँकेँ ठाढ़ होनाइ अछि।

गोवर्धन- जितेन्द्र भाय, अहाँक अनुमान साँच निकलि गेल। लगैए अहाँक भविसवाणी साँच भऽ सकैए। अही गपपर अहाँ बताउ जे जदी हम एना ठाढ़ हएब तँ जीतब की नै?

जितेन्द्र- भविसवाणी तँ ज्योतिषि सभ करै छथिन, सिद्ध बाबा सभ करै छथिन। हम एकटा साधारण लोक छी। तैयो किछु कहि दइ छी, अहाँ जीत जाएब। निर्विरोध जीतब आकि एकलाख भोटसँ जीतब आकि एक भोटसँ जीतब, ई नै कहि सकै छी।

गोवर्धन- भाय, अहाँ केना बुझै छिऐ जे हम जीत जाएब?

जितेन्द्र- हम बुझै नै छिऐ, अनुमान करै छिऐ। हमरा नजरिमे अपनेटा समाजकेँ नै कतेको समाजकेँ अहाँसँ उपकार भेल छै। अहाँमे कोनो तरहक दाग नै छै। अहाँमे धैर्य आ लगन अछि। समाजक सेवाक भावना अहाँकेँ नस-



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒢𑒮𑒧𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒋𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨𑓁 𑒋𑒏 𑒮𑒦 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒩𑒯𑒪। 𑒖𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒰𑒬𑒲 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒮𑒹𑒫𑒲 𑒂 𑒏𑒩𑓂𑒧𑒚 𑒯𑒹𑒞𑒻, 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒖𑒲𑒞 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒕𑒻।

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒰𑒬𑒲𑒏 𑒑𑒳𑒝 𑒏𑒯𑒰𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒕𑒲। 𑒐𑒰𑒪𑒲 𑒧𑒰𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒕𑒲 𑒧𑒰𑒪। 𑒧𑒰𑒪𑒣𑒩 𑒏𑒧𑒰𑒪 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻। 𑒞𑒰𑒛𑓃𑒲-𑒠𑒰𑒩𑒴𑒣𑒩 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒥𑒹𑒙 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒢𑒏𑒲 𑒪𑒑𑒪 𑒯𑒹𑒢 𑒖𑒹 𑒌𑒥𑒹𑒩 𑒬𑒲𑒞𑒪, 𑒥𑓂𑒩𑒖𑒹𑒬, 𑒮𑒳𑒦𑒠𑓂𑒩𑒰 𑒂 𑒅 𑒖𑒹 𑒏𑒣𑒱𑒪𑒙𑒫𑒰 𑒕𑒻 𑒏𑒟𑒲𑒠𑒳𑒢 𑒢𑒰𑒍 𑒕𑒱𑒌𑓄𑓄𑓄।

𑒬𑓂𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪- 𑒫𑒱𑒫𑒹𑒏।

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒯𑒿-𑒯𑒿 𑒫𑒱𑒫𑒹𑒏। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒪𑒑𑒰 𑒏𑓄 𑒣𑒰𑒿𑒔 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒥𑒻𑒮। 𑒋 𑒣𑒰𑒿𑒔𑒴 𑒂𑒠𑒧𑒲𑒧𑒹 𑒯𑒧 𑒮𑒦𑒮𑒿 𑒑𑒹𑒪-𑒑𑒳𑒖𑒩𑒪 𑒕𑒲। 𑒁𑒯𑒲 𑒮𑒦 𑒏𑒯𑒴𑒿 𑒞 𑒥𑓂𑒩𑒖𑒹𑒬 𑒂 𑒫𑒱𑒢𑒼𑒠𑒏 𑒂𑒑𑒴𑒧𑒹 𑒯𑒧 𑒏𑒟𑒲 𑒕𑒲? 𑒏𑒞𑒋 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒦𑒼𑒖 𑒂 𑒦𑒼𑒖𑒫𑒰 𑒞𑒹𑒪𑒲। 𑒯𑒰𑒟𑒲𑒮𑒿 𑒏𑒹𑒞𑒾 𑒔𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒪𑒛𑓃𑒻। 𑒖𑒠𑒲 𑒪𑒛𑓃𑒞𑒻 𑒞 𑒣𑒲𑒮 𑒏𑓄 𑒔𑒙𑒢𑒲-𑒔𑒙𑒢𑒲 𑒥𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒞𑒻।

𑒖𑒲𑒞𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒂 𑒖𑒾 𑒔𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒙𑒴𑒙𑒱 𑒯𑒰𑒟𑒲𑒏 𑒮𑒴𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒏𑒯𑒳𑒢𑒰 𑒣𑒻𑒮𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒻 𑒞𑒐𑒢𑒱 𑒏𑒲 𑒯𑒹𑒞𑒻?

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒏𑒲 𑒯𑒹𑒞𑒻 𑒣𑒰𑒑𑒪 𑒮𑒱𑓀𑒒𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒖𑒹𑒞𑒻।

𑒖𑒲𑒞𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢 𑒦𑒰𑒨, 𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒨𑒻𑒏 𑒑𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒻। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒲 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒱𑒌 𑒖𑒹 𑒔𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒯𑒰𑒟𑒲𑒏 𑒮𑒴𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒣𑒻𑒮𑒱 𑒂𑒩𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒧𑒹𑒯𑒧𑒰𑒢𑒲 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒞 𑒂𑒏𑒱 𑒏𑒰𑒙𑒱 𑒪𑒹𑒞𑒻। 𑒏𑒙𑒪𑒰𑒯𑒰 𑒔𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒙𑒴𑒙𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒻 𑒞 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒞𑒻 𑒢𑒹, 𑒯𑒰𑒟𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒏𑒧𑒔𑓂𑒕𑒩 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒰 𑒠𑒹𑒞𑒻। 𑒐𑒰𑒃𑒩 𑒯𑒰𑒟𑒲-𑒔𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲𑒏 𑒐𑒱𑒮𑓂𑒮𑒰 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒴। 𑒁𑒣𑒢 𑒐𑒱𑒮𑓂𑒮𑒰𑒣𑒩 𑒂𑒅।

𑒬𑓂𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪- 𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢 𑒦𑒰𑒨, 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒮𑒦 𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒩𑒻𑒏 𑒧𑒰𑒪𑒱𑒏 𑒕𑒱𑒌। 𑒤𑒪 𑒠𑒹𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒍𑒩 𑒕𑒟𑒱𑒢। 𑒤𑒪𑒏 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲।

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪 𑒦𑒰𑒨, 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒋𑒏𑒪𑒰𑒐𑒏 𑒢𑒹, 𑒏𑒩𑒼𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲𑒏 𑒑𑒣 𑒏𑒯𑒪𑒾। 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰, 𑒋𑒑𑒼 𑒏𑒯𑒴 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒥𑒯𑒏 𑒏𑒲 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩?

𑒬𑓂𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪- 𑒯𑒧𑒩 𑒣𑒴𑒩𑒰 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒁𑒫𑒮𑓂𑒮 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒼𑒃।

𑒩𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒢𑒻 𑒯𑒹𑒥𑒻 𑒞 𑒯𑒧𑒩𑒰-𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒼𑒮𑓂𑒞𑒱𑒨𑒰𑒩𑒲 𑒐𑒞𑒧।

𑒖𑒲𑒞𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒼𑒅। 𑒯𑒧 𑒮𑒦 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒕𑒲।

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒯𑒧𑒩 𑒣𑒩𑒧 𑒁𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 𑒕𑒲। 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒻 𑒖𑒰𑒃 𑒖𑒰𑒋𑒥 𑒮𑒹 𑒏𑒩𑒻𑒪𑒹 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒕𑒲। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒑𑒼 𑒥𑒛𑓃 𑒣𑒻𑒒 𑒁𑒮𑒼𑒏𑒩𑓂𑒖 𑒁𑒕𑒱।

𑒖𑒲𑒞𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒥𑒰𑒖𑒴 𑒏𑒲 𑒁𑒮𑒼𑒏𑒩𑓂𑒖?



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ગોવર્ધન- અર્થક અભાવ। ચુનાવ ઉડૈમે વડ઼ પાર પ્પર્ચ હોર છૈ। ઉપ્પટકા ત઼ પૈનીક નોરશ વુહુ।

ધીતેન્દ્ર- અપ્પની અહાઁ ઉગ કેતે અછિ?

ગોવર્ધન- કુઉમ ળથા-દસ હળાર।

ધીતેન્દ્ર- તપ્પની કેના હપ્ત। અૌર કોનો ળોગાડ઼ નૈ અછિ કી?

ગોવર્ધન- અૌર કોનો ળોગાડ઼ નૈ અછિ। પ્પાઉ એક વીઘાપ્પેત અછિ, વસ। નૈ હેતૈ ત઼ વેચ ઉવૈ। દેપ્પઉ ળેતૈ ળે હેતૈ સે હેતૈ।

ધીતેન્દ્ર- ચર-અરાકેઁ નૈ વેચ ઉવ। રસે-રસે વેચવ। ળેના-ળેના પ્પગતા હપ્ત તેના-તેના વેચવ। તપ્પની ળે ઘટતૈ ત઼ઽ ળનતે-ળનાર્દનસઁ એગો મૌંટ આ એગો નોટ માઁગવ। તરમે હમરા ઉકની તિન-મન ચનસઁ મદતિ કિરવ।

ગોવર્ધન- ળપ્પની અપને સભ હમરા એતે વોઉ-ભરોસ દર છી ત઼ હમ અપને સવહક વાત નૈ કાટવ।

રામેશ્વર- ચઉ ગોવર્ધન ભાચ, અરે અહાઁ હમરા પેટક ળોગાડ઼ કેઉ। હે કહિ દિર છી ળે નોમિનેશનમે હમ રસગુઉરા નૈ પ્પાએવ, હમરા માછ-ભાત ચાહી।

ગોવર્ધન- સે હમ કોનો અહાઁસઁ ળમીન રળસ્ટ્રિ કરાએવ કી?

રામેશ્વર- હમર ળમીન રળસ્ટ્રિ નૈ કરાએવ, વઉકા અહાઁ અપન ળનિગીક રળસ્ટ્રિ કરાએવ। વુહૈ છિએ, ળૌ અહાઁ એક્કોવેર એમ.પી. વનિ ગેઉ ત઼ ળનિગી વનિ ળાએત।

ગોવર્ધન- સે હમહૂઁ વુહૈ છિએ। મુદા હમરા ઓતતે ચર પિહુઁચઉ હપ્ત કી નૈ, સે કેં ળનૈએ? કહવી છૈ- પાનિમે મછરી નઅ-નઅ કુટિયા વપ્પરા। પહિને અહાઁ સભ ળીતાઉ તપ્પની ળે ળેના કહવૈસે અવસ્સ હેતૈ।

સ્નેઉાઉ- રામેશ્વર ભાચ, અપ્પનેસઁ હિનિકા ચુસએ ઉગઉિએ ત઼ આગૂ કી કરવૈ? વેચારા ટગ હાર છથિ આ અહાઁ પ્પતા દસિ ડેઉ છિએ। તૈએ ને નેતા સભ ળીતઉ પછાતિ ળનતા દસિ ઘૂમિ નૈ તકૈ છથિ। પહિનેહેં ળનતા નેતાકેં કુહરા દરએ। તૈએ ૩ અપનામે ઉગ ળાએ।

ધીતેન્દ્ર- કછુ ઠીક વાત છૈ। મુદા હમરા નળરિમે વેસી ઠ ગપ છૈ ળે કુરસીમે વદનેતીક ચુમ્બુક સટઉ રહૈ છૈ ળે ઓર નેતામે સટિ ઓકર નેતકેં વદનેત વના દર છૈ આ ૩ ળનતા દસિ નૈ તાકિ વેમાન નેતા દસિ તાકૈમે ઉગિ ળાએ છથિ આ ઓકર ળકાઁ માઉ હોસતૈમે ભીડ઼ ળાએ છથિ। મૌંટ ઉર કાઉમે ળનતા ભગવાન આ સભ કછુ મુદા ળીતઉ પછાતિ ળનતા શૈતાન આ વેકૂફ।

ગોવર્ધન- ધીતેન્દ્ર ભાચ, અહાઁ વડ઼ દૂરક ગપ વળૈ છી। અહાઁક ભાવનાક આદર હેતૈ। સમએ આવએ દિયૌ।

ધીતેન્દ્ર- ભાચ, કહઉસઁ નૈ હોર છૈ, કેઉસઁ હોર છૈ।

𑒑𑒼𑒫𑒩𑓂𑒡𑒢- 𑒮𑒧𑒋 𑒋𑒐𑒰𑒣𑒩 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏𑒹𑒿 𑒨𑒰𑒢𑒲 𑒖𑒢𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒻 𑒥𑒱𑒮𑒩𑒥, 𑒮𑒋𑒯 𑒢𑒹?

𑒡𑒲𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒢𑒻 𑒂𑒩𑒼 𑒏𑒲? 𑒖𑒢𑒞𑒰𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒨𑒰𑒢𑒲 𑒣𑒩𑒧𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒣𑒩𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒏 𑒣𑒴𑒖𑒰। 𑒢𑒻 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒨𑒳𑒫𑒰𑒫𑒏 𑒑𑒻𑒨𑒰𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒐𑒑𑒰 𑒡𑒰𑒅। 𑒯𑒧 𑒮𑒦 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒣𑒋𑒩 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒥।

𑒣𑒙𑒰𑒏𑓂𑒭𑒹𑒣-

દોસર દૃશ્ય-

(સ્થાન- શ્રીનાથક ઘરક દલાનપર શ્રીનાથ, કૃષ્ણાનંદ આ કન્હૈયા કુરસીપર બૈસ ગૌંટક સમ્વન્ધમે વિચાર-વિમર્શ કરૈત છથિ।)

કૃષ્ણાનંદ- શ્રીનાથ કાકા, અહાઁ કેતે દિનસઁ કહૈ છલિ જે આગાંક બેર ઠાઢ઼ હએબ, આગાંક બેર ઠાઢ઼ હએબ। એખન સે સભ બહાના નૈ ચલત। એખનો મૈં ઠાઢ઼ હુઅ પડ઼ત। કહૂ ત, અહાઁ ગામગામમે જનિગી ગુદસ કઽ દેલથિ। મુદા એકટા જગહપર પહુઁચ કઽ જનતાક સેવા નૈ કેલથિ। અહાઁ ઈ બૂઝિયૌ જે હમર જનિગી ગાડ઼ી-વેટગ્રીકીમે, સૈંઇ મુડ઼ી ગાએમે આ ગાએ મુડ઼ી સૈંએમે ગુદસ ગેલ જે સભલ જનિગીક પહચાન નૈ ભેલ।

કન્હૈયા- શ્રીનાથ ભાય, કૃષ્ણાનંદ બડ઼ દુરુસ્ત ગપ કહૈ છથિ। હમરા નજરિમે ઈ જનતાક સેવાપર બલ દૈ છથિ। જનતાક સેવા બડ઼ પૈઘ સેવા છૈ। જદી જનતાક સેવાસઁ ચુકબૌ ત બુઝુ જનિગી વ્યર્થ બીતલ।

શ્રીનાથ- અહાઁ સભ જે કિછુ કહલૌ, સભટા બુઝલૌ આ નૈ કિએ બુઝબ। સભદિન ત એતબે કેલૌ। મુદા હાથ નૈ મુડ઼ી, છડ઼પટા ઉઠૌ। અપન હારલ આ બૌહક માએલ, કો કહી। ઓના અહાઁ સભ જનતિ હએબ। તીનબેર મુખિયાસઁ ઠાઢ઼ ભેલૌ। મુદા તીનૂબેર હારિ ગેલૌ। તીન બેરમે તીનવોઘા જમીન બીકિ ગેલ। આબ હમરા જમીનો નૈ અછિ જે બેચિ કઽ ચુનાવ લડ઼ી। તહૂમે એખનો ચુનાવ ત આનો ભારિગર હોઇ છૈ। માત્ર દૂકઠ્ઠા વાસડીહ અછિ। ઓઇસઁ કી હએત? કુકર બચિયા કરબ ત ઉ કાટત નૈ? હમ એહેન કુકર્મ આબ કિએ કરબ જે હમરાપર ચીખા જાએ।

કન્હૈયા- સોચ અહાઁક ઠીક અછિ મુદા કહી ત કહી કી।

કૃષ્ણાનંદ- કકાક સમસ્યા ત ગંભીર છન્હિહેં। મુદા કોનો ઢક-પેચ વા કોનો અલપી-પચિયા એહેન લગૈત છૈ। એહેનકા માહૌલ ઉપયુક્ત લગૌ છૈ।

શ્રીનાથ- એહેન ઢક-પેચ નૈ લગા બેબ જે કેતબો હુમાએ ત હુરબે નૈ કરએ। અલપી-પચિયા ઓહેન નૈ લગાએબ જે સભકેં માથા-પેચી બઢ઼ જાએ।

કૃષ્ણાનંદ- ઓતબે જે સોચબૈ કકા, ત જનિગીક ગાડ઼ી લસકલ રહત જેના અખ્ખનિ ચિર અછિ હૈ, સહયેગીક જરૂરી છૈ, સે રહબ।

શ્રીનાથ- બિના વિચારે જો કરે, સો પાછે પછતાય। ચરુઅડ઼ાકેં જેકરિ કોનો બીડ઼ા ઉઠબૈ, ઓઇમે વેસી અસફલતાક સંભાવના રહૈ છૈ।

કૃષ્ણાનંદ- અપના સભ સએહ ને વિચાર કરએ વૈસલ છી।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(વ્નતમાન એમ્પી વ્નળેશક યમયા નાકેશક પ્નવેશ। નાકેશ કુનસીપન વૈસઉ। આપસમે ળમસ્કાન-પાતી ભેઉ।)

નાકેશ- શ્રીનન ભાય, કી હાઉ-ચાઉ?

શ્રીનન- ભાય, વડ઼ નીક અછિ। આન સભ અપન દસિક સુનાઉ।

નાકેશ- હમનો દસિક નીકે અછિ।

શ્રીનન- નાકેશ ભાય, હમના સભકેં એના વસિનવે તેં હમ સભ કોના ળીવે આ કેતએ ભડ કડ નહવે?

નાકેશ- ભાય, હમના ળૂતતા મીળા કડ માને છી।

શ્રીનન- (મુસ્કીઆ કડ) તે તૈયા, હમ કોન ળોકન છી ળે અહાંકેં ળૂતતાસં માનવ।

નાકેશ- અહાં કોન ળોકન તે છી, સે તે કહિયૌ। તેંએ ને એમ્પી સાહેવ હમના અહાં ઉગ પઠેઉથિ હિન।

શ્રીનન- (આશ્ચયન્યસં) વાપને વાપ। આઇ કેન્ને સૂન્ુળ ઉગાઉ ળે એમ્પી સાહેવ હમના ઉગ અહાંકેં પઠેઉનિ હિન।

નાકેશ- અહાં છી ગુદનીક ઉઉ। અહાંક ળોડ઼ ભેતા ઐ પનોપટ્ટામે આનકેં?

શ્રીનન- હમ તેં તેહેન યોગ્ય ભેતા છી ળે તીનવેન મુખ્યિા ચુનાવ હાનિ ગેઉ ળઇમે તીન વીઘા ળમીનો વીક ગેઉ। અખનિ દન-દન ઠોકન ખાઇ છી।

નાકેશ- યૌ ભાય, હીનાક પહચાન ળાહૂની કને છૈ। અપને કેતે પાનિમિ છી, સે હમ નીક ળકાં ળને છી। અચ્છા, ઈ ગપ-સપ્પ છોડૂ આ કિછુ વિશિષ ગપ કરૂ।

શ્રીનન- કોન વિશિષ ગપ છૈ, સેં વાળૂ।

નાકેશ- ૨૦૧૯ ળે આગિા ચુનાવમે અહાંકેં ઠાઢ઼ ભેનાઇ અછિ।

કૃષ્ણાનંદ- વડ઼ નીક હેતનિ। હમહૂં સભ સદિ આગ્નહ કને છયિનિ।

શ્રીનન- નાકેશ ભાય, હમના વશક વાત તે અછિ। અનેને ઉઉ કરૂ ગજ

કૃષ્ણાનંદ- અઇમે ઉઉક કોનો વાત તે છૈ। ભૌકાક શ્રેદા ઉઠેવાક ચાહી।

શ્રીનન- કેતએસં ભૌકાક શ્રેદા ઉઠાએવ? વનિ માઉક કમાઉ કેના હેતૌ।

નાકેશ- અહાઁક માઉક સમસ્યા અછિ સએહ ને? મુદા મન પુના અછિ ને?

શ્રવિન- બાય, મનો પુના ને અછિ કાનામ ળનળાકેં નીક-અયઉાક શૈસઉા ને કનાએ આવે છન્હિ પ્યાઉી સ્વાન્થક શૈસઉા કનાએ આવે છન્હિ ળૂમે ટટકા સુપ્પવઉા સ્વાન્થ ળૌ હુઅએ ળઁ ધીઓસઁ યક્કિના

નાકેશ- ઓઙમે અપને સબકેં ને શ્રેદા હેતૈ આ હોઙ છૈ। ળનળા ળૌ મૂન્પ્ય-મચંડ હુઅએ ળઁ બેળાકેં ઓન નશ્રુશ્રા

શ્રીનન- અઙસઁ દેશક વકિાસ કેના હએળ?

નાકેશ- બેળાકેં દેશક વકિાસસઁ કોન મળઉવ છૈ? સન્નિશ્ર અપન વકિસસઁ મળઉવ છૈ। ળનળાક યાહ પનપ્ય પડ઼ળ આ પ્યુશી પનપ્ય પડ઼ળ। ળદી ૩ દાનૂએસઁ પ્યુશ નહનૈ ળઁ ઓકના દાનૂક ળોગાડ઼ ઉગા દયિૌ, બૌંટ હેવ્વે કનળ, અહાઁ ળીળવે કનવા

શ્રીનન- ઉાૈએ હમ ળાઇઁ હાની ળાઙ છેઉી। હમ એક્કેટા ગપ વુહૈ છેઉપિ ળે ઈમાનદાનીસઁ વડ઼ક્કળી હોઙ છૈ। મુદા આઙ ઈ પનદા હટિ ગેઉ। હમ ઓળ્ળે ળની-પેટી ને વુહૈ છપિ કાનામ હમના ઓહન સઉાહકાન ને બેટઉ આ ને ળકઉી। હમ ઉાઇઁ-ઉપટાઇઁસઁ સબદિનિ હટઉ નહઉી। હનદમ ળુનક સનયિળ દઙકેં સોબાવ નપ્યઉી। આઙ યની કિયિૌ હમનાપન આઁગૂન ને ઉઠેઉથિ હિન। ઉટપટ કાળ હમના એક્કો નળ્ળી પસીન ને।

નાકેશ- અહાઁકેં હાનૈક ઓહએ ને કાનામ અછિ અસ્સઉ બેળા ળનળાકેં હનદમ ઉટપટા કઽ નાપ્પૈ છથિ ઓન વહુળ નાસ ગપ-સપ્પ હેળૈ પછાળિ અપ્પનિ એિગો કનશ્રુસ્કી કઽ ઉઙળૌ અપના સબા

શ્રીનન- અવસ્સ કઽ ઉઅિ। (ઉઠિ કઽ દુનૂ ગોટે કાળ ળા કઽ કનશ્રુસ્કી કનૈ છથિ શ્રીનન માથ હિઉા કઽ હૂઁ-હૂઁ કહૈ છથિ)

નાકેશ- શ્રીનન બાય, આવ યઉૈક આળ્મા દિઅિ એમ્પી સાહૈવક કાન્યક્નમ મે ળેવાક છૈ।

શ્રીનન- એળેકાઉ ગપ-સપ્પ બેઉૈ આ એક્કો વેન યાહો ને બેઉૈ। યાહ પીવ ઉઅિ ળપ્યનિ ળાએવ।

નાકેશ- અપ્પને ઘનપન સઁ યાહ પી કઽ આએઉ નહી। આવ મન ને હોઙએ પીવૈક। ઓના વેસી યાહ પીએ છી ળઁ ગેસ્ટકિ ળેળ બઽ ળાઙએ।

શ્રીનન- ળપ્યનિ ળિદ્દિ ને કનવ।

નાકેશ- બાય, દોસનદિનિ અવસ્સ હેળૈ, આઙ ળાઙ છી। નમસ્કાન। (આપસમે નમસ્કાન-પાળી બઽ નાકેશક પ્નસ્થાન)

કન્હૈયા- શ્રીનન બાય, કનશ્રુસ્કીમે કી ગપ બેઉ?


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

શ્રીમન- ૨૯૯ ળે અહાઁકેં કોનો પમસ્થિતિમિ ઽાઢ઼ ભેનાર અછાિ ઓરમે હીગાસઁ હમદિ યિમ પ્યિન્ય હમ પુડ઼ાએવા કહઉપ્યાનિ કનિકો કહવનિ ભૈ। મુદા અહાઁ સબ ગઁ હમમ અપનોમે અપન છી। ગઁએ હુનકમ ગપ કહિ દિનાર ઉચાિ વુહઉૈ।

કૃષ્ણાનંદ- ગપ્યનિ આવ અહાઁ પ્‌મસન્‌ન છી, કી ભૈ?

શ્રીમન- આવ પ્‌મસન્‌ન છી આ અવસ્‌સ ઽાઢ઼ હએવ।

કન્‌હૈયા- ગપ્યનિ ભીમનિશનમે દેમી ભૈ કમવ। ભીમનિશન ળઉ્‌દીસઁ-ળઉ્‌દી કમા કઽ અપન ગૈયામીમે ઊગાિ ળિાર ળાએવ।

પટાક્ષેપ-


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

तेसर दृश्य-

(स्थान- एसपी ब्रजेशक आवास। ब्रजेश, पीए सुरेश आ दूटा अंगरक्षक सोफा कुरसीपर बैस चुनावक सम्बन्धमे गप-सप्प करै छथि।)

सुरेश- सर, कात-करोटसँ पता चलैए जे अहाँक माहौल नीक नै अछि। बहादुरगंजमे जूताक मालासँ स्वागत भेल रामनगरमे कारी झंडासँ स्वागत भेल, बेलमद्दनपुरमे रोड़ेबाजीसँ स्वागत भेल, बाबरनगरक सभामे दसोटा लोक नै छल। केते कहौं?

ब्रजेश- अहाँक नजरिमे एकर मूल कारण की छै?

सुरेश- हमरा नजरिमे मूल कारण अछि जनताक संग गद्दारी। जहियासँ अहाँ एसपी भेलिऐ तहियासँ एक्कोबेर अपन क्षेत्रमे नै गेलिऐ आ ने विकासक काज केलिऐ। ई बात अहूँ जनिते हेबै। कहै छेलै ने अहाँ अनठिया दइ छेलिऐ वा आइ-काल्हि, आइ-काल्हि करै छेलिऐ। आब पहिलुकाबला गप नै रहलै। रसे-रसे जनतामे जागृति आबि रहलै हेन। जनतामे रसे-रसे विवेक बढ़ि रहलै हेन। आब जनताकेँ काज चाही काज। नै ने रसता नापू।

(राकेशक प्रवेश)

राकेश- साहैब प्रणाम।

ब्रजेश- प्रणाम, प्रणाम।

राकेश- सुरेश बाबू प्रणाम।

सुरेश- प्रणाम, प्रणाम। आउ भाय, बैसू। (राकेश कुरसीपर बैसलथि। कातमे दुनू अंगरक्षक सोफा आ सोफा पैरी चुना कऽ देखलथि। दुनू ओघा कऽ ठाढ़े-ठाढ़ बुसा-बसि घिसै छथि।) राकेश भाय, बहुत दिनपर जगलौं हेन।

राकेश- जी, सेँ ने ठीके छिऐ मुदा करबै की? बड्ड काज रहै छै। क्षेत्रोहमरेओरकेँ देखऽ पड़ै छै। कारण साहैब ओम्हर दसि एक्कोबेर घुरिया कऽ नै तकै छथिन। जनता हमरा सभकेँ बात-कहिनी कहै छथि हवा-पट्टी दऽ हम केते समहारबै? अहीं कहू।

सुरेश- हँ, से ने ठीके बात छै। सर अपने जाइ छथिन से आ हम-अहाँ जेबै, तहमे जमीन-आसमानक अन्तर छै। हमरा नजरिमे सर अहमे बड्ड चुक भेलखिन हेँ।



राकेश- गैए ने क्षेत्रक बड़का-बड़का हाकिमसभ प्रसिद्धिआएल अछि आ एकर कुप्रभाव अगिला चुनावमे हाकिमसभ बढ़िया जकाँ पड़तनि।

(मोनू और सोनू निन्नमे सपनाइ छथि।)

मोनू- (निन्नमे) ये, अहाँक ओइ बहिनिकेँ बियाह भेल कि नै?

मंदाकिनी- (अन्दरसँ) कहाँ भेल? ओकरा लोकसभ कहै नै भेटै छै। (प्रमोद, सुरेश आ राकेश शान्त भऽ मोनू आ सोनूक गप-सप्प सुनि आनन्द लऽ रहल छथि।)

मोनू- नै भेटै छै तँ हमरेसँ करा दियौ ने। उ हमरा अहूँसँ बेसिक्कर लगैए। मन होइए जे उ हरदम हमरे लगा रहितए।

मंदाकिनी- जाइ छी हम ओकरे पुछए दइ छी आ हम ओतै रहि जाएब।

मोनू- नै-नै मूर्ख, सुनु तखनि जाएब।

मंदाकिनी- अच्छा कहू, की कहै छी।

(मोनू भरि पाँज कऽ सोनूकेँ पकड़ि लेलक। तइमे दुनूगोटे चारखड़ा कऽ खसि पड़ल आ दुनू उठऽस-पटका करैए। एम.पी साहेब तीनू गोटा बड़ी जोरसँ हँसलथि मोनू आ सोनू उठऽस-पटका बन्न केलक आ नीक जकाँ ठाढ़ भेल।)

प्रमोद- अहाँ सभ मजाक करि करै जाइ छी?

मोनू- सर, मजाक नै वा, सपना वा।

प्रमोद- अहाँ सभ शान्त भऽ रहै जाइ जाउ। पुलिसकेँ एतै कोढ़िनै रहल याही। राकेश, आब कहू, केना की करबै? जे भेल तेकरा बिसरि जाउ।

राकेश- क्षतिपूर्तिमे मालक प्रचुर बढ़िगेल आब। आब मालिक कमाल हएत। ऊनक दूर लगत।

प्रमोद- जे लगतै, तइले तैयार छी। मुदा प्रचार पहिने करि नै कैलौ, तेकर कारण छै। अपनो जनता बड़ बेसी मूर्ख-मर्यादा छै। ओकरा टटका खेदापर बेसी विश्वास नै छै। अपना चुनाव लगायआएल छै। अपनुका काज बेसी नजरपर नहौ। देखियौ, जनता कुनता होइ छै। जखनि उ मूकए ओकरा आगू नोटो फेक दियौ। उ खुश भऽ जा लेत आ अहाँक पाछू-पाछू जाए लागत आ जेना-जेना कहबै तेना-तेना करत। ई सभ तरी-पेटी हम बड़ड बूझै छियै। ऊँट कोन गामे उठि बैसत, से हम जनै छियै।



सुरेश- मुदा सर, जनताकेँ एते बेकूफ नै बुझक चाही। जनता जनार्दन होइ छथि। हुनके कृपासँ अहाँ आइ एतऽ धरि पहुँचल छिऐ। जेना दोकानदार आ ग्राहकोमे अन्योन्याश्रय सम्बन्ध होइ छै तहिना अहाँ आ जनतामे अन्योन्याश्रय सम्बन्ध अछि। ऐ सम्बन्धकेँ तोड़नाइ बुड़बकाइ अछि आ तइसँ पराजय निश्चित अछि।

ब्रजेश- सुरेश, खराप नै मानब। एकटा बात पुछै छी जे अहाँक सोच हरदम नकारात्मक किए होइए?

सुरेश- किए नै हएत? अहाँ जनताकेँ बुड़बक बुझै छिऐ, बेकूफ बुझै छिऐ आ ओकरा संग बदसलूकी करै छिऐ, बेमानी करै छिऐ जे हमरा नै देखल जाइए। तँए नकारात्मक सोच बनि जाइए। सचिव, बैद, गुरु तीन जौ, प्रिय बोलहि भय आस। राजधर्म तन तीनकिर, होइ बेगहि नास हमरा जे नीक बुझाइए से कहै छी। हम अपन करतब करै छी। जदी अहूँ अपन करतब करितिऐ तँ अहाँक पूजा भगवानोसँ बेसी होइतए। अहाँ अप्पनि एमपी छी। निर्विरोध प्रधानमंत्री चुनल जइतौ।

ब्रजेश- सुरेश, अहाँ हमरा ओना समझा रहल छी जेना दादी पोताकेँ समझबैत होइ। ओतेक समझेबाक खगता कहाँ छै। हम कोनो साधारण राजनीतिज्ञ छी की?

राकेश- साहेब, गलती केकरोसँ भऽ सकैए। ओते बड़का हाथी होइए, कहियो ऊहो चुकि जाइए। सुरेश बाबू अपनेकेँ जे किछु कहलथि, बड़ नीक कहलथि आ मार्मिक गप कहलथि। हिनका अहाँ बुड़बक बनाए देलियनि। हमरा विचारसँ ई नीक नै भेलै।

ब्रजेश- राकेश, की नीक होइतै, अहीं कहियौ तँ?

राकेश- हमरा मने नीक ई होइतै जे अहाँ सुरेशक आदेशपर चलितहुँ आ हुनकर आदर करितिऔ तँ अपनेक प्रतिष्ठा आर बढ़ि जइतए।

ब्रजेश- अहाँ सभ खाली काल्पनिक बात बाजि रहल छी। तइसँ काज नै चलत। बातकेँ यथार्थ दिसि आनू। अच्छा राकेश, कहने छेलौ से की भेल?

राकेश- सएह कहऽ एलौ हेन। श्रीरनसँ हम बात कऽ लेलौं। ओ पक्का ठाढ़ हेता। अर्थक अभावमे नै, नै कहै छलाह। बड़ कहलियनि, बड़ कहलियिनि तँ ओ तैयार भेला। चुनावक कुल खर्च अहींकेँ वहन करए पड़त।

ब्रजेश- श्रीरन हँ कहि देलथि ने?

राकेश- हँ, हँ कहि देलथि।

ब्रजेश- सभ कहियो मिल-जुल कऽ चुनावक भारकेँ पार लगबै जाउ। ऐ बेर कोनो परिस्थितिमे चुनाव जीतनाइ अछि। ऐ बेर जे भेल से भेल। मुदा आगिला बेरसँ कोनो शिकाइत नै करए देब, से गछै छी।

राकेश- साहेब, किछु माल-पानी देबो करबै?


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ब्रजेश- आवश्यकता हेतै नँहि पड़तै। ई देखासँ काज केना चलतै?

राकेश- साहेब, श्रीनगरकेँ नाव कहिछु दऽ देलनि। हुनको कहिछु बतीस बऽ जरूरति। राखने छथिन।

ब्रजेश- केते राखने छथिन?

राकेश- ई तँ राखने छथिन से एते की औते?

ब्रजेश- केते दऽ दी बाजू?

राकेश- कमसँ-कम एको दियौ।

ब्रजेश- ताबे पचाससँ काज चलाउ। आगू देखल जेतै।

(ब्रजेश अन्दरसँ पचास हजार टाका आनि राकेशकेँ देलनि।)

राकेश- जदी अहाँ उ ई मानता तखनि?

ब्रजेश- जदी ई मानता नँ कहबनि दिस दनिमे दऽ छी।

राकेश- ठीक छै साहेब। आब हम चलै छी।

ब्रजेश- बेस जाउ। (प्रणाम कऽ राकेशक प्रस्थान। पर्दा खसैत राकेश स्टेज मंचपर आबैत।)

राकेश- आह पचासे हजार देलखिन। खाइर की करबै? जे देलखिन तहीमे सँ मेल-पाँच कऽ लेबै। ई हेतै नँ आशा हुनका दऽ देबनि। ओना और कम देबनि तँ चलतै। मुदा आशामे बाशा ई हेबाक चाहो। अनुचित बऽ जेतै। कारण श्रीनगर बेचारा गाए छथिन गाए।

पटाक्षेप-

 ISSN 2229-547X VIDEHA

चारिम दृश्य-

(स्थान- सुभद्राक आवास। आवासपर सुभद्रा, माला, चन्द्रमोहन आ उमाकान्त आँगनमे बैसल चुनावक सम्बन्धमे आपसी विचार-विमर्श कऽ रहल छथि।)

चन्द्रमोहन- दीदी पछिला बेर अहाँ मात्र दू भोटसँ हारि गेलौं। हारलाक तकलीफ भेल। कारण बड़ मेहनत केने छेलौं। सात दिन भरि अन्न-पानिओ नै लागल। मुदा अहाँकेँ की भेल हपतासे एकटा अहीं आ कि दैव जनैत छथिन।

(सुभद्राक आँखिसँ नोर बहऽ लगै छन्हि।)

माला- दीदी, अहाँक आँखि किए डबडबा गेल?

सुभद्रा- पछिला बेरक चुनावक बेथा मन पड़ि गेल। अही सभ तँ मन पारलौं। बड़ प्रयत्न केने रही। तैपर सँ खून-पसीना सेहो एक कऽ देने रही। ओकरे आह आबि गेल रहए तँए आँखि डबडबा गेल रहए।

माला- एना होइ छै। कोनो बात नै। मुदा नेताक हिम्मत कमजोर नै रहक चाही। कारण नेताक समक्ष कतेक समस्या उपस्थित होइ छै।

सुभद्रा- नेताकेँ ओतते कठोर भेनाइ सेहो नीक बात नै भेलै। कारण नेता अपन क्षेत्रक जनताक मालिक होइ छथिन आ मालिककेँ रंग-बिरंगक हाँट-बिहारिक सामना करए पड़ै छन्हि।

उमाकांत- माला बुच्ची, छोड़ह ई गप-सप्प। आगू की केना करै जाइ जेबहक, से विचार-विमर्श करै जाइ जाए।

माला- काका, अपने श्रेष्ठ छिऐ, जे जेना विचार देबै, से हेतै आ करै जाइ जेबै।

उमाकांत- आ जौं हम हुसि जाइ तँ तूँ सभ सम्हारै जाइ जेबहक कीने?

माला- अहाँ हुसिए नै सकै छी। कारण अहाँ बड़ अनुभवी छी।

उमाकांत- प्यारे हम पूरा परयास करब जे नै हुसी। मुदा जदी हम हुसऽ लागब तँ सभ कियो सम्हारैले छीहे। हमर विचार अछि जे जदी भगवान सकारा देने छथि तँ हिम्मत नै हारू। पछिला बेरसँ बेसी सभ तरहसँ बेसी मेहनत करबाक छै। पछिला बेर किछु दलाल सभ धोखा देलक। बेसी ओइ धोखेबाजसँ सावधान रहबाक छै। अति विश्वसनीय कार्यकर्तासँ लेन-देनबला काज करबैक छै।



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

सुभद्रा- काका, सरकारो तँ देने छथि। मुदा सरकारक उपयोग हम एहेन अनैतिक रूप सँ नै करए चाहै छी। कारण आइमे धनक प्रताड़ना बड़ भारी छै, गुणक प्रताड़ना हल्का भारी छै। आवश्यक आ उचित खर्च तँ करबे करबै। मुदा अनावश्यक आ अनुचित खर्चसँ बचैक पूरा प्रयास करबै। आइमे अपनेक की विचार?

उमाकांत- मुखिया चुनाव कोनो मामूली चुनाव नै होइ छै। ऐ चुनावमे प्रायः हुनके जीत होइ छन्हि जे छल-बल-कलसँ पूर्ण होथि। कंजूसाइसँ काज नै होइबला अछि। तन-मन-धनसँ काज लेबै तखने सफलताक आश कऽ सकै छी। हँ, जनता कहियो जागै हेन जे गुणक प्रताड़ना देत। मुदा ओकर संख्या अखनो बड़ कम अछि। अपना सभकेँ चाही भोटक संख्या जे धनक प्रताड़ना देबएबला जनताक हाथमे अछि। ओइले धने चाही। हवा-पट्टीसँ काज नै चलत।

सुभद्रा- हारि तँ निश्चित अछि। कारण बड़का जादूगर सभ ठाढ़ हेता।

उमाकांत- जखनि अहाँ अपन हारि निश्चित बुझै छिऐ तखनि चुनावमे ठाढ़ हेवाक बात किऐ करै छी? कनिको धन किऐ गमबऽ चाहै छी?

सुभद्रा- ऐ दुआरे जे जनताक बीच सदिखन रहि ओकर सेवा करबै जे अपने जनैत छी। खबरकेँ वा बिनु खबरकेँ हम प्रायः सभ जनताक दुख-सुखमे उपस्थित छी से खुशीए नै तन-मन-धनसँ। की ऐ सेवाकेँ जनता बिसरि जेतै?

उमाकांत- जाधरि अहाँ जनता ऐठाम ठाढ़ रहबै ताधरि अहाँ मन रहबै। ओकरा ऐठामसँ अहाँ ससरलिऐ, बस उ बिसरि गेल। बड़ कममे जनता एहेन हएत जे अहाँकेँ मन राखत। जनता टटका नश्ता ताकै छै। जेम्हर खीर, तेम्हर भीड़ रहएटा जनता, केर श्लोको हमर विचार जदी मानी तँ कहितौं जे तन-मन-धनसँ चुनाव लड़ू वा नै तँ बात छोड़ि दियौ अछरकट्ठु काज नीक नै होइ छै।

माधव- दीदी, काका ठीके कहै छथिन। कोनो काज करी तँ नीक जकाँ आ नै तँ नहियेँ करी, से नीक। आब अही विचार करू जे की करबाक अछि? जदी मन नै मानए, आत्मा नै कबुलए तँ जबरदस्ती नै करू।

चन्द्रमोहन- दीदी, कहाँदुन अपनेक पतिकेँ राजनीतिमे नीक प्रतिष्ठा रहनि। उ प्रतिष्ठा हुनका मुखियासँ एमपी धरि पहुँचा देलक।

उमाकांत- हमरा हुनकर छवि देखल अछि। जइ काजमे उ हाथ दइ छेलखिन उ काज सफल भेनाइ छेलै। सुभद्रामे हुनके समटा लक्षण छै। मुदा एकरामे एगो कमी छै। उ छै हिम्मत। कोनो काज करवामे हिम्मतक बड़ पैघ योगदान होइ छै। हिम्मत हारि दियौ, काज झुँसि जाएत। जनताक सेवा देश सेवा छी आ देश सेवा सभसँ पैघ सेवा होइ छै। सुभद्रा मनोहर मायक एकमात्र संतान अछि। माय तँ स्वर्ग सिधारि गेल। मुदा हुनक बाबूकेँ बैसल देख जनता सेवामे जीवन समर्पित कऽ रहलीह हेन। जेकर प्रमाण सुभद्राक ऐ बातसँ



बेटीए जे ई विवाह नै करत। हमरा सभटा प्रेमक विरुद्ध अछि। कारण हमरा एकरा परिवारसँ सभदिन नीक सम्बन्ध रहल। आइ-काल्हि एहेन नियोग के कऽ सकैए? (सुभद्रा सोचमे पड़ि जाइए।)

माला- दीदी, अहाँसँ जनताकेँ बड़ स्वार्थ छै। एकबेर हिम्मत कऽ बाजि दियौ जे छल-बल-कलसँ हम चुनाव लड़ब।

सुभद्रा- (गंभीर साँस लऽ कऽ) हिम्मत कऽ हम कहि रहल छी जे छल-बल-कलसँ नै मुदा तन-मन-धनसँ चुनाव हम अवस्स लड़ब। हम अपने सभसँ प्रण करै छी जे नैतिक रूपसँ हमरा जे धन खर्च करए पड़तै, से हम पूरा करब।

उमाकांत- सुभद्रा बुच्ची, हमरा पूर्ण विश्वास अछि जे तोहर काज आ नियोग तोरा सफलता प्रदान करतौ। नोमीनेशनमे देरी नै करिहनि। जल्दी नोमिनेशन करा क्षेत्रमे भोटक जोगाड़मे भीड़ जाइकेँ छै।

सुभद्रा- से त अपने रहबे करबै कीने? जे जेना सलाह देबै तेना हेतै आ करबै।

पटाक्षेप-

पाँचमि दृश्य-

(स्थान- विवेकक मकान- दरबज्जापर विवेक, सूरज, पंकज, मोहन आ पप्पू दारू-पार्टीमे मस्त छथि।)

सूरज- विवेक भैया, एहेन कोनो सारकेँ नै चलऽ देबै। जइमे फीरबाक होतै तइमे फड़ियाएत। पछिला बेर तोहर जमानत जप्त भऽ गेल छेलै आ एहेन सभ सारकेँ जमानत जप्त करा देबै।

विवेक- पाँचसालमे हम बैसल थोरहे छेलिऐ, जोगाड़मे लागल छेलिऐ। गाम-गाममे छौड़ा सभ तैयार छै। से तेहेन-तेहेन छौड़ा सभ छै जे ओकरा देखैत लोक फुद्दी भऽ जेतै। प्रत्येक मतदान केन्द्रक चारू कात बम बिछा देबै आ मात्र चारिटा खुंखार छौड़ाकेँ चारू कोनपर हथियार लऽ कऽ ठाढ़ कऽ देबै। बेसी नै तीन-तीनटा छौड़ाकेँ प्रत्येक केन्द्रपर पठेबै। सभटा भोँट छापि लेतै। सभ प्रत्याशी अलुआ आ सुथनी लऽ कऽ घर आएत। मुदा हम जीतक प्रमाण-पत्र लऽ कऽ घर आएब आ पलेनसँ दिल्ली जा लाल कोठीपर तिरंगा झंडा फहराएब। हा-हा-हा ऽऽऽ

पंकज- हा-हा-हा ऽऽऽ विवेक भैया, एहेन सार सभकेँ बापसँ भोँट करेबै। ओइबेर बड़ड हेरा-फेरी करै जाइ गेल। सार पुलिसबा सभ मुँह तकैत रहि गेल आ भोँट लूटा गेल। तहीपर ने ब्रजेश अप्पन छिहर-महर करैए। दिल्ली, मुंबई आ कोलकातामे जमीन कीनलक हेन। इंग्लैण्डमे एगो फ्लैट कीनलक हेन। एन एच-५७ कऽ कातमे पेट्रोलपम्प खोललक हेन। ई कम विकास भेलै?

विवेक- हम एहेन सभकेँ फाइल कऽ देगा। हम अमीरकामे फ्लैट कीनकेँ रहेगा आ ओतै पेट्रोलपम्प बनाएगा। तूँ सभ देखेगा हमर विकास केहेन होता है। राजीव बैककेँ हमरा से करजा लिअ पड़ेगा। हा-हा-हाऽऽऽ

मोहन- ब्रजेशबा तँ अपने बड़ड विकास कयिा। लेकिन पब्लिक कैं कोन विकास कयिा। पब्लिक कैं विकासपर कनियो ध्यान नै दयिा, से तँबड्ड खराब बात न भयिा। पब्लिकैं पर न ऊ आइ एम.पी. बनल हाय।

विवेक- चुप सार मोहना, तोरा दिमाग नै हाय। तूँ बड्ड बेकूफ हाय। एतबो नै बुझता हाय जे बरजेशबा पब्लिकपर एम.पी. बनल हाय की अपनेपर बनल हाय। सार मोहना, सुन। बरजेशबा बम-बारूदपर एम.पी. बनल हाय।

मोहन- हमहूँ तँ सहए कहता हाय जे एहेन बरजेशबाकेँ छक्का छोड़ाएगा। सभ बम-बारूद घुसारि देगा।

विवेक- आब तूँ रस्तापर आया। हा-हा-हा ऽऽऽ हमरा तोरा सनक बीर रहेगा तँ सभ सारकेँ देखा देगा जे कोन बाँसकेँ दाहा होता हाय। हा-हा-हा ऽऽऽ



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पप्पु- विविक भैया, जइ पार्टीक मालिक तूँ छेबहक ओइ पार्टीसँ कोन माइक लाल जीत सकैए?

विविक- हा-हा-हा ऽऽऽ जइ पार्टीमे पप्पु रहेगा ओइ पार्टी से कोन साथ हाथ मिलाएगा? ये सुनाओ, माल भेटत हाय। लड्डी लऽ कैं आ। मालिकन न सब कमाल होता हाय आ होगा। सुनाओ लड्डी आ।। (सुनाओक प्रवेश।)

पप्पु- विविक भैया, सुनाओ बड़ देरी कऽ देलियै। माल सब गेलियै। मन छटपटा रहल हाय। साथ लड्डी आएगा से नै। जे तुकपर नै से कथीदूनपना छोड़ी बचपा सुनाओ बड़ी कोढ़िया हाय। (कार्टूनमे दारू लऽ कऽ सुनाओक प्रवेश।) वाह वाह सुनाओ भाय, हमरा नै बुझल था जे तोरा एते स्फुर्ती हाय। तूँ बड़ी कामकें लड़का हाय।

(सुनाओ कार्टून खोलि दारूक बोतल निकालि कऽ राखलक आ कार्टून दरशक दिसि फेंक देलक। बोतल खोलि सबहक गिलासमे दारू ढारलक। सब मस्तीमे पी रहलए।)

विविक- आइ जे पार्टी बऽ रहल हाय से एम्पी एलेक्शनमे नाओ करेगा। हा-हा-हा ऽऽऽगोरकी परेकी ये माये गुलेलवा जियेरा उड़ी-उड़ी जाय।

पप्पू- तूँ चीज बड़ी है मस्त-मस्त, तूँ चीज बड़ी है मस्त। हा-हा-हा ऽऽऽ अपनहि जे माल आया हाय, से बड़ी कमाल माल हाय। हे भगवती। हे सरस्वती मैया। सबकें रहए बुधि देहिक जे अपना-अपना घरमे एहने मालवला कंपनी बैसावए। हा-हा-हा ऽऽऽ

पंकज- पप्पू सार, अपनहि तूँ की बाजि देलियै। तोरा कनियो दिमाग हाय की नै? केकरो घरमे हम ऐ मालक कंपनी नै बैसबऽ देगा। हम अपने घरमे बैसाएगा आ सौसे दुनियाँमे हमही माल सप्लाइ करेगा। हा-हा-हा ऽऽऽ दुनियाँमे सब से बेसी हमही धनिक बऽ जाएगा। खाली विविक भायसे बेसी धनिक नै होगा।

विविक- हा-हा-हा ऽऽऽ हमर आदेश नँ सब करता हाय। जाँइ गाम हाय ताँइ न करता हाय। हा-हा-हा ऽऽऽ

पप्पु- हा-हा-हा ऽऽऽ काल्हि हिम दुनू भैयारी दुनियाँपर शासन करेगा। हा-हा-हा ऽऽऽ ऐ मेरे वतनकें लोगो जरा आँखमे भर लो पानी। जो शहीद हुए है उनकी, जरा याद करो कुर्बानी। हा-हा-हा ऽऽऽ आइ हम सब शहीद हाय आ रहेगा।

मोहन- ऐ बेरका एलेक्शनमे प्रधानमंत्रीकें होगा। मनमाना घूस देइके लेल। हमरा सबके घूस नै देगा नँ प्रधानमंत्री अपने हारि जाएगा। हमरे सबके हाथमे न सब कुछ हाय। हम सब मामूली आदमी हाय। हा-हा-हा ऽऽऽ परदेशीओ से न अँधियारा मिलिना, परदेशीओ से न अँखिया मिलिना। सब परदेशीओ को है एक दिन जाना। विविक भैया, नोमिनेशन दिन आइसँ नमहर पार्टी चमगादिड़ पार्टी दिशि पड़तह।

विविक- बौआ सब, पहिने तूँ सब हमरा जीता। तखनहि नोमीनेशन कराएब आ चमगादिड़ पार्टी देबै।



पटाक्षेप-



(સ્થાન- દક્ષિણક કાર્યાલય। કાર્યાલયમે ચુનાવ આયુક્ત ગામ પ્રતાપ, ઉપચુનાવ આયુક્ત ગજિનાળ, દૂટા સુરક્ષાબલ માનસહિ આ યાનસહિ ઉપસ્થિત છથિ। ગામ પ્રતાપ આ ગજિનાળ કુર્સીપર બૈસ ચુનાવ-તૈયારીક વિષયમે ગપ-સપ્પ કરૈ છથિ। માનસહિ આ યાનસહિ ગેટપર ઠાઢ઼ છથિ।)

ગામ પ્રતાપ- ગજિનાળ બાબૂ, પછિલા ચુનાવમે કી-કી ત્રુટિ દેખલ ગેલ આ ઓકર કી સમાધાન હેતૈ? ઈ બાત ઐેલેન અપને સભકેં સૌંપલ ગેલ હેન।

ગજિનાળ- સર, ઈ બાત બડ઼ પૈઘ બાત હોઇ છૈ। એતે ગમ્હર બાત અપના સભસૌં સમ્હરતૈ કી બૈ?

ગામ પ્રતાપ- અવશ્સ સમ્હરતૈ। બૈ કહિ સમ્હરતૈ? અપના સભ દૃઢતાપૂર્વક બુદ્ધિ-વિવેકસૌં કાજ લેવૈ આ કરવૈ। આખિર દેશક સવાલ છૈ। એકરાત્રી હુસવૈ ત઼ દેશપર પડ઼તૈ। એહનો બડ઼ સક્ૈલ જે દેશ ગસાતલમે બે ચલિ જાએ। તાઁઇ અપના સભકેં બડ઼ સોચ-વિચારિ કિડ઼ કદમ રાખઽ પડ઼તૈ। અચ્છા ગજિનાળ બાબૂ અપને ઈ બતાઉ જે ચુનાવક સમસ્યા કી કી સભ અછિ? એકહકટા સમસ્યાકેં ટપિવાક અછિ આ પ્રત્યેક સમસ્યા સમાધાન ગંભીરતાપૂર્વક કરવાક અછિ। બાબૂ, અહૌં ગણતમિ કોન સમસ્યા અછિ?

ગજિનાળ- ટપિલ જાએ સર।

(૧) બુથ લુટનાઈ સુરક્ષા બલકેં રહૈત।

(૨) બક્સા હેરી-ફેરી કેનાઇ।

(૩) બૌંટ મશીનક ખરાબીસૌં બૌંટકેં સહી જગહપર નૈ જેનાઇ।

(૪) બૌંટક પ્રશિક્ષણક અભાવમે બૌંટકેં ખરાપ બેનાઇ।

(૫) સુદૂર ક્ષેત્રમે યાતાયાતક સાધનક અભાવમે ચુનાવ અધિકારીકેં પહુઁચૈમે અસુવિધા।

(૬) સમય અભાવમે પૂર્ણ મતદાન નૈ બેનાઇ।

(૭) પ્રશિક્ષિત પદાધિકારીકેં અનુભવહીન રહને સીલ-મોહર આ ઉપ્પન ક્રિયામે ગડ઼બડ઼ી।

(૮) કડ઼ાર નિરીક્ષકક અભાવ।

(૯) પદાધિકારીગણકેં દબાવમે રહનાઇ।



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(१०) पदाधिकारीगणकेँ बिकि जेनाइ।

(११) वोटक गिनतीमे बेइमानी भेनाइ।

(१२) अफसरशाही केनाइ।

(१३) सुदूर इलाकामे चुनाव निरीक्षककेँ नै पहुँचनाइ।

राम प्रताप- अहाँकेँ एते अनुभव अछि। तखनि अहाँ कहै छेलौं जे एते नमहर भार केना सम्हारत? ऐ अनुभवसँ बुझाइए जे अहाँ लेल ई भार कहियो नै भेल। हनुमानजीक लेल सूर्य एगो फल छै।

गिरिराज- सर, हमरासँ कहियए नै, बड़ बेसी समस्या छुटल हेतै। उ अपने पूरा करियौ।

राम प्रताप- हमरा नजरिमे अपनेसँ प्रायः कहियो नै छुटल। मुदा दूटा चीज छुटल लगैए।

गिरिराज- सर, की? बजियौ।

राम प्रताप- इहए जे (१) प्रत्याशीकेँ वोट कीननाइ। (२) मतदाताकेँ ताड़ी-दारू पीआ अपना बसमे केनाइ। गिरिराज बाबू, आब ई विचार कएल जाए जे वोटक समस्याक समाधान केना हएत? अपना सबहक पहिल समस्या छल सुरक्षाबलकेँ रहैत बुथ लुटनाइ। हम अपन अनुभव कहै छी जे अव्वल सुरक्षा बलक कारणे बुथ लुटा जाइए। उ गुंडा सभसँ डर ओकरासँ सामना नै करए चाहैए। जदी उ बलगर आ जोशगर रहति तँ उ ताउ नै मानति। उमरति वा मारति। जदी उ सुरक्षाबल अपने मरा जेतै तँ चुनाव प्रक्रिया कड़गर हेतै आ मतदान उचित हेतै। जदी उ गुंडा मरा जेतै तँ दोसर गुंडा फेर बुथ लुटैक हिम्मत नै करति।

गिरिराज- दोसर समस्या की अछि?

राम प्रताप- दोसर समस्या अछि बक्सा हेरा-फेरी केनाइ।

गिरिराज- सुरक्षाबलक बीचसँ वोटक बक्सा बदला जाइए। ई केना सम्भव छै? अवस्स ओइमे कोनो भाँज लगै छै। सुरक्षाकर्मी या तँ माल लऽ कऽ बक्सा बदलऽ दइ छै वा मारैक धमकीक डरसे बदलऽ दइ छै। जदी सुरक्षाकर्मी ऐ बदनीतीसँ बचै तँ ओइ तरहक घटना कमि हेतै। हमरा विचारसँ विश्वसनीय सुरक्षाकर्मीक बेवस्था हेबाक चाही जे अपना काजमे अडिग रहत। सर, तेसर समस्या की अछि?

राम प्रताप- तेसर समस्या अछि वोट मशीनक खराबीसँ वोटक सही जगहपर नै जेनाइ। सभ मशीन तँ खराब नै रहैए। मुदा कहियो मशीन खराब रहैए जइसँ बहुत रास वोट एम्हरसँ-ओम्हर भऽ जाइए। एकहकटा वोटकेँ बड़ महत्व छै जे आन कोइ ओते बढ़ियासँ नै बूझि सकैए। बहुत बढ़ियासँ ऊ बूझि सकैए जे एक वोटसँ हारल होइ वा एक वोटसँ जीतल होइ। जदी मशीन जाँचल-परखल हुअए तँ ऐ तरहक समस्यासँ बँचल जा सकैए। संगहि प्रत्येक क्षेत्रमे मशीनक अचानक खराबी लेल मिस्त्रीक बेवस्था हुअए।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

गिरिराज- चारिम समस्या की अछि?

राम प्रताप- चारिम समस्या अछि भोटक प्रशिक्षणात्मक अभावमे भोटकेँ खराप होनाइ। (भान सहि आ चान सहि खैनी चुना कऽ एक-दोसराक मुँहमे खखिबैए)

गिरिराज- वास्तवमे प्रशिक्षणात्मक अभावमे बड्ड भोट नोकसान भऽ जाइए। मतदाताकेँ दाबक चाही कोनो बटन आ दाबि दैतक कोनो बटन। पी कैतक वा नै कैतक, मतदाता छोड़ि दैत भेल वा एक बेरक बदला दूबेर दाबि दैतक। अथवा मोहर मारक चाही एकटा छापपर। मुदा मारि दैतक दूटापर तीनटापर। स्वभाविक छै भोटकेँ बोकस होनाइ। अपना मुखिया चुनावमे अक्सर एना होइए। जदी मतदाताकेँ चुनाव पूर्व प्रशिक्षित दिया बेवहारिक रूपमे आनल गेल रहितै तँ समस्याक अधिकारिक समाधान भऽ जइतै। पाँचमि समस्या की छै सर?

राम प्रताप- पाँचमि समस्या अछि सुदूर इलाकामे यातायातक साधनक अभावमे चुनाव अधिकारीकेँ पहुँचैमे असुविधा। अपनो भारतमे सुदूर देहातमे सड़कक अभाव अछि। जतऽ कोनो चारि चकिया नै चलैए। बेसी-सँ-बेसी मोटर साइकिल चलैए। जइ अधिकारीकेँ मोटर साइकिल नै छन्हि ओ ओइ बुथपर कोना पहुँचताह। पैदल जाइ-अबैमे परेशानीक सामना करए पड़तनि। बिनु अभ्यासवला अधिकारी ओहि ठेर कुहरताह। जदी ओइ विशिष इलाका लेल हेलिकॉप्टर प्रयोग होइतए तँ समस्याक समाधान सम्भव छैलै। छठम समस्या अछि समैएक अभावमे पूर्ण मतदान नै होनाइ।

गिरिराज- चुनावक प्रकिया तेते लमहर रहै छै जे मतदाताकेँ पतियानीमे ठाढ़ भेल-भेल मन अकच्छ भऽ जाइ छै आ कियो बेसी व्यस्त मतदाता आबि गेल तँ पतियानी देखि घुरि गेल आ फेर ओ नै आबि सकल।जदी कोनो एहेन विशिष सरकारी कानून रहितै जेकरा पहचान पत्रसँ सत्यापित कऽ छाप-विशेषवला बकसामे खसा देल जइतै तँ समस्याक समाधान सम्भव छैलै। सातम समस्या की छै सर?

राम प्रताप- सातम समस्या अछि प्रशिक्षित पदाधिकारीकेँ अनुभव हीन रहने सील-मोहर आ लेखन-क्रियामे गड़बड़ी। चुनाव पदाधिकारीमे बहुत एहनो होइ छथि जे प्रशिक्षित रहितो अप्रशिक्षित रहै छथि। जइ कारणे बकसाक सील-मोहर ठीकसँ नै भऽ सकल आ लेखन-क्रियामे उल्टा-पुल्टा भऽ गेल। समाधान लेल पीठासन पदाधिकारीकेँ पूर्ण प्रशिक्षित हेबाक चाही। (दुनू सुरक्षाबल खैनी चुना कऽ ठोरस लऽ छीकैए। फेर दुनू एक-दोसराक पेन्टक भीतर खैनी दैए) आठम समस्या अछि कड़ागर निरीक्षकक अभाव।

गिरिराज- कड़ागर निरिक्षक अभावमे बुथपर हो-हल्ला भऽ जाइए। मतदाताकेँ दलाल सभ भड़का दइए। मतदाता डरे भोट खसबैले नै जाइए। तइमे जनानी मतदाता आर डरे बुथपर नै गेली। जदी निरिक्षक लेकनि भोटक दलालकेँ पकड़ि कड़ागर सजा दइतै जेकरा देखि दोसर दुस्साहस नै करति। आब अगिला समस्या सर?

राम प्रताप- नअम समस्या अछि पदाधिकारीगणक दबावमे रहनाइ। बहुत बुथपर पहुँचल पदाधिकारीगण पर स्थानीय दबंग लोकनी द्वारा दबाव बनाओल जाइए जइसँ डरि ओ पक्षपात करैसँ मजबूर भऽ जाइए आ अनुचितोकेँ उचित बूझि मतदान करबैए।

गिरिराज- दसम समस्या अछि पदाधिकारीगणकेँ बिकि जेनाइ। कतेक पदाधिकारीगण प्रत्याशीक विशेष दलालक हाथसँ बिकि जाइ छथि। बदलामे ओ हुनका आन्तरिक सहयोग करै छथिन। ओ पक्षपात करैत मूर्ख मतदाताकेँ कहै छथिन जे ओइ बटनकेँ दबबियौ वा ओइ छापपर मोहर दियौ। ई सरासर गलत भेलै। अइमे सुधार हेबाक चाही।

राम प्रताप- एगारहम समस्या अछि भोँटक गिनतीमे बेमानी भेनाइ। भोँट गिनतीक बरिष्ठ पदाधिकारी अपन कलासँ जीतल पार्टीक हरा सकैए। जनरेटर गुम्म करा कऽ बक्साक हेरा-फेरी करा सकैए। जेना अमीनक जेबीमे दू-चारि किरी जमीन रहैए तहिना गिनती पदाधिकारीक जेबीमे सए-पचास भोँट रहै छै जेकरा प्रयोगसँ ओ हारल पार्टीकेँ जीता सकैए। जदी विशेष दल द्वारा भोँटक गिनती विशेष निगरानीमे कएल जाए तँ समस्यासँ उबरल जा सकैए।

गिरिराज- बारहम समस्या अछि अफसरशाही केनाइ। जेना चोर-चोर मसियौत भाए तहिना अफसर-अफसर मसियौत भाए। अफसर-अफसरक बात सुनबे करत आ ओकर कहल करबे करत। सभ प्रत्याशीकेँ कोनो ने कोनो रूपमे ऊपरका अफसरसँ मेल रहै छै। विशेष परिस्थितिमे ओइ मेलक प्रयोग होइ छै आ एकटा अफसर अपन पक्षक हारल पार्टीकेँ जीता दइ छथिन। जे ठीक ने भेलै। कहबी छै, जखनि बड़के छुलाय तँ छोटका भने लागल खाय। जखनि बड़के बेमान भऽ जाइए तँ छोटका भेल वा हएतँ कोन जुलुम?

राम प्रताप- तेरहम समस्या अछि सुदूर इलाकामे चुनाव निरीक्षक के ने पहुँचनाइ। अइसँ ओइ क्षेत्रमे मतदान मनमाना भऽ जाइ छै जसिको लाठी उसको भैंसवला गप आबि जाइ छै। चुनाव अधिकारीकेँ बंदी बना दबंग लोकनी बुथपर कब्जा कऽ लइ छै। यातायातक साधनक अभावमे जदी हेलीकॉप्टर प्रयोगसँ निरीक्षक के बुथ धरि पहुँचाएल जाए आ दोषीकेँ पकड़ि कड़गर सजा देल जाए तँ समस्यासँ उबरल जा सकैए।

गिरिराज- दोसर छूटल समस्यामे पहिल अछि प्रत्याशीकेँ भोँट कीननाइ। प्रत्याशी एक सए-दू सए टके भोँट कीनै छथि। ऊहो देखा कऽ ने। चोरा-नुका कऽ चुनावसँ पहिने एकदिन वा दूदिन रातिमे घरे-घरे घूमि कऽ पाइ बँटै जाइ छथि। मूर्ख-मयंड जनता टटका स्वार्थलीन भऽ बेसी पाइबला पार्टीकेँ दइ छै। भलेहिँ ओ पार्टी केतबो सड़ल किए ने होउ।

राम प्रताप- अन्तिम समस्या हमरा समक्ष अछि मतदाताकेँ ताड़ी दारू पीआ अपना बशमे केनाइ। प्रत्याशी प्रत्यक्ष रूपसँ वा अप्रत्यक्ष रूपसँ जनताकेँ ताड़ी-दारू पीबैक खर्चा दइ छथिन। जनताकेँ नीशाँमे मता कऽ उनटा-पुनटा, सीखा-पढ़ा अपना दिसि करै छथि आ भोँट बटोरै छथि। (भानसहि आ चानसहि खैनी चुना कऽ खा पुच-पुच थूक फेकै छथि। राम प्रताप आ गिरिराज दुनूक कनिदानी देखि रहल छथि।

 ISSN 2229-547X VIDEHA

માનસહિ આ યાનસહિ ઠાઢ઼-ઠાઢ઼ ઓઘા ગેલ। નહિનમે દુનૂ એક-દોસરાક દેહપર પુય-પુય થૂક ફેકૈઈ આ ધુસ-ધુસ પ્પિસૈ।)

ગપિપિાળ- (પ્પોસયિાકેં) માનસહિ, યાનસહિ। (દુનૂ એક દોસરાક કાન પકડ઼િ ઉઠા-વૈસી કરઈ લાગલ આ પુય-પુય થૂકઙઈ લાગલ।)

આપ્પનિ વરનૂડા સાસ્ઠ કરા। (દુનૂ ઓઘાના કઽ વરનૂડા પોછઈ લાગલ આ પુય-પુય થૂકઈ લાગલ।)

આપ્પનિ કુરના કરૈ ળો। (દુનૂ અંદરસઁ પાનિ આનિ કુરના કઽ એક દોસરાક દેહપર ફેકઈ લાગલ।)

આપ્પનિ વરદી સાસ્ઠ કરૈ ળો। (દુનૂ કમીળ નકાલિ કુરનાસઁ કમીળ પ્પીયઈ લાગલ।)

રામ પ્રતાપ- ગપિપિાળ વાવૂ, કાલ્હિસઁ એ દુનૂ ગોટેકેં છુટ્ટી દઽ દિયૌ। ઈ સબ વાનિ ગેલ હેના। (દુનૂ કાન પકડ઼િ આલા-આલા ઉઠા વૈસી કરૈ।

પટાક્ષેપ-



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒮𑒰𑒞𑒧 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨-

(𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢- 𑒢𑒼𑒧𑒱𑒢𑒹𑒬𑒢 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨। 𑒢𑒼𑒧𑒱𑒢𑒹𑒬𑒢 𑒣𑒠𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒯𑒩𑒱𑒠𑒹𑒫, 𑒥𑒛𑓃𑒰 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒂𑒢𑓀𑒠, 𑒏𑒱𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒥𑒻𑒖𑒴 𑒂 𑒔𑒣𑒩𑒰𑒮𑒲 𑒩𑒰𑒒𑒫 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨𑒧𑒹 𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒦𑒲𑒛𑓃𑒪 𑒕𑒟𑒱।)

𑒩𑒰𑒒𑒫- 𑒏𑒲 𑒥𑒻𑒖𑒴? 𑒂𑒃 𑒧𑒰𑒪 𑒯𑒼𑒮𑒾𑒞-𑒯𑒼𑒮𑒾𑒞 𑒢𑒹𑒯𑒰𑒪 𑒦𑓄 𑒖𑒹𑒥𑒻।

𑒥𑒻𑒖𑒴- 𑒮𑒹 𑒞𑒴𑒿 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒯𑒱𑒢?

𑒩𑒰𑒒𑒫- 𑒂𑒃 𑒢𑒼𑒧𑒱𑒢𑒹𑒬𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒢𑒹𑒞𑒰 𑒮𑒦 𑒎𑒞𑒻। 𑒮𑒦 𑒐𑒳𑒬𑒲-𑒐𑒳𑒬𑒲 𑒧𑒰𑒪-𑒣𑒰𑒢𑒲 𑒠𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻।

𑒥𑒻𑒖𑒴- 𑒢𑒧𑒯𑒩𑒏𑒰 𑒥𑒙𑒳𑒂 𑒂𑒢𑒪𑒹𑒿 𑒯𑒹𑒢 𑒏𑒲𑒢𑒹?

𑒩𑒰𑒒𑒫- (𑒥𑒙𑒳𑒂 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒻𑒞) 𑒃𑒯𑒋 𑒢𑒫𑒏𑒰 𑒂 𑒢𑒧𑒯𑒩𑒏𑒰 𑒥𑒙𑒳𑒂।

𑒥𑒻𑒖𑒴- 𑒢𑒯𑒱𑒿, 𑒑𑒼𑒪𑒥𑒩𑒠𑒥𑒪 𑒪𑒙𑒏𑒪𑒯𑒰। 𑒢𑒹𑒞𑒰 𑒮𑒦 𑒏𑒰𑒢𑒴𑒢𑒔𑒲 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻 𑒂 𑒏𑒻𑒨𑒰𑒥 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻। 𑒅 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒁𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒼𑒔𑒻𑒣𑒩 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒻।

𑒩𑒰𑒒𑒫- 𑒯𑒧𑒯𑒴𑒿 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒯𑒹𑒯𑒩 𑒕𑒱𑒌। 𑒯𑒿𑒮𑒰𑒏𑒹𑒿-𑒐𑒹𑒪𑒰𑒏𑒹𑒿-𑒣𑒋𑒩-𑒠𑒰𑒜𑓃𑒲 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒱𑒏𑓄 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒯𑒹𑒞𑒻 𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒧𑒰𑒪 𑒙𑒢𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥𑒻। 𑒢𑒻 𑒞𑒿 𑒧𑒼𑒯𑒩𑒹 𑒢𑒻 𑒠𑒹𑒥𑒻। 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒂𑒃𑒮𑒿 𑒔𑒣𑒩𑒰𑒮𑒲 𑒕𑒲।

𑒥𑒻𑒖𑒴- 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒮𑒲𑒢𑒲𑒨𑒩 𑒕𑒻𑒿। 𑒯𑒻 𑒖𑒰𑒨, 𑒮𑒳𑒞𑒰𑒩। 𑒮𑒰𑒿𑒗𑒧𑒹 𑒣𑒰𑒩𑓂𑒙𑒲 𑒔𑒪𑒞𑒻 𑒏𑒩𑒏𑒩𑒰𑒏𑒹𑒿।

𑒩𑒰𑒒𑒫- 𑒂 𑒖𑒾𑒿 𑒢𑒻 𑒮𑒳𑒞𑒩𑒪 𑒞𑒿 𑒮𑒾𑒿𑒮𑒏𑒰 𑒣𑒰𑒩𑓂𑒙𑒲 𑒞𑒼𑒩𑒰 𑒪𑒑𑒞𑒾। 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒕𑒹𑒿𑒋 𑒢𑒹?

𑒥𑒻𑒖𑒴- 𑒞𑒴𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒰𑒩𑓂𑒙𑒲 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒪𑒑 𑒩𑒰𑒐𑒯।

(𑒂𑒑𑒴-𑒂𑒑𑒴 𑒑𑒼𑒥𑒩𑓂𑒡𑒢𑒪𑒰𑒪, 𑒣𑒰𑒕𑒳-𑒣𑒰𑒕𑒳 𑒩𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩, 𑒖𑒲𑒞𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩, 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪 𑒂 𑒣𑒰𑒿𑒔𑒙𑒰 𑒮𑒧𑒩𑓂𑒟𑒏 𑒩𑒰𑒧, 𑒬𑓂𑒨𑒰𑒧, 𑒧𑒯𑒹𑒬, 𑒑𑒼𑒣𑒰𑒪 𑒂 𑒮𑒼𑒯𑒢 𑒕𑒟𑒱। 𑒑𑒼𑒥𑒩𑓂𑒡𑒢 𑒧𑒰𑒪𑒰 𑒣𑒯𑒱𑒩𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱। 𑒮𑒧𑒩𑓂𑒟𑒏 𑒢𑒰𑒩𑒰 𑒪𑒑𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒑𑒼𑒥𑒩𑓂𑒡𑒢 𑒯𑒰𑒟 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒢𑒹 𑒧𑒳𑒮𑒏𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒟𑒱। 𑒞𑒲𑒢-𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒥𑒹𑒩 𑒁𑒢𑓂𑒠𑒩𑒧𑒹 𑒢𑒰𑒩𑒰 𑒪𑒰𑒑𑒪।)

𑒩𑒰𑒧- (𑒁𑓀𑒠𑒩𑒮𑒿) 𑒑𑒼𑒥𑒩𑓂𑒡𑒢𑒪𑒰𑒪 𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠।

𑒔𑒰𑒧𑒴- 𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠 𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠।

𑒩𑒰𑒧𑒴- 𑒏𑓀𑒑𑒰𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒩𑓂𑒙𑒲 𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

यादू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राम- देशक नेता केहेन हो?

यादू- गोवर्धनबाबू जेहेन हो।

राम- देशक बाबू।

यादू- गोवर्धनबाबू। (सभक प्रवेश। संग नारा लगबैत सभ गढ़ कार्यालयक आगूमे।)

माधव- अहाँ सभ कार्यालयक आगूमे हल्ला-गुल्ला नै करू। अध्यक्ष जी कार्यालय भीतर अछि। जल्दी काज करैत आ निकलू। नेताजी पधारला।(नारा बन्द भेल)

गोवर्धन- पधारला पधारला। की हाल-चाल माधव?

माधव- सभ ठीक छै। अहूँ ठीक छी। ऐबेर अहाँक गोटी लाल अछि। जनता किछु बनाउ ने नेताजी? पहिने-पहिने एलौ हेन।

गोवर्धन- (मुड़ी डोलाए) हौ, अवस्स हौ।

(गोवर्धनबाबू बैजू लग जा डायरीसँ निकालि अपन प्रमाण पत्र जमा कऽ हुनकासँ स्टाम्प लऽ कऽ अपनेसँ शीघ्र भरि आनंद लग गेलथि। आनंदकेँ ओ स्टाम्प देलथि।)

आनंद- (स्टाम्प पढ़ि) नेताजी, हरवडीमे गड़बड़ी भऽ जाइ छै। देखियौ एतए दसखत छूटल अछि।

गोवर्धन- (मुस्कीआइत) लाउ सर, दसखत कऽ दइ छिऐ।

(गोवर्धन दसखत केलनि। संग आनंद दसखत केलनि।)

आनंद- ई लिऐ, सर लग जाउ। (गोवर्धन हरिदेव लग जा हुनका स्टाम्प देलथि।

हरिदेव- (स्टाम्प पढ़ि) एतै क्रम-संख्या छूटल अछि।

(गोवर्धन क्रम-संख्या भरलनि। हरिदेव दसखत केलनि। माधव हरिदेवसँ स्टाम्प लेलथि।)

माधव- नेताजी, जल्दी करू। जनता बनाउ। संग भीड़ भऽ जाएत तँ अहूँ फँसि जाएब।

गोवर्धन- काल्हि आबै छी तँ लेब।

રાઘવ- ગપ્પની કાઉહિ શ્રીમાન ઉઽ ઉેવ।

ગોવર્ધન- હમ શકિાશ્ત કઽ દેવ। વેકાનમે શ્રૅંસ ળિાએવ।

રાઘવ- સે હમ કોનો ળવદસ્તી મંગૈ છી। પ્પુશીસઁ મંગૈ છી। પ્રેમસઁ મંગૈ છી। અહાઁ હોના છી। અહાઁ ળનગાક માઉકિ વનए યઉઉ છિ। અવસ્સ વનવો કનવૈ। અહી સમપન ને હમનો વડ઼ આશ છૈ। હોડ શુમ કાળમે વઉિમ નૈ કનૂ।(ગોવર્ધન એગો નમની નકિાઉ રાઘવકેં દેઉની। રાઘવ પ્રસન્ન મઽ મોહન દેઉક।)

આવ અહાઁ સભ ળાઉ। ચુનાવક તૈયાની કનૂ ગઽ

(નાના ઉગાવૈત સવહક પ્રસ્થાન)

નામ- ગોવર્ધનઉાઉ ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

નામ- કંગાઉી પાર્ટી ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

નામ- ગોવર્ધન મૈયા ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

નામ- કટહન છાપ ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ। (સવહક પ્રસ્થાન। અન્દનમે શ્રીનન, કૃષ્ણાનંદ આ કન્હૈયાક સંગ ગોઉ, ળીવછ, નાળા, પઉટ આ પંડિત પાઁચટા સમર્થક છથિ। શ્રીનન માઉા પહીન સળઉ-સચઉ છથિ। શ્રીનનક પાર્ટી અન્દનમે નાના ઉગાવૈ છથિ।)

ગોઉૂ- (અંદનસઁ) શ્રીનન મૈયા ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

ગોઉૂ- માનૂતી પાર્ટી ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ। (આગૂ-આગૂ શ્રીનન આ પાછૂ-પાછૂ કૃષ્ણાનંદ, કન્હૈયા આ સભ સમર્થકક પ્રવેશ)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ગોઉ- મૌગી-સારકવિ ળન્દિાવાદ।

યાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

ગોઉ- દેશક નેતા કેહેન હો।

યાનૂ- શ્રીનન નૈયા ળેહેન હો।

નાઘવ- નેતાળી પનામાન।

શ્રીનન- પનામાન, પનામાન। ઠીક છી ને?

નાઘવ- ળી ઠીક છી। શ્રપને સબ શાન્ત બડ કડ શ્રાઉ। વડ઼ નીક સમૈપન એઉ હેના। મુહૂન્તો શુભ શ્રછિ। શ્રહાઁક વન્નિય પક્કે શ્રછિ।

(શ્રીનન શ્રપન પમાામ-પત્ન વેગાસઁ નકિઉ વૈળૂકેઁ દડ શ્રાનમ ઉઉથિ। શ્રાનમ ક઼ૃષ્ણાાનન્દ બનિ નેહઉ છથિ।)

વૈળૂ- નેતાળી, સ્વહસ્તાઉષ્પિત શ્રાનમ હેવાક યાહી। શ્રપનેસઁ બનૂ। નૈ તઁ શ્રાવેદન નદ્દ બડ ળાએત।

શ્રીનન- શ્રહાઁ નહૈત હમન શ્રાવેદન નદ્દ બડ ળેતૈ। ળૂઉમ બડ ળેતૈ।

વૈળૂ- શ્રહાઁ શ્રપનેસઁ બનૂ। તરમે કોનો તમિોઠી હેતૈ તઁ સુયાન હમ કડ દેવૈ।

શ્રીનન- શ્રહાઁ સબકેઁ નહૈત હમ શ્રાનમ બનવ તઁ ઉક કી કહત?

વૈળૂ- નૈ બનવૈ તૈયો ઉક કહત ળે નેતાળીકેઁ શ્રાનમો નૈ બનઉ હોર છૈ। નૈ બનઉપન ઉક શ્રાન વુડ઼વક વુદ્દ।

શ્રીનન- વૈળૂ વાવૂ, શ્રહી બનિ દિયૌ। ળે ળેના કહવૈ સે બડ ળેતૈ।

વૈળૂ- શ્રહાઁકેઁ બનઉ નૈ હોરએ સે?

શ્રીનન- પઢ઼ઉા-ઉષ્પિઉ વડ઼ દિન બડ ગેઉ। સબટા વિસિનિ ગેઉએ।

વૈળૂ- દસખ્યાતો હોરએ કી નૈ?

શ્રીનન- ળાએ ઠામ કહવ તાએ ઠામ કડ દેવ।

વૈળૂ- પ્નમાામ-પત્ન વીઃ પાસક શ્રછિ। પ્નમાામ-પત્ન ળઉયિા તઁ નૈ શ્રછિ?

શ્રીનન- નૈ વૈળૂ વાવૂ, હમહીટા બુસકોઉ છી। હમન પ્નમાામ-પત્ન બુસકોઉ નૈ શ્રછિ।

વૈળૂ- અચ્છા શ્રાનમ ભાઉ, હમહી જાના દિર છી।

(વૈળૂ શ્રીનનક શ્રાનમ જાનૈ છથિ। શ્રીનન એગો પનસૌઆ નકિાળ વૈળૂક ળેવીમે નાપ્પ દિઉથિ।)

વૈળૂ- હે એ઼ભ દસપ્પભ કનૂ। (શ્રીનન દસપ્પભ કેઉનિ।) વડ઼ા વાવૂ ઉગ ળાઉ। (વડ઼ા વાવૂ શ્રાનમ ઉઽ કઽ પઢ઼ઉથિ।)

શ્રાનંદ- નેભાળી, શ્રાનમ સ્વ઼હસ્નભઉપ્પિતિ હેવાક યાહી। અહૉં વૈળૂ વાવૂસઁ જાનેઉૌ। કહી શ્રાવ઼ેદન નદ્દ ને જાઽ ળાએ। (શ્રીનન એકટા પનસૌઆ શ્રાનંદક ળેવીમે નપ્પ દિઉથિ।)

શ્રીનન- સન, અહી હાથમે સજ કછુ છૈ। ળે કનવૈ સે હેતૈ।

શ્રાનંદ- ળાઉ, હમનાપન છોડ઼ દિઉૌ, ભપ્પની કિછુ નૈ હએભ।

(અપન દસપ્પભ કઽ શ્રાનંદ શ્રીનનકેં શ્રાનમ દઽ દિઉનિ।) ળાઉ નેભાળી સન ઉગ ળાઉ। (શ્રીનન હનિદિવ઼ ઉગ ગેઉથિ।)

શ્રીનન- સન, પ્નામામ। (શ્રીનન હનિદિવ઼કેં શ્રાનમ દેઉથિ।)

હનિદિવ઼- (શ્રાનમ પઢ઼િ) નેભાળી, અહૉં વીએ પાસ છી। મુદા એકટા શ્રાવ઼ેદન નૈ જાનઽ અવૈએ। ई ઘનિૌના વાભ જેઉ। અહૉં રસકૂઉ કી કનએ ળાર છેઉએિ? પઢ઼ૈઉ અાક ગાછી-વનિછી વૌશ્રારઉ? મૈટ્નીક, રન્ટન શ્રા વૈયઉન કોના કઽ ગેઉએિ। ઉગૌએ વોન્ઉ વા પનષિદ વભાહ જાઽ ગેઉ હએભ। ળર દેશક નેભા એહેન યોગ્ય હેતૈ, શ્રોર દેશક દુર્દશા વ્નહ્મો નૈ મેટા સકૈએ। અહૉંક શ્રાવ઼ેદન નદ્દ કનએવઉ અછિવાળૂ કી વ઼યિાન?

શ્રીનન- સન, ગોન ઉગૌ છી। શ્રાવ઼ેદન નદ્દ નૈ કનિયૌ।

(શ્રીનન શ્રાનંદ ઉગ ળા કછુ કનશુસ્કી કેઉથિ। સેન શ્રાનંદ હનિદિવ઼ ઉગ શ્રાવિ કિનશુસ્કી કેઉથિ।)

હનિદિવ઼- ળાઉ નેભાળી, શ્રાવ઼ેદન નદ્દ નૈ કનૈ છી। વડ઼ા વાવૂક પૈનવી સુનહે પડ઼ભ।

(હનિદિવ઼ દસપ્પભ કઽ દિઉનિ। નાઘવ઼ શ્રાનમ ઉઽ ઉઉથિ।)

નાઘવ઼- નેભાળી, મોહન દશ્રિાર માઉ-પાની દિયૌ।

શ્રીનન- પહિનિ મોહન દિયૌ ને, ભપ્પની દિર છી।(નાઘવ઼ મોહન દેઉથિ)

નાઘવ઼- ઉાઉ નેભાળી।

(શ્રીનન એગો નમની દિઉનિ।) યુહ, ई કી દેઉએિ। વનવૈ એ઼નપી શ્રા દેઉએિ એક્કે સએ ટાકા।



Fortnightly ejournal *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* 'विदेह' १६२ म अंक १५ **सितम्बर** २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

શ્રીરન- એમ.પી વનવૈ, તખનિ ળે કહવ સે દેવ।

રાઘવ- એમ.પી વનઉા પછાતિ અહઁ અપન માએ-વાપકેઁ હાથ ઉગાવે નૈ કરવ આ હમરા કેતએસઁ ઉગાવ।

શ્રીરન- હમ સભકેઁ હાથ ઉગાવૈ। કેકરો નૈ વસિરવૈ।

રાઘવ- વેસ નેતાળી। તાવે કછુિ આરો કસિપા કરયિૌ।

(શ્રીરન એક સએ ટાકા આર દેઉથિ આ મોહર ઉઽ સભ નારા ઉગાવૈત પ્રસ્થાન।)

ગોઉૂ- શ્રીરન ભૈયા ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

ગોઉૂ- મારૂતી પાર્ટી ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

ગોઉૂ- મૌગી સાઽકિલ ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ। (સવહક પ્રસ્થાન) વ્રળેશ, સુરેશ, રાકેશ, ભોઉૂ આ શોરૂક સંગ સમર્થક નવીન, પ્રવીણ સુમન, સળીવ આ રાહુઉ અન્દરમે છથિ।વ્રળેશ પ્રત્યાસિક રૂપમે સળઉ-ધળઉ અછિ। વ્રળેશ આગૂ-આગૂ આર સભ કયિૌ પાછૂ-પાછૂ નારા ઉગાવૈત પ્રવેશ।)

રાહુઉ- વ્રળેશ ભૈયા ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

રાહુઉ- ભૈસા પાર્ટી ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

રાહુઉ- વતૂ છાપ ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

રાહુઉ- ભૈસરાળ ળન્દિાવાદ।

યારૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(गाना बन्न भेल)

राघव- नेताजी प्रणाम।

ब्रजेश- प्रणाम-प्रणाम।

राघव- कार्यालयमे अपनेक स्वागत अछि।

(सभ कार्यालय पैसलथि। पी.ए. सुरेश बैजूसँ फारम लऽ कऽ भरा ब्रजेशसँ दस्तखत करा कऽ फारम आनंदकेँ देलनि।)

आनंद- (फारम जाँचि कऽ) सर ठीक अछि। (आनंद दस्तखत कऽ देलनि आ सुरेश फारम लऽ कऽ हरिदेव लग गेल। ब्रजेश कुरसीपर बैस पेपर पढ़ै छथि।)

हरिदेव- (फारम पढ़ि) सर फारम ठीक अछि। मुदा अहाँ किए भरलिए? स्व हस्तलिखित होबाक चाही।

सुरेश- एम.पी. साहेबकेँ कष्ट केना दैतयनि?

हरिदेव- अइमे बड़ बेसी कष्ट तँ नै छैक। साहेबकेँ फारम भरैमे कष्ट होइ छन्हि। मुदा घोटाला करैमे कष्ट नै होइ छन्हि।

सुरेश- चुप-चुप, साहेब सुनि जेता।

हरिदेव- सुनि जेता की हेतै? हम कोनो गलती नै कहै छियनि। अही सोचियौ सर, देशके कानून बनेनिहार अपने-अपन कानूनकेँ पालन नै करै छथिन, और देशकेँ की गति हेतै? दुर्दशा छोड़ि आर की भऽ सकै छै?

सुरेश- छोड़ू सर, केते समुन्दर उपछब?

हरिदेव- करैले तँ हम कए देब मुदा आवेदन रद्द करैबला अछि। सामनेमे कानूनक उल्लंघन नै शोभै छन्हि।

सुरेश- बुझैले तँ सभ गप बुझिते छिऐ। मुदा करबै की? दस्तखत कऽ दियौ।

हरिदेव- लाउ कऽ दइ छी। मुदा एना नै होबाक चाही।

(हरिदेव दस्तखत केलनि। राघव हरिदेवसँ फारम लऽ लेलनि।)

राघव- सर, ऐपर मोहर देबै। किछु खर्चा-पानी दियौ ने?

सुरेश- एहेन बात नै बाजू। साहेब सुनि जेता। नोकरीपर पड़ि जाएत।



राघव- कहि ये सर, हम प्रेमसँ मंगै छी तँ हमर नोकरी चलि जाए आ जे हरदम घोटाला करैत रहै छथि तँ हुनका आर घोटालाक मौका भेटए। तँए ने मालिक एते पछुआएल अछि आ रहत।

सुरेश- मालिकक पछुएनाइ वा अगुएनाइक चिन्ता छोड़ू दुनियाँमे बड़ कलाकार सभ बैसल छथि।

राघव- दुनियाँमे कहियो कलाकार नै छथि सभ कलाकार छथि जे हरदम अपने जोगाड़मे रहै छथि। सर, हमरा ओहुना नै सुनै-सुनबैक अछि। खुशीसँ कहि देब तँ दर्शन नै तँ कोनो बात नै।

सुरेश- अच्छा, मोहर देने आउ। (राघव मोहर देलथि। सुरेश श्वास छोड़थि।)

तेर एक सप्ताहमे कुषेत्र दौड़मे आएब तप्पना छ८ छेव।

राघव- धन्य छी प्रभु, धन्य छी।

(नारा लगबैत सबहक प्रस्थान।)

राहुल- परमेश भैया जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- भैया पार्टी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- बनू छाप जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- देशक नेता केहेन हो?

चानू- परमेश भैया जेहेन हो। (नारा बनन भेल। अन्दरमे सुभद्रा, माल, चन्द्रमोहन आ उमाकान्त अपन समर्थक लालू, कालू, रहीम, करीम आ बदलूक संग उपस्थित छथि। सुभद्रा प्रत्याशीक रूपमे सजल छथि। नारा लगबैत सबहक प्रवेश। आगू-आगू सुभद्रा हाथ जोड़ने छथि।)

लालू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

लालू- खच्चर पार्टी जिन्दाबाद।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

यारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

लालू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

यारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

(नारा बन्न भेल)

राघव- मैडम प्रणाम।

सुभद्रा- प्रणाम, प्रणाम।

राघव- मैडम बड़ देरी कऽ देलिऐ अपने।

सुभद्रा- कनी देरी तँ भऽ गेल। की करबै? नोमीनेशनक तैयारीमे कनी बेसी समए लागि गेल। आर सभ ठीक छैने?

राघव- जी सभ ठीक छै। आउ, कार्यालयमे अपने सभकेँ स्वागत अछि। जल्दी काज कऽ लिअ। भीड़ भऽ जाएत।

(सुभद्रा अपनेसँ बैगकेँ प्रमाण पत्र देखा स्टाम्प लऽ भरि कऽ आनंदकेँ देलि।)

आनंद- (स्टाम्प पढ़ि) मैडम, अक्षर बड्ड नीक अछि। भरल ठीक अछि। (आनंद दसखत कऽ सुभद्राकेँ स्टाम्प दऽ देलथि। सुभद्रा हरिदेव लग हुनका स्टाम्प देलि।)

हरिदेव- (स्टाम्प पढ़ि ऊँपर-नीचाँ निहारि) बड़ नीक स्टाम्प भरलौं हैं। अक्षर आँखिमे रखैबला अछि। (हरिदेव दसखत कऽ देल। राघव स्टाम्प लऽ लेलथि।)

राघव- मैडम, ऐपर मोहर दइल किछु हमरोपर दया करियौ।

(सुभद्रा पर्ससँ दूटा नमरी निकालि राघवकेँ देलि। राघव शीघ्र मोहर दऽ स्टाम्प सुभद्राकेँ देलथि। सभ कियो नारा लगबैत प्रस्थान।)

लालू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

यारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

लालू- ययर पार्टी जिन्दाबाद।

यारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ભાઉ- ગદહા છાપ ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

ભાઉ- મદન માઉની ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

(ણાના વન્ન ભેઉ। શ્રન્દનમે વ઼વ઼િક, સુનાળ, પંકળ, મોહ્ન શ્રા પપ્પુક સંગ સમન્થક વાઉચન, ભાઉચન, નન્દન, કુન્દન શ્રા ચન્દન દાનૂ પી કઽ મસ્તીમે છથિ। વ઼વ઼િક ધૂમ સળઉ છથિ। સભકેં ણાના ભગવૈત હુમૈત-હુમૈત પ્નવ઼ેશ)

વાઉચન- વ઼વ઼િક મૈયા ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

વાઉચન- પેસ્તોલ છાપ ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

વાઉચન- વાનૂદ પાનટી ળન્દિાવાદ।

ચાનૂ- ળન્દિાવાદ ળન્દિાવાદ।

વાઉચન- વ઼વ઼િક મૈયા શ્રમન નહે।

ચાનૂ- શ્રમન નહે, શ્રમન નહે।

(સભ કયિો હૂમૈત-હામૈત ણાચ કનૈ છથિ। નાઘવ કાતમે ડાઢ઼ ભઽ મુસકયિા નહલ છથિ।)

નાઘવ- નેતાળી પ્નણામ।

વ઼વ઼િક- પ્નણામ પ્નણામ। કી ની ચપનાસયિા કી હાલ-ચાલ છૌ? ઠીકે હેવૈ।

નાઘવ- શ્રહાઁ કહિ દેલિએ તઁ ઠીક નહવે કનવ। ચઊ ચઉ, ણોમનિેશન કના લિએ ગળ

વ઼વ઼િક- ચલ, શ્રાવૈ છી। શ્રાઁખસિને સભકેં કહિ દેહિનિ ળે વ઼વ઼િક વાવૂ શ્રાવિ નહલ છથિ।

(सभ कियो कार्यालय पहुँचैत छथि। विवेक राघव संग पहुँचल। सभ झूमि रसे-रसे नाचि रहल छथि।) ये चपरासिया, कतए नोमिनेशन होइ छै?

राघव- बेताली, ई सम्प्रदायक बात नै बेल। कनी सम्प्रदायसँ बाझू।

विवेक- चपरासी भैया, केतए नोमिनेशन होइ छै?

राघव- (बेदू दिस इशारा करैत) बेदू बाबू संग फारम लिअ आ भरू।

(विवेक बेदू संग जा कऽ फारम लऽ कऽ आपन भरि रहल छथि। भरैत-भरैत कखनो-कखनो चारूकात कऽ तकैत छथि। विवेक फारम भरि लैत छथि।)

विवेक- यौ चपरासिया भैया, फारमकेँ आब की करबै?

राघव- (आनंद दिस इशारा करैत) हुनका दियौ।

(आनंद लग जा कऽ विवेक हुनका फारम दैत छथि।)

आनंद- (नाक-भौं सिकुड़ाबैत आ विवेकेँ ऊपर-नीचाँ निहारि कऽ) अहाँ फारम भरल जाइ छै? एते जल्दीसँ फारम रद्द भऽ जाएत।

विवेक- (मुस्की) कोन सरबा रद्द करतै, ओकरा हम देख लेबै।

आनंद- मुँह सम्हारि कऽ बाजू, प्रत्याशी छी।

विवेक- जी सर, गलती भऽ गेल। सर, दसखत कऽ दीजिए।

(आनंद दसखत कऽ दैत छथि। फारम हुनकासँ विवेक लऽ लैत छथि।)

चपरासी भैया, ई फारमकेँ आब की करबै?

राघव- (हरिदेव दिस इशारा करैत) हुनका दियौ।

(विवेक हुलैत-हुलैत हरिदेव लग जा कऽ फारम दैत छथि)

(हरिदेव फारम पढ़ि विवेककेँ ऊपर-नीचाँ निहारि कऽ देखै छथि।)

विवेक- हमरा की देखै छी अहुआ। आकि चुपचाप दसखत करब।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

हरिदेव- जइ देशमे एहेन सत्य प्रत्याशी एमपी सँ ठाढ़ भऽ रहल छथि ओइ देशक कल्याण युग-युगान्तर पछातिओ हएत की नै, से नै कहि। अहाँक स्थान विधिवत रद्द कएल अछि आ हम रद्द करै छी।

विवेक- कनी रुकि जाउ, तखनि रद्द करब। वौआ पंकज आ पप्पु हाकिम स्थान रद्द करए चाहै छथिन, से कनी हिनका देख लियौ।

(नाय वरन भऽ गेल। पंकज आ पप्पु हरिदेवकेँ दुनू कनपट्टीमे पेस्तोल सटा देलक।)

पंकज- सार, आब बाज, दसखत करबहीन की नै? रद्द करबहीन?

हरिदेव- (डरे सकपकाति) हँ कऽ दइ छिऐ। रद्द नै करबै। हमरा छोड़ि दिअ जाउ।

पप्पु- पहिने दसखत कर, तखनि छोड़बौ। (हरिदेव दसखत कऽ स्थान विवेककेँ देलनि।)

आँखसिक सभ आदमी, कान खोलि सुनि लिअ जाइ जो जे ई बात केतौ नै बजै जाइ जइहनि। नै तँ हमर दोख नै दइ जाइ जइहनि।

विवेक- वौआ सभ, हाकिमकेँ छोड़ि दिहक। हाकिम बड़ नीक लोक छथिन। अपन्न लोक छथिन। आब कहियो एम्हर-ओम्हर नै करै जाइ जेथिन। (पंकज आ पप्पु पेस्तोल हटा ओत्तसँ हटि गेल। सभ कियो नारा लगबैत प्रस्थान करै छथि।)

वालयन- विवेक भैया जिन्दाबाद।

यात्रू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

वालयन- पेस्तोल छाप जिन्दाबाद।

यात्रू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

वालयन- बारूद पार्टी जिन्दाबाद।

यात्रू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

वालयन- विवेक भैया अमर रहे।

यात्रू- अमर रहे, अमर रहे।

वालयन- वीर विवेक मुर्दाबाद।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

यादू- मुर्दाबाद मुर्दाबाद।

(सबहक प्रस्थान आ नाना बन्न भेल)

हरिदेव- आनंद बाबू, वेणू बाबू। देखलहि दुनियाँ केतए पहुँच गेल अछि। आर हम बाल-बाल बचलौं। जे नँ उचित बजै खातिर आर गेल छेलौं। चुनाव बड्ड जोखिमक काज छै। तइमे जौं किछु भऽ गेल, जेना मारल गेलौं नँ सरकार नगण्य चयिान देत। हमरा परिजनकेँ दूधक डाढ़ी जकाँ मदति भेटत। कारण हम सायारण सरकारी नोकर छी। ओहए जौं पैघ सरकारी नोकर मारल जेता नँ हुनका परिजनकेँ हमरा अपेक्षा कमसँ कम दस गुणा मदति बेसी भेटतनि। सरकारक नीतिए बड़ घिनौना छै। मुदा अपना सभ कए की सकै छी?

पटाक्षेप-

 ISSN 2229-547X VIDEHA

दोसर दृश्य-

(स्थान- समागारा मंचपर कुरसीपर बैसल छथि श्रीलाल। राम, श्याम, महेश, गोपाल आ सोहन ठाढ़ छथि। राम नारा लगा रहल छथि। मंचपर कंगाली पार्टीक बैनर टाँगल अछि।)

राम- गोवर्धनलाल जिन्दाबाद।

धानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राम- कंगाली पार्टी जिन्दाबाद।

धानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राम- कटहर छाप जिन्दाबाद।

धानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राम- देशक लाल।

धानू- गोवर्धनलाल।

श्रीलाल- आब अहाँ सभ कनी दम धरू। नारा बन्न करू (नारा बन्न भेल) अप्पन विचारि लिअ जे एना हेता। हमर जनता जनार्दनकेँ बैसल-बैसल वा ठाढ़ भेल-भेल पएर दुखा गेल हेतनि। कहु ने सभ काज-धंधावला लोक सभ छथि, सभकेँ काज हर्जा होइत हेतनि। प्यारा दीनार धै जाइ जाउ। आबि रहल छथि। हुनको क्षेत्रक दौड़ा रहै छन्हि कीने। केतौ फँसि गेल हेथिन।

(गोवर्धनलाल, रामेश्वर आ जीतेन्द्रक प्रवेश। थोपड़ीक बौछार भेल। गोवर्धनलाल हाथ जोड़ि प्रणाम करै छथि। सभ कुरसीपर बैसला।)

राम- गोवर्धनलाल जिन्दाबाद।

धानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राम- कटहर छाप जिन्दाबाद।

धानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

श्रीलाल- अहाँ सभ असथीर रहै जाउ। आब रामेश्वर भाय अपने सभकेँ दू शब्द कहता। रामेश्वर भाय पार्टीक सभापति बेकती छथि। ई आइसँ नै, जमानासँ ऐ पार्टीमे छथि।

रामेश्वर- आदरणीय सज्जन वृन्द, रामेश्वर भायक हार्दिक अभिनंदन। ऐबेर कंगाली पार्टीसँ गोवर्धनलाल भायकेँ टिकट भेटलै हेन। भाय नै, नै करै छेलथि जे जनता-जनार्दन होइ छथिन जनिकर सेवा बड़ भारिगर काज होइ छै। हमरासँ एते पैघ काज नै सम्हरत। मुदा जनताक प्रति हिनक भावना तेते नीक छेलनि जे पार्टी मजबूर भऽ हिनका टिकट देलकनि। पार्टी हिनकर जनसेवासँ अति प्रसन्न अछि। एतबे नै हिनका कोनो इएहटा गुण नै छन्हि अपितु अनेक गुण छन्हि। जेना ईमानदारी, जुझारूपन, कर्मठता, लोकप्रियता इत्यादि। अपने सभसँ हमर करबद्ध आग्रह जे जदी अपने सभकेँ एकटा सुयोग्य नेता चुनबाक हो तँ भाय गोवर्धनलालकेँ कटहर छापपर बटन दाबि विजियी बनाउ। हमरा आत्म विश्वास अछि जे धनौरानगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रसँ भाय गोवर्धनलाल अवस्स चुनल जेता। बलकि चुना गेल। (थोपड़ी बोछार भेल। रामेश्वर बैस गेल।)

श्रीलाल- (कुरसीपर सँ उठि) भाय रामेश्वरकेँ कोटि-कोटि धैनवाद। आब अपना सबहक प्रिय नेता गोवर्धनलालसँ दू शब्द सुनब। मुदा तइसँ पहिने भाय जीतेन्द्रसँ दू शब्द सुनल जाउ। (श्रीलाल कुरसीपर बैस गेल।)

जीतेन्द्र- (कुरसीपर सँ उठि हाथ जोड़ि) आदरणीय सभामे उपस्थित भाय-बहिन आ माता-पिता। हमर हार्दिक प्रणाम। सभसँ पहिने ऐ मंचपर पार्टीक तरफसँ दू शब्दकहैक हमरा मौका भेटल, तइले आइ हम अतिधन्य छी। हम कंगाली पार्टीकेँ धैनवाद दइ छी आ अहूँसँ पहिने अहाँ सभकेँ धैनवाद दइ छी जे एते कालसँ धीरज धऽ कऽ अपन प्रिय नेता गोवर्धनलालकेँ सुनऽ आ चुनऽ रूकल छी। कहैत तँ लाजो होइए मुदा कहि दइ छी जे हिनकासँ योग्य नेता नै भेटत, नै भेटत, नै भेटत। तँए हिनकर कटहर छापपर बटन दाबि हिनका भारीसँ-भारी भौँट से जीताउ आ सुख-शांति जिनगी बीताउ।

(ई कहि जीतेन्द्र बैस रहल कुरसीपर)

श्रीलाल- (कुरसीपर सँ उठि) भाय जीतेन्द्रकेँ धैनवाद अन्तमे कड़गर दही आ गोटगर चीनी परसता अपना सबहक प्रिय नेता गोवर्धनलाल।

(श्रीलाल कुरसीपर बैस गेल।)

गोवर्धनलाल- (कुरसीपर सँ उठि हाथ जोड़ि) परम आदरणीय माए-बहिनि, भाय-बाप, धिया-पुता आ बुढ़ा-बुढ़ी। गोवर्धनलालक सादर नमन। हम ठाढ़ होइबला नै रही। मुदा अपने सबहक प्रेम हमरा ठाढ़ होइसँ मजबूर कऽ देलक। जदी अपने सभ हमरा काजसँ प्रसन्न होइ तँ ऐबेर हम अपनेक सेवा करैक मौका माँगि रहल छी। आइ अपने सबहक भीड़ आ श्रद्धा हमरा नवजीवनक संदेश दऽ रहलए आ उ संदेश अछि कटहर छापक जीत। (थोपरीक बोछार) अपन जीतपर गछै छी आ गछबे नै करै छी पक्का पुराएब। सभ घरमे


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

એક-એકટા પાકલ કટહર દેલ જઇમે તીનટા ચેદા હએત- કુઆ, આઁઠિ આ નેરહા। ઓઇ કટહરક ઉપયોગસઁ જઁ દેહમે કોનો તરહક બેમારી હુઅએ તકરા રોગક પ્રાણ ઘાતક એન્ટીબૉયસ સહિત હમ વહન કરબ। (થોપરીક બોછાર ભેલ।) ઐ ઉપહારસઁ હમરા મન નૈ ભરલ। હમ ચેર ગછૈ છી જનાનીકેઁ એક-એકટા બનારસી સાડ઼ી આ મુસલમાન ભાય઼ કે એક-એકટા હાથી છાપ લૂંગી। બદ઼ે નૈ કરૈ છી નખિરો કરબ।

(થોપરીક બોછાર ભેલ।) હમરા આશીર્વાદમે એગો ભૌંટ આ એગો નોટ ચાહી। હમ બેસી કહિ નૈ કહબ। બેસી ભયર-ભયર કેલાસઁ ઠીક નૈ હોઇ છૈ। ઠીક હોઇ છૈ કાજ કેલાસઁ। અન્તમે અપને સભકેઁ હાર્દિક ધન્યવાદ દૈત કહબ જે કંગાલી પાર્ટીક કટહર છાપકેઁ નૈ બિસરબૈ। (થોપરીક બોછાર ભેલ। ગોબર્ધનલાલ હાથ જોડ઼િ પ્રણામ કઽ બાર-બાર કરૈત પ્રસ્થાન।)

પટાક્ષેપ-



दोसर दृश्य-

(स्थान- सभागारक मंचपर मालती पार्टीक बैनर टाँगल अछि मंचपर गोलू, जीवछ, नारा, पल्टू आ पंडित उपस्थित छथि सभ कियो नारा लगा रहल छथि)

गोलू- श्रीमान भैया जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

गोलू- मालती पार्टी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

गोलू- मौगी साइकिल जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद। (नारा बन्द भेल।)

पंडित- मौगी साइकिलपर, मौगी साइकिलपर बटन दबेबै भैया मौगी साइकिलपर।

(बटन दबेबै भैया, यौ दबेबै भैया) मौगी साइकिलपर।

(श्रीमान भैया, मालती पार्टी प्रिय नेता, पुरान पार्टी) योग्य कर्मठ, नेक प्रत्याशी मौगी साइकिलपर बटन दबेबै यौ भैया।

(जनता जनार्दन, नीक काज, शिक्षा, बिजली, उद्यम नारा)

(सड़क रस्ता, बनत समाज)

मौगी साइकिलपर बटन दबेबै यौ भैया। (हिन्दू मुसलिम, सीख इसाइ आपसमे सभ, भाइ-भाइ)

(गरीबक मसीहा, पर्वत नार) मौगी साइकिलपर बटन दबेबौ यौ भैया।

गोलू- अपने सभकेँ देखि अपार हर्ष होइए आ बिसवास सेहो होइए जे मौगी साइकिल छापकेँ बिजय ऐबेर निश्चित अछि आब अपना सबहक नेता अबिते हेता। हुनका दिन-रातिमे कहाँ छन्हि हरदम क्षेत्रक दौड़ामे भीड़ल रहै छथि आ भीड़थिन नै तँ सेहो नीक नै।



(श्रीमन, कृष्णानंद आ कन्हैयाक प्रवेश। थोपड़ीक चोहार होइ। श्रीमन दर्शककेँ हाथ जोड़ि कऽ प्रणाम करै छथि। तेँ सभ कियो कुर्सीपर बैसै छथि। गोलू उठैथि।)

गोलू- श्रीमन भैया जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

गोलू- भोगी संस्कृति जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

गोलू- के जीतत भाय कें जीतत?

चानू- श्रीमन भोगी संस्कृति जीतत।

(नारा बन्द होइ।)

गोलू- आब कृष्णानंद भायसँ आग्रह करै छियनि जे अपने सभकेँ किछु शब्द सन्देश दथि।

कृष्णानंद- (ठाढ़ भऽ कऽ) समस्त जनता जनार्दन आ उपस्थित नेता लोकनि, सप्रेम नमस्कार। हम जनता जनार्दनकेँ की सन्देश देबनि? जनते जनार्दन हमरा सन्देश दऽ छथि जे ऐबेर श्रीमन भायक जगता जोर छन्हि आ उ जीतबे करता, से निश्चित। हम एतबे आग्रह करब जे जदी अपने सभ देशक चहुमुखी विकास चाहै छी तँ श्रीमन भैयाकेँ नै बिसरब। नै तँ पाँच बरख बरा डूबैत रहत। धन्यवाद। (कृष्णानंद कुर्सीपर बैस गेल।)

गोलू- (ठाढ़ भऽ कऽ) आब भाय कन्हैयासँ सादर आग्रह जे उ अपन मुख्य बिन्दुसँ संक्षेपमे प्रवचन दथि। (गोलू बैसल आ कन्हैया उठि ठाढ़ होइ।)

कन्हैया- आदरणीय भाय-बहिन, हमर हार्दिक प्रणाम। सभसँ पहिने अपनेसँ कहब जे हम बकाली नै छी जे प्रवचन देब। हँ एतेक अवस्स कहब जे हमरा बकालीसँ बड़ प्रेम रहैए आ अहूसँ बेसी प्रेम सँकठाहासँ रहैए। हम प्रारंभेसँ डेढ़बा माछक शौकीन छी। कारण जाए कहिआ ख्याएब नाएट। मुड़ी मुँहमे जाएत। ओर मुड़ी लेल काएगो सँकठाहासँ उठाम-पटका भऽ गेल जइमे कतेकोकेँ हम हाड़ तोड़ि देलिऐ। ई कहाउ ओर डेढ़बा मुड़ीक असली हम लोकसँ हटि गेल रहे। तइले क्षमा चाहै छी। आदरणीय सँकट आ बकाली लोकनिसँ हमर करबद्ध आग्रह जे ध्यान-पानकेँ बिसरि जाति-पाँतिसँ ऊपर उठि भाय श्रीमनकेँ जीताउ आ अपने देशकेँ विकाससँ सजाउ। हिनकर छाप छियनि- भोगी संस्कृति छाप। भोगी संस्कृति छाप, सबहक अप्पन



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

છાપ। ઈ છાપ ળનાની વ઼કિાસક છાપ છી આ ળનાનીક વ઼કિાસસઁ દેશક વ઼કિાસ પૂ્નાપ્ર સમ્ભવ઼ અછિ। અન્તમે સભકેઁ ધૈનવ઼ાદ કહવ ળે મૌગી સાસ્કળિ છાપ સવહક દળિક છાપ છી। (કન્હૈયા વૈસ ગેળ। ગોળૂ ઉઠળ।)

ગોળૂ- અન્તમે અપન પ્નયિ નેતા, ભાય શ્રીનનસઁ નમ્ન-નવ઼િદન ળે ઉ અપન ળનતાકેઁ દૂટા અમ઼ૃત વ઼ચન કહથિ।

શ્રીનન- (હાથ ળોડ઼િ મુસ્કીઆસ્ત) પનમ શ્નેદ્દેય઼, વડ઼કા છોટકા આ મૈહળા વ઼ન્ગાક સળ્ળન વ઼ૃન્દ। ચનૌનાનગાન ળોકસભા નવ઼િાચન ક્ષેત્નસઁ માનૂતા પાન્ટીક ઉમ્મીદવ઼ાન હમહિ છી। હમન છાપ મૌગી સાસ્કળિ છાપ અછિ। હમના વેસી ભાષામ દસ્કેઁ આદત નૈ અછિ આ આદત ળગવૈયો ળળ નૈ ચાહૈ છી। હમ આસ ચનિ કાળ કનૈક આદત ળગેળૈ આ ઈ આદત વિઢ઼ાસ્ચ નહળ છી। પનિણામસ્વ઼નૂપ હમના અપ્પનિ ચનિ આશાતીત સમ્રળતા ભેટળ અછિ આ પૂ્નામ્ર વસિવ઼ાસ અછિ ળે ભવ઼િષ્યિ઼મે હમના સ્યહ સમ્રળતા અવસ્સ ભેટત।હમ અપને સભસઁ વ઼ાદા કનૈ છી ળે ળદી અહાઁ સભ અપન ભૌંટક ગાડ઼ીસઁ હમના દળ્િળી પહુઁચેળૈ ત઼ પ્નત્યેક પનિવ઼ાનમે એગો-એગો મૌગી સાસ્કળિ અવસ્સ દેવ। અહાઁક અપ્પન છાપ-મૌગી સાસ્કળિ છાપ।માએ-વહનિક છાપ- મૌગી સાસ્કળિ છાપ। કાકા-કાકીક છાપ- મૌગી સાસ્કળિ છાપ।

ળય઼ હનિ્દ। ળય઼ ભાનત। ળય઼ મૌગી સાસ્કળિ। (થોપડ઼ીક વોછાન ભેળ આ શ્રીનન વાસ-વાસ કનૈત પ્નસ્થાન કેળક)

પટાક્ષેપ-



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

तेसर दृश्य-

(स्थान- समागाम। मंचपर भैया पार्टीक बैनर टाँगल। मंचपर नवीन, प्रवीण, सुमन, संजीव आ राहुल उपस्थित छथि। सभ कियो ताली बजा रहल छथि।)

राहुल- प्रमोद भैया जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- भैया पार्टी जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- बत्तू छाप जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

राहुल- माए-बहिनक छाप।

सभ- बत्तू छाप।

राहुल- काका-काकीक छाप।

सभ- बत्तू छाप।

राहुल- सबहक छाप।

सभ- बत्तू छाप।

राहुल- बड़का-छोटका छाप

सभ- बत्तू छाप। (ताली बन्न भेल।)

राहुल- प्रमोद भैयासँ नीक नेता आर कें छथि? नवका नेताकें दिल्लीक दुआरि देखल नै छै। मुदा हिनका सभ दुआरि देखल छन्हि। बड़का-बड़का नेतासँ जान-पहचान छन्हि। कतिकोसँ पहिने कोनो काज हिनका होतनि। तँए कहब जे आँखि मुनि कऽ सभ एकजुट भऽ भाय प्रमोदकें जीताउ।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(ब्रजेश, सुरेश, राकेश, भोलू आ शोभूक प्रवेश राकेशक माथपर टोपी धोती आ साड़ीक मोटा अछि। ब्रजेश मुस्कीआइत सभकेँ हाथ जोड़ि प्रणाम करै छथि।)

अपने सभ बड़ीकालसँ जइ महापुरुषक वेशभूषासँ प्रतीक्षा करै छेलौं, से अपने सबहक समक्ष उपस्थित छथि। एकबेर जोरसँ नारालगाउ। ब्रजेश भैया- जिन्दाबाद। बाबू साफ जिन्दाबाद। (सभ कियो बैसलथि। राहुल ठाढ़ ए) आब राकेश भायसँ आग्रह जे ओ अपन सन्देश बाँटथि।

राकेश- हम जनता जनार्दनकेँ की सन्देश देबनि। हम कोन जोकरक छी। भैया जे किछु नीक-अधला सन्देश तुल्य अछि ब्रजेश भैयाक कहिया छी आ ई कहिया पान नै, पानक डँटकी छी। पान जीतक पछाति भेटत जे पोलना तैयार कऽ देल गेल अछि। हम पानक डँटकी रूपमे प्रत्येक जनानी-पुरुषक देल एक-एकटा धोती आ साड़ी दऽ कऽ उपस्थित छी। प्रत्येक जनानी-पुरुषसँ आग्रह जे बेरा-बेरी आबि अपन-अपन वस्त्र लऽ जाइ। (जनानी-पुरुष आबि-आबि कऽ राहुलसँ धोती-साड़ी आ टोपी लऽ जाइ छथि। धोती-साड़ी सधि गेल। किछु जनानी-पुरुष बिनु वस्त्रकेँ घुरि गेल।)

हमरा बड्ड खेद अछि जे हम सभकेँ सेवा नै कऽ सकलौं। ओनाजिनकर धोती-साड़ी हमरापर बाँकी रहल हुनका चुनावक शीघ्र पछाति अवश्य भेटत। कृपया बाँकी बेकती अपन-अपन नाओं लिखा दी।

(बाँकी बेकती अपन-अपन नाओं राकेशकेँ लिखबैनि।)

कियो नै छूटै जाएब, से हम राखै छी। धन्यवाद।

(राकेश बैस जाइ छथि। राहुल ठाढ़ छथि।)

राहुल- आब सुरेश भायसँ आग्रह करबनि जे पार्टीक प्रति ओ अपन उद्गार व्यक्त करथि। (राहुल बैसलथि।)

सुरेश- (ठाढ़ भऽ कऽ) भैसा पार्टी भारतक एकटा पुरान पार्टी अछि। ऐ पार्टीक प्रदर्शन आन कोनो पार्टीसँ नीक अछि जे सभ जनै छी। हमरा ऐ पार्टीसँ बड्ड लगाव रहल अछि। कारण ऐ पार्टीमे काज करैक आ करबैक नीक क्षमता अछि। देशकेँ काज चाही आ विकास चाही जे अही पार्टीसँ सम्भव अछि। पार्टी कोनो खराप नै होइ छै। पार्टीक कार्यकर्ता नीक-अधला होइ छै।ओकरेसँ पार्टी नीक-अधला होइ छै। तहूमे भैसा पार्टीक कार्यकर्ता भैसा जकाँ जिदियाह होइ छथि जे कोनो काजकेँ बिना केने दम नै मारता। हमर जिनगी आइ धरि अही पार्टीमे बीतल आ अही पार्टीमे बीतबो करत, से परम विश्वास अछि। अही शब्दक संग हम अपन वाणीकेँ विराम दइ छी।

(सुरेश बैस गेल। राहुल उठल।)

નાહુ૭- પીએ સાહેબક ૩દગાન આતિ સિનાહનીય નહ૭। અતાતે હમ ૭ેકપ્નાચિ, ઙુહાનૂ, ઈમાનદાન, કન્મઠ આ સુયોગ્ય નેતા અપ્પન વ્નાળેશ માયસઁ સવનિય નવિદન કનવનાિ ળે ૩ અપને સમકેં સંવોયતિ કનથિ।

વ્નાળેશ- (ઠાઢ ભઽ મુસ્કાઇત આ હાથ ળોડ઼િ) પનમ આદનામીય હિનિદુ-મુસ્ઙમિ સખ્યિ-ઽસાઈ, માય વ્નાળેશક હાનદિક વયાઈ। અપને સવહક પ્નેમ આ શ્નયા હમના નન્વિનોય ળીતક સંકેત દઽ નહ૭ા (થોપનીક વોછાન ભે૭।) ળેના હીનાક પહ્યાન સમ આદમી નૈ કઽ સકૈ। તહિના નીક નેતાક પહ્યાન સમ ળનતા નૈ કઽ સકૈ છથિ। મુદા હમન ળનતામે એકટા અદ્ભુત ગુમ દેખૈ છયિનિ ળે સમ હીનાક પહ્યાન કનૈવ૭ા ળાહુની છથિ। સમ કયિો હમના પહ્યાન૭થિ આ પહ્યાનિ હમના ળીતવૈ૭ દઽઢ સંક૭પિત છથિ। તઇ૭ હમ સમકેં હાનદિક ધૈનવાદ દઇ છયિનિ। અપન વડ઼ાઈ કનૈમે ૭ાળ ભઽ નહ૭। મુદા અપન દયિક પુકાનકેં નૈ નોકિ પાવિ નહ૭ છી। તેઁ કહઽ પડૈ અછિ ળે આન સમ પાન્ટીકેં એવેન ળમાનત ળવ્ત હેવ્વે કનત। કોઇ માઇક ૭૭ નૈ કાટિ સકૈ। અપ્પનિ ધિનિ હમ અપને સમકેં માત્ન પાનક ઙૅટકો દઽ સક૭ૈ હેના સેહો પુના નૈ ભઽ સક૭ા અઇ૭ હમના વડ઼ ખેદ અછિ। અપને સવહક સેવા ૭૭ હમ એકટા યોળના તૈયાન કે૭ૈ હેઁ ળેકન આપૂન્તી અપન ળીતક પછાતિ અવસ્સ કનવ। હમ અપન યોળના અપને સમકેં વતા દેનાઇ ૩યતિ વુઝૈ છી।

(૧) પ્નત્યેક મતદાતાકેં પાઁયો-ટુક વસ્ત્ન દેવ, ળઇમે ળનાની-પુનુષકેં અપન-અપન નાપ દઇ પડ઼તનિ।

(૨) અઠાનહ વન્ખસઁ કમ ૩મનક ધિયા-પુતાકેં સેહો ઓકન નાપક અનુસાન પાઁયો ટુક વસ્ત્ન દેવ।

(૩) પ્નત્યેક થાક૭-કસિાન ૭૭ સૌહુકા આ મનિસુનકા દાનૂ ૭૭ ઓકન ક્ષમતાનુસાન પાઇ દેવ।

(૪) પ્નત્યેક થાક૭ મહિ૭ા કસિાન ૭૭ ઓકન ક્ષમતાનુસાન એક મહિનાપન દશમુ૭ાનિષ્ટિ આ અશોકાનિષ્ટિ દેવ।

(૫) પ્નત્યેક નયિોળિત શક્ષિકકેં ઔહ્કા તેવન તનખ્યા કઽ દેવ।

(૬) પ્નત્યેક નયિોળિત શક્ષિકાકેં ઔહુકા યૌવન તનખ્યા કઽ દેવ।

(૭) પ્નત્યેક નયિોળિત શક્ષિકાકેં પ્નસવ-અવયમિ તીન મહિનાક તનખ્યા મુશ્ત ભેટતનિ આ સઠૌના દવાઈ ઓકન ક્ષમતાનુસાન ભેટતનિ।

(૮) આન પ્નત્યેક મહિ૭ાકેં પ્નસવ-અવયમિ સઠૌના દવાઇ આ દુધ ૭૭ મૌસની-મંગનૈ૭-ગૂડ઼ આદિ ઓકન ક્ષમતાનુસાન ભેટતનિ।

(૯) પ્નત્યેક ળનાની-પુનુખ હુનકન ધિયા-પુતા સહિત આઇવ્નો વનવૈ૭ એક-એકટા સ્ટી૭ યુટ્ટા પ્નત્યેક નવકિં મનિસને ભેટતનિ। મુદા પાઁચ વન્ખસઁ નીચ્યાઁવ૭ા ધિયા-પુતાકેં નૈ ભેટતનિ।

(૧૦) પ્નત્યેક સાઁકટક પનવિાનમે પ્નત્યેક સપ્તાહ ળુમ્માકેં એક-એક કિ૭ો ઘોગહો ભેટતનિ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(११) प्रत्येक वैष्णो परिवारमे प्रत्येक सप्ताह रविकेँ एक-एक कवि कटहरक कुआ भेटतनि बसन्ते कऽ उ मतदाता कटहर छापपर बटन नै दबाएब। हमर आर बहुत योजना बनि रहल अछि।

(१२) केकरो कमाए नै देब। समाजकेँ बैसा कऽ पढ़ाएब। हम सभटाकेँ सार्वजनिक करैक सपत खाइ छी। बेसी किछु नै कहब। धन्यवाद।

(थोपड़ीक बौछार भेल। दर्शककेँ ब्रजेश हाथ जोड़ि प्रणाम केलथि। बार-बार करैत सबहक प्रस्थान।)

पटाक्षेप-

(स्थान-समागाम मंचपर भ्रष्टचार पार्टीक बैनर टाँगल अछि मंचपर चन्द्रमोहन, ढाढू, फाढू, रहीम करीम आ बद्ढू उपस्थित छथि समाना भीड़ लहल छथि)

ढाढू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

ढाढू- भ्रष्टचार पार्टी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

ढाढू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद। (नाना बर्न बेल।)

चन्द्रमोहन- भैया-भौजी, गदहा छाप जीताउ। भ्रष्टचार पार्टी जीताउ। भैया-भौजी, गदहा छाप जीताउ। सुभद्रा दीदी छथि, नेक नेता, जुझारू, कर्मठ, योग्य नेता, माए बहिन हिनका दिल्ली पहुँचाउ ऐ दिल्ली पहुँचाउ।

भैया-भौजी गदहा छाप जीताउ, गदहा छाप जीताउ। जनसेवामे, बीतलनि जीवन घर-घर केर, भेलनि तीमना काका-काकी, देश बचाउ, देशप्रेम जागाउ। भैया-भौजी, गदहा छाप जीताउ। हिन्दु-मुस्लिम, सीख-इसाइ आपसमे सब भाइ-भाइ।

गदहा छापपर, बटन दबाउ, सुभद्रा सजाउ।

भैया-भौजी भ्रष्टचार पार्टी जीताउ।

ढाढू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

ढाढू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

चानू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

चन्द्रमोहन- सुभद्रा दीदीकेँ अबैमे कनी विलम्ब भेल। तइले हम क्षमाप्रार्थी छी। हुनका अपना क्षेत्र दौड़ा रहै छन्हि। तँए विलम्ब भेनाइ हिन जे स्वभाविक छै। ओना ओ अबिते हेथिन। बस, कनिए काल आर धीरज धरै जाइ-जाउ।

(सुभद्रा, माला आ उमाकान्तक प्रवेश। सुभद्रा मुसकीआ दर्शककेँ हाथ जोड़ि प्रणाम करै छथि। सभ कियो कुरसीपर बैसलथि।)

अपने सभकेँ बड़ीकालसँ जनिकर इन्तजार छल, ओ अपने सबहक समक्ष उपस्थित छथि। हुनक बात बहुत रास सुनब। मुदा तइसँ पहिने बहिन मालासँ किछु सुनल जाउ। (माला कर जोड़ि उठली। चन्द्रमोहन बैसला।)

माला- आदरणीय भौटक मालिक-मलिकाइन, हमर सप्रेम नमस्कार। अपने सबहक उपस्थिति सुभद्रा दीदीकेँ सुनिश्चित जीतक प्रतीक अछि। (थोपरीक बौछार भेल।) हम बेसी किछु नै कहब। सरीपहु एतबे कहब जे जदी भौट खसबैक अधिकार अछि तँ भौट अवस्स खसाबी। ओइमे बस एकटा बात धियान सदति राखी जे हमर भौट बेकार तँ नै जा रहल अछि। बेकार भौट खसा कऽ कोन फेदा। नै गाए घर नै गुआर घर। खूब बढ़ियाँसँ सोचि लिअ, समझि लिअ, बिचारि लिअ जे भौट केकरा देबाक छै। अपने नै बुझऽ अबए तँ कनिकोसँ पुछि कऽ सोचि-विचारि लिअ। तखनि भौट खसबैले जाइ। ई तँ बूझने नै खसाएल जाइ छै। एकबेरक बैसला पाँच बरख धरि चलै छै। एतबे नै एखुनी केर चुनावसँ देशक प्रतिष्ठा जोड़ल छै। हम हुसबै यानी मतदाता हुसतै तँ देश गरतमे चलि जेतै। तँए भौट हुनार जकाँ नै खसाबी, बुधियार जकाँ खसाबी। धैनवाद। (थोपरी भेल। माला बैस गेली। चन्द्रमोहन उठला।)

चन्द्रमोहन- माला बहिन अपने सभकेँ बड़ड मार्मिक बात कहली। आब उमाकान्त बाबूसँ हमरा लोकनि आशीर्वचन लेल चाहै छी।

(उमाकान्त हाथ जोड़ि मुस्कीआइत ठाढ़ भेल।)

उमाकान्त- हम आशीर्वचन दइ जोग एक्को रती नै छी। मुदा चन्द्रमोहन बौआ किछु बजैक मौका देलनि, से हम अपना भागि मानि पूरति करै छी। आदरणीय मतदाता लोकनि हमर हार्दिक प्रणाम। हम प्रणाम नै करति। कारण हमरासँ क्षेत्रक ए सभागारमे शायद कियो नै हेता। जदी हेता तँ हुनका प्रणाम। मुदा नै, मतदाता देशक आधार होइ छथिन, नीव होइ छथिन। हुनकर बैसलापर देशमे इजोत हएत वा अन्हार हएत। तँए हम हार्दिक प्रणाम केलौं से बड़ कम बुझाइए मन होइए जे शत-शत प्रणाम करति रही। हम ए ध्ययर पार्टीमे आइसँ नै, जमानासँ छी, प्रारंभेसँ छी। ए पार्टीक तहक बात हम जनै छी। ई पार्टी केते तीत-मीठ अछि, सबटा जनै छी। मुदा छोड़ि नै

रहल छी। तेकर कारण अछि पार्टीक सुव्यवस्था ऐ पार्टीमे तेहेन योग्य व्यक्ती सभ छथि जे परोपकारकेँ सभसँ पैघ काज बुझै छथि आ बुझबे टा करै छथि अपितु करबो करै छथि। सामान्यतया आन पार्टीक नेता सभ जनताकेँ मुँहदुस्सी बना कऽ स्वार्थ सिद्धिमे लीन भऽ जाइ छथि। मुदा ऐ पार्टीमे ई बेमारी नै छै। जनसेवाकेँ प्राथमिकता आ प्रधानता देल जाइए। सुभद्रा बुच्ची दऽ की कहब, प्रायः जनैत छी। तैयो दू शब्द कहि दइ छी। हिनक जीवन अप्पन घर जनसेवामे बीतलनि आ भविसोमे बीतते रहतनि। ई घर-घर जा कऽ जनताक दुख-सुखमे संग रहै छथि आ यथा सम्भव मदति करै छथि। ई घरक नेता छथि, अप्पन नेता छथि। हिनकर छाप गदहा छाप छियनि। ऐबेर हिनका भारी मतसँ विजय बनेबाक अछि आ देशक कल्याण करबाक अछि। हमरा आशे नै पूर्ण विश्वास अछि जे सुभद्रा बुच्ची सभकेँ जमानत जप्त करा देती।

(थोपरीक बौछार भेल।)

इएह कहि मतदाता भाइकेँ हमर शत-शत बेर नमन, शत-शत बेर नमन, शत-शत बेर नमन। धैनवाद।

चन्द्रमोहन- (उठि कऽ) आब बहिन सुभद्रासँ हमर आग्रह, विनय, निवेदन जे ओ अपन दू शब्द जनता जनार्दनकेँ परसथि।

सुभद्रा- (मुस्कीआइत उठि आ हाथ जोड़ि) आदरणीय देशक कर्णधार लोकनि, हमर हार्दिक प्रणाम। हम भाषण नै देब कारण हमरामे ओ कला नै अछि। मुदा एतबा जरूर कहब जे भोँटक सदुपयोग हुअए, दुरुपयोग नै। अपने सभकेँ जनिकापर विश्वास हुअए हुनका भोँट दियौ। जनताकेँ चाहि काज। तइमे हम केते धरि सिक्षम छी, ई निर्णयक विषय अछि जे अपने सबहक हाथमे अछि। अशिक्षाक कारणे मतदाता लोकनि पहिने ताड़ीए-दारूपर लोभा जाइ छेलथि आ थोड़-बहुत अप्पनो लोभाइ छथि। मुदा अप्पन बहुत हद धरि सुधार अछि। मतदातामे बहुत होशियारी एलनि हेन आ दिनानुदिन बढ़ति जाएत। अपने सभ जानि रहल छी जे घ्यधर पार्टी विश्वासनीय पार्टी छी जिनकर छाप गदहा छाप छियनि। पार्टी आ छापक नाओ अभद्र जकाँ बुझाइए। मुदा नाओपर नै जाउ, काजपर जाउ। जेना कनिको नाओ छियनि अमरा। एकर माने की बुझल जाएत जे ओ कहियो नै मरता। आकि सभकेँ अमर कऽ देता। नै, ई सभ कोनो बात नै छै। असल बात ई छै जे पार्टी वा छाप केहनो हुअए वा कोनो हुअए, जनता जनार्दनकेँ काज चाहि काज। अन्तमे हम इएह कहब जे गदहा छापक विजय सुभद्राक विजय छी आ सुभद्राक विजय, अहाँक विजय छी। धैनवाद।

(थोपरीक बौछार भेल। सुभद्रा बार-बार कहैत बैसलि। सभाक विसर्जन भेल। सबहक प्रस्थान।)



पटाक्षेप-

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पाँयमि दृश्य-

(स्थान- समागाम मंचपर वालूद पाल्टीक वैनर टाँगल अछि मंचपर मोहन, वाछयन, छाछयन, नन्दन, कुन्दन आ चन्दन उपस्थित छथि। सभ दालू पी कऽ मस्तीमे छथि। सभ नारा लगा रहल छथि।)

वाछयन- वविक भैया ळन्दिवाद।

चानू- ळन्दिवाद ळन्दिवाद।

वाछयन- वालूद पाल्टी ळन्दिवाद।

चानू- ळन्दिवाद ळन्दिवाद।

वाछयन- पेस्तोल छाप ळन्दिवाद।

चानू- ळन्दिवाद ळन्दिवाद।

वाछयन- वविक भैया अमर रहे।

चानू- अमर रहे अमर रहे।

वाछयन- वविक भैया मूर्दावाद।

चानू- मूर्दावाद-मूर्दावाद।

मोहन- (उठि कऽ मस्तीमे) अहाँ सभ नारा आव वन्न करै ळाउ-ळाउ। (नारा वन्न भेल।)

अहाँ सभ मूर्दावादक नारा कहि लगौलिऐ? ई तँ वड़ गलत नारा भेल। एकर माने वड़ पैसाप भेल। एकर माने भेल जे सभ ळनता मरि ळाए ळौ सभ मरिऐ जेना तँ वविक भैया केना जीतता? गोल वरदक आँड़सँ उ जीतता। नै जीतता तँ लड़ ळाएब कटहर नै, नै,नै कटहर नै। गदहावल। नै नै गदहा नै। अलुआ, सुथनी। कनी सोचि-समझि कऽ नारा लगवियौ। ळनताकेँ वुड़वक नै वनवियौ। ळनता प्रत्याशी लेल अस्सल भगवान होइ छथि। वविक भैयाक सामनेमे उ नारा सकै छी। कानाम हुनकर वाक कहिये आन छन्हि मुदा अपना सभ अपळश कपारपर कहि लेव?



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(विवेक, सूरज, पंकज आ पप्पुक प्रवेश। जनताकेँ हाथ जोड़ि प्रणाम कऽ विवेक बैसैत। सूरज दारू-पार्टीक शीघ्र तैयारी करैत। पार्टी चलि रहल। सब मस्तीमे झूमि रहल।)

सूरज- विवेक भैया, एखन तोहर जीत निश्चित छह।

पंकज- भैया, एखन ने जीतह तँ कहियो ने जीतह।

विवेक- एखन कोन सान रहा सकता हाय? हम कोनो मामूली नेता हाय। छल-बल-कल तीनूसँ भरल हाय। एकेटा बम मारेगा आ बूथ लूट लिएगा। जे सान बचेगा ओकरा लेल पेस्तौल हाय। वैसो ने एक्के गोली मारेगा, मारेगा ने मरवाएगा कहि जय सियाराम भऽ जाएगा। काहे कोय डरसँ बचेगा? हा-हा-हा ऽऽऽ

पप्पु- विवेक भैया, ई बात तोरा जनताक सामनेमे ने बाजक चाही। कारण जनतेमे मतदाता छथिन।

विवेक- रे पप्पुआ, हमरा तूँ उपदेश ने दो। हम अपने ए समाजमे रहैत हाय। ओ अपने सब किछु बुझता हाय। रे सार पप्पुआ, हमरा कोन जनता ने चिन्हता हाय। सब जनता बूझि रहल हाय जे एखन विवेक भैया छोड़ि कोय ने जीतेगा। जौं जीतेगा तँ विवेक भैया आ नैजीतेगा तँ विवेक भैया। हा-हा-हा ऽऽऽ

पप्पु- भैया, घमंडमे गप ने बजियौ। ओहिसँ जनताकेँ आक्रोश पैदा होइ छै।

विवेक- हे पप्पु बाबू, गोर लगता हाय। हमरा ने सीखा। हम केतेकेँ सीखाया हाय आ केतेकेँ सीखाएगा। एलेक्शनकेँ बाद तूँ सबटा खेल-बेल देखेगा। हा-हा-हा ऽऽऽ चुनाव आयोगकेँ ठेंगा देगा।

पप्पु भाय, देखता हाय, गीत सब बजैता। आ अपना पार्टीमे ई सब बेवस्था कहाँ हाय? प्यारे तूँहि सब किछु गीत सुनाओ।

पप्पु- खेलै छौड़ी, कूदै छौड़ी, करै छौड़ी नाच मने-मन बिहुँसै छौड़ी, मने-मन बिहुँसै छौड़ी। विवेक भैया करतै नाच, भैया हो नाचे-गाना-नाचे-गाना हो भाय, आहो पेस्तौल छाप जीततै।

खेलै छौड़ी।

विवेक- हा-हा-हा ऽऽऽ वाह! वाह रहने गीत गाबै जाउ।

सूरज- ताड़ीवाली ताड़ी पिया दऽ, दारूवाली दारू पिया दऽ (ताड़ी न पीअब तँ काज न चली, दारू न पीअब तँ मन ने लागी।ताड़ी-दारूमे है बड़ दम, पेस्तौल करतब-बम-बम। ताड़ीवाली ताड़ी पिया दऽ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

વિવેક- વાહ। વાહ। વાહ। સૂરજવા તૂઁ તઁ કમાલ કરિ દેલિ।। પંકજવા તૂઁહૂઁ કલાકાર હાય કી? હાય તઁ એકટા સુનાઉ।

પંકજ- વારૂદ પાર્ટી મસ્ત-મસ્ત, પેસ્તૌલ છાપ મસ્ત। વિવેક ભૈયા જીતવે કરત-વિવેક ભૈયા જીતવે કરત।સૂર્ય પૂરવમે કહિ નૈ અસ્ત।વારૂદ પાર્ટી મસ્ત-મસ્ત।

વિવેક- વાહ। વાહ। વાહ। હમરા નૈ વૂઝલ થા જે હમરા પાર્ટીમે એતે કલાકાર હાય। આર હમ સૌસે જનતાકેઁ વીચ દાવે વોલત સપ્પત ખાતા હાય જે ઐવેર હમ નૈ જીતેગા તઁ કહિયો નૈ જીતેગા।।

જય હિન્દ। જય ભારત।

જય વિહાર। જય ચનૌરાગંજ।

(વિવેક હાથ જોડ઼િ પ્રણામ કેલથિ। સભા ઉસરલ। સભક પ્રસ્થાન।)

પટાક્ષેપ-

છઠમ દ્ૃશ્ય-

(સ્થાન- પંચાયત ભવન। ભીખન ઢોલહો દઽ નહલ છથિ।)

ભીખન- સુની ળાર-ળાઉ, સુની ળાર-ળાઉ, ગૌઆઁ-ઘરૂઆ સભ સુની ળાર-ળાઉ। આઇએ સાઁઝમે પંચાઇત ભવનપર વૈસાર છથિ। ભૌટક વિષયમે વિચાર-વિમિર્શ હએત। ઓઇમે પ્રત્યેક ઘરક મુખિયા અવસ્સ એવૈ। વૈસાર વચ્ચા વાવૂ કરા નહલ છથિ।

(ટીનવેર ઈ ગપ કહિ ભીખન ઢોલહો દૈત આંદર ગેલ। ગૌઆઁ સભ નસે-નસે પહુઁચઽ લાગલ। વચ્ચા વાવૂ, ઉમીમ, વેચૂ, કશિન આ ભગતક પ્રવેશ। સભ કચિ મંચપર વછિાએલ દરીપર વૈસલથિ।)

વચ્ચા વાવૂ- ઉમીમ ભાય, માત્ર એક સપ્તાહ ભૌટક સમય નહિ ગેલૈ। અપન ગૌઆઁક ભૌટ વેરવાદ નૈ હુઅએ, યોગ્ય પ્રત્યાશીકેઁ ળાએ, આપસમે હલ્લ-અસાદ નૈ હુઅએ, તહિ દુઆરે એકટા વૈસારક વિચાર મનમે આએલ। ઈ વિચાર અહાઁકેઁ કેહેન લગૈએ? ભાય અહૂઁ સભ વાળવ।

ઉમીમ- વચ્ચા વાવૂ, હમર ઉમેર સાઠકિ આઁટ-પેટ અછિ આર ચર્ચિ એ તરહક વૈસાર કહિયો નૈ ભેલ છલ। આવ વુઝૈ છી ળે એકર ખગતા પૈહિનિયો છેલૈ। મુદા નૈ હોઇ છેલૈ। ળઇ કારામે અપનેમે કપાર ફોડા-ફોડી ભઽ ળાઇ છેલૈ। અપનેક વિચાર વડ઼ નીક અછિ।

વેચૂ- વચ્ચા વાવૂ, હમ તઁ અનૂપ્પ છી। કછુ નૈ વુઝૈ છથિ। મુદા એતે અવસ્સ કહવ ળે એ વિચાર આ વૈસારસઁ અપન સમાળક પ્રતિષ્ઠા વઢત।

કશિન- વચ્ચા વાવૂ, અપનેક વિચાર સમાળકેઁ એકતાક સૂત્રમે વાન્હૈવલ અછિ। અઇસઁ સમાળક વિકાસ હએત।

ભગત- ભાય, હમ કી કહવ? સભટા તઁ ઈ સભ કહિએ દેલથિ। તૈયો મુઁહ છોહ્લા કિઽ લઇ છી। અહાઁક વિચાર ટેહેન સુન્નર અછિ ળઇસઁ સમ્પૂર્ણ દેશક કલ્યાણ ભઽ સકૈએ। વશ્તે કિ પ્રત્યેક સમાળ એ તરહક વિચારક અમલ કરથિ।

(ઘૂટર, મુટર, નનકૂ, ળીવૂ, મરર, પંચૂ આ વનહૂક પ્રવેશ। સભ દરીપર વૈસલથિ।)

ઘુટર- વચ્ચા વાવૂ, હમરા વડ઼ દેરી ભઽ ગેલ। ક્ષમા માઁગૈ છી।

વચ્ચા વાવૂ- વૂર મરદે, ક્ષમા કથિ મંગૈ છી? આ હમ કોન ળોગ છી ક્ષમા કરવ। અહાઁ કોનો ગલતી કેલૌ હેન।

ઘુટર- અહાઁ કહૈ છી હમ કોનો ળોગ છી। અહાઁ તઁ હીરા છી। તઁએ ને સૌસે ગૌઆઁ દૌગલ અવૈએ।

मुटना- बचया बाबू, गप-सप्प कथ्यनी शुरू करबै? हमरा घरपर बड़ काज अछि। कनियाँक समए पूड़ि गेल छन्हि। ओ कप्पनो घर औह्ना सकै छथि। घरपर आन कियो नै अछि। पहिलेसँ छथिनि उठले-बैठले नै होइ छन्हि।

बचया बाबू- अहाँकेँ बड्ड जरूरी अछि तँ जा सकै छी। काल्हि फेर घरेपर गप कऽ लेब।

मुटना- कनीकाल आर देखै छी।

बचया बाबू- की करबै? लोक सभ समैक महत नै बुझै छथिन। भरि-भरि दिन बैसि खेले-पीने ताश-ताश खेलैत रहै छथि। चाह-पानक दोकानपर बैस कऽ गुलछर्रा छोड़ैत रहै छथि। तइले समए रहै छै। मुदा समाजक प्रतिष्ठा लेल समैक अभाव रहै छन्हि। कहू तँ अपना सभ केते कालसँ बैसल छी। डाँड़-पीठि अँकड़ि गेल। मुदा अप्पना टोला दू सए घरक बस्तीमे दस-पनरह आदमी पहुँचल छथि।

रामकू- बचया बाबू, नै हेतै तँ जाबे गप-सप्प शुरू करू। लोक आगू-पाछू अबै जाइ जेता। बड़ देरी भऽ रहल अछि।

बचया बाबू- ठीके कहै छी भाय, अपना सभ गप शुरू करू। देखल अपना सबहक समक्ष पाँचटा पार्टी अछि कंग्रेस पार्टी, भाजपा पार्टी, जैसा पार्टी, समाजवादी पार्टी आ बाबूद पार्टी। ऐ पाँचू पार्टीमे कोन पार्टी सभसँ नीक अछि? पहिने अपन विचार करी। तखनि जौँटक विचार हेतै।

उमेश- हमरा नजरिमे सभसँ नीक पार्टी गोवर्धनलालक पार्टी कंग्रेस पार्टी अछि। गोवर्धनलाल बड़ नीक प्रत्याशी छथि। हुनके देबाक जितेबाक अछि।

बेचू- हमरा विचारसँ सभसँ बढ़ियाँ पार्टी श्रीरामक भाजपा पार्टी अछि। ओ गरीबक दुख बूझि सकै छथि। देखल हुनके जितबै जाइ-जाउ।

कपिल- हम तँ कहब जे बालेश्वर यादवक पार्टी जैसा पार्टी सभसँ विश्वसनीय पार्टी अछि। बालेश्वर यादवकेँ बेवहारिक अनुभव छन्हि। ई जेते काज करता, तेते कियो नै कऽ सकै छथि। तँए अहूबेर बालेश्वरे यादवकेँ जिताउ।

भगत- हमरा विचारसँ सुभद्रा सभसँ नीक प्रत्याशी छथि जिनिकर पार्टी छथिन समाजवादी पार्टी। हुनकामे काज करैक नीक क्षमता छन्हि। देखल हुनका भारी मतसँ विजय बनबै जाइ-जाउ।

घुटना- बचया बाबू, विवेक यादव सभसँ नीक प्रत्याशी छथि। हुनका देखल निश्चिते दिल्ली पठेबाक अछि।

મુટના- (શકયકારત) હુનકા કી બેઊ હેન સેં? દાનૂ પીએન-પીએન હુનકન શઁતની ઙહિ ગેઊ હેન કી? શસ્પતાઊ ળેતા કી?

ઘુટના- યૂન વુડ઼વક શસ્પતાઊ કથીઊ ળેથનિ? ઊકસબા ળેથનિ।

મુટના- શોત્ત કી કનથનિ? દાનૂ શૈક્ટની ખ્પોઊથનિ કી?

ઘુટના- શોત્તેસઁ શપના સબાપન શાસન કનથનિ। શપના સબકેં કોનો કમ્મી નૈ હુશ દેથનિ।

મુટના- ળેકન કનિયિઁ નૈ હેતૈ શોકના કનિયિઁ દેથનિ કી?

ઘુટના- હઁ, સબટા દેથનિ। પછાતિ કિહવો।

મુટના- (મોછ પીળવૈત) વડ઼ નીક હેતૈ। વય્યા બેઊ પછાતિ કિનિયિઁકેં નૈહન દઽ ખ્વૈ। શોકનો ળાન વયતૈ।

ઘુટના- વય્યા વાવૂ, શહઁ શપ્પન વ઼િયાન કછિ નૈ દેઊપિ?

વય્યા વાવૂ- વેને-વેની ને શપન-શપન વ઼િયાન દર ળાર ળેવૈ। શહઁ સબ શપન-શપન વ઼િયાન દેઊપિ। શાવ હમ દર છી। નીક પ્નત્યશી કે બેઊ? હમના નળનમિ નીક પ્નત્યશી ઙ બેઊ ળે શપન ક્ષેત્નક વ઼િકાસ તન-મન-ધનસઁ કનથિ, શપન ળનતાસઁ નીક ળકઁ ળુડ઼ઊ નહથિ શા દેશ બક્તિસઁ પનિપૂ્નમ્ન નહથિ। હમના નળનમિ સબસઁ નીક પ્નત્યાશી સુબદ્ના છથિ ળિનિકામે ઈ સબ ગ્નામ વ઼િદ્યમાન છન્હિ। ઙ સદતિ શપના સવહક દુખ્પ-સુખ્પમે તત્પન નહૈ છથિ। ખ્નાવે નૈ હુનક તયિાગ સેહો સનાહનીય છન્હિ। હમના વ઼િયાનસઁ સુબદ્નાકેં બાની મતસઁ ળીતા દઊિ પઠાઙ। શરસઁ શાગૂ શપને સવહક વ઼િયાન શા મત્ળી।

(સુઊમાન, સઊીમ શા સઊાઙદ્દીનક પ્નવેશ) શાઙ-શાઙ બાય, વૈસુ। (સબ વૈસઊથિ।)વડ઼ દેની કઽ દેઊપિ।

સુઊમાન- ટોઊમે મનદ સબ વેસી વાહન ખ્પટૈ છથિ। ળનાની સબ કહઊખ્પનિ, શહી સબ ળાઙ ળે ળેના વ઼િયાન હેતૈ તરમે હમનો નહવે કનત। હમના સવહક વ઼િયાન બેઊ ળે એવેન સુબદ્નાકેં ળીતાવી।

સઊીમ- સુબદ્નાક તયિાગ શા ળનતા પ્નતિ ઊગાવ કોની છપિઊ નૈ શછિ।શોકનામે કાળ કનૈક ક્ષમતા હર શૌન સબ ગેઊ-ગુળનઊ હઝ ખ્નો વનળેશવા ળે હઽ સે ળહિયાસે ળીતકેં ગેઊહ તહિયાસે ઘૂમકિં નૈ ખ્નઊહ શા ખ્નઊહ તઁ શૈન મૌટ ઊરવે।

સઊાઙદ્દીન- શપના-શપનાકેં સબ પાન્ટી સશ્નાર દર છૈ। શપના દહીકેં કોર ખ્પટ્ટા કહઊકૈ હેના વનળેશવા તઁ ઘોષાણ્ના-પન-ઘોષાણ્ના કઽ ગેઊ હેન શા ધોતી-સાડ઼ી-ઊગી વાઁટિ ગેઊ હેના હમ સબ શમ્નૂખ્પ છી તઁ શનછેડૂ છી।સબટા વુઝૈ છપિ। મૌટ ઊર કાઊમે ગદહો નાના બઽ ળાર છૈ શા ળીતઊ વાદ સવહક


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

પન્દાદા ન્ઽ ળાર છૈ। ઐવેન શ્રાઁપ્પ મિના કિઽ સુમદ્નાકેં મૌંટ દેવાક છૈ। મૌગી છૈ ત્રસે કી? પુનુપ્પક કાણ કટૈ છૈ।

વય્યા વાવૂ- શ્રપન-શ્રપન વ્રયિાન શ્રા ત્નક દર ળાર ળરયૌ।

ળીવૂ- હ્મન વ્રયિાન શ્રછિ ળે ઐવેન સુમદ્ના દીદી ળનિ્દાવાદ। પ્પયયન પાન્ટી ળનિ્દાવાદ। ગદહ્ર છાપ ળનિ્દાવાદ।

મનન- હ્મ કી કહ્વ? પ્તવે કહ્વ ળે છાપપન નૈ ળેવાક છૈ શ્રા નૈ વાતપન ળેવાક છૈ। ળેવાક છૈ કથીપન તઁ પ્નત્યાશીક કાળપના દેપ્પૈ છપિ કછુિ ૩યક્કા છૌડ઼ા સમ પાન્ટીસઁ પાર ટાનિ દાિનૂ પીવ હુડ઼ઇગ। મયવૈપ શ્રા શ્રપને-શ્રપનેમે હ્રગડ઼-દન કનપ ૭ગૌપ। સે ને હેવાક યાહી।કેકન પ્પેતી કેકન ગાપ, કોન પાપી નોમઽ ળાપ।

વય્યા વાવૂ- ળપ્પનિ પાન્ટી સમ પાર ૭ટપ યાહૈપ તઁ હ્મ સમ વવાળી કપિ વની? મુદા શ્રાપસમે હ્રગડ઼ા નૈ કની, સે હ્નદમ યયિાન નાપ્પી।

પંચૂ- ળૌ કોનો પાન્ટી શ્રઁસતૈ તઁ નીક ળકાઁ માઉ ટાનિ શ્રિપનામે વાઁટિ ઉરકે છૈ। પ્પાઉ સુમદ્નાકેં છોડ઼િ દેવાક છૈ। કાનામ્ર શ્રોકન વહુત સમ્પતિ સિમાળ સેવામે ૭ગઉ છૈ, ૩ કોનો કમાર છૈ? વાપવઉ વેયિ કઽ ળનતા સેવા કનૈ છૈ।

વનહૂન- હ્મના તઁ મન હોરપ ળે ઐવેન કોનો સાનકેં મૌંટ દેવે નૈ કનાતિપિ। કાનામ્ર સમ સાન શ્રોત્ત ળા કઽ વૈમાન વનિ ળિારપ। માઉ હોસનૈમે ૭ગાિ ળિારપ। નૂન ઘોટાઉ, પયિોળ ઘોટાઉ, વકની ઘોટાઉ, સાઁઢ઼ ઘોટાઉ, શ્રઉના ઘોટાઉ, યછિા ઘોટાઉમે મસ્ત ન્ઽ ળારપ શ્રા માનઉ માઉ દેશમે નાપ્પિ વિદેશમે નપ્પૈપ ળે કોર વુહપ નૈ। સાન સમ હ્મન માઉ માનિ પિશ-મૌળક ળનિગી ળીવૈ ળારપ શ્રા હ્મના સમકેં કમાશ્ત-કમાશ્ત નગ ટૂટિ ળારપ તૈયો પેટ નૈ મનૈપ। ઐવેન કોનો સાનકેં મૌંટ નૈ દેવૈ। મૈનિ દપિ વનદાળાપ્વ, કોનો સાન પક્કો સાઁહ્ક વુતાતો દેત।

વય્યા વાવૂ- વનહૂન માય, તોહ્ન કહ્વ પૂનામ્રતહ ઠીક છહ। મુદા શ્રપન કનતવમે નૈ યુકવાક છૈ। માનતક નાગનકિ છહક શ્રા મૌંટ દરકેં શ્રયિકાિન છહ તઁ મૌંટ દેવાકે છૈ। તરમે હોશગન પ્નત્યાશી યુનૈકેં છૈ।

વનહૂન- ળૌ તૂઁ કહૈ છહ તઁ સુમદ્નાકેં મૌંટ દઽ દેવૈ। ફ ૭ગૌ છહ ળે વૈમાન નૈ હેતહ।

વય્યા વાવૂ- તપ્પનિ સુિમદ્નાકેં ળીતવૈમે કનિકો કોનો શ્રાપતિ?

સમ- કોનો શ્રાપતિ નૈ, કોનો શ્રાપતિ નૈ।

વય્યા વાવૂ- તપ્પનિ સુિમદ્ના નશ્રિયતિ ળીત ગેઉ। સપહ ને?



सभ- निश्चियति जीतती, निश्चियति जीतती।

बच्चा बाबू- एकटा हमर सबहक सुनै जाउ-जाउ उ ई जे कोनो पार्टीसँ बारमे टूटबाक नै छै। सभकेँ हँ-हँ कहैक छै। मुदा भोँट दऽ काल्हे ओकरे देबै जे हमरा मनमे अछि आर-काल्हि नै उ देबी छै आ नै उ करार छै जे राजा हरिश्चंद्र बनि जाउ। हमरा बुझिये सभैक अनुसार सरकारसँ चली।

(गोवर्धनबाबू, रामेश्वर, जीतेन्द्र, आ श्रीबाबूक प्रवेश। गोवर्धन सभकेँ हाथ जोड़ि प्रणाम करै छथि।)

गोवर्धन- बच्चा बाबू, की हाल-चाल?

बच्चा बाबू- पहिने बैसल जाउ। तखनि हाल-चाल हेतै।

गोवर्धन- अपनि बैसैक समए नै छै। मुदा कनियेँ बैसै छी। (सभ कुर्सीपर बैसलथि।)

बच्चा बाबू- नेताजी, अहाँ पूरा ठीक छी। बुझिये सुनिश्चियति अछि हम सभ बुझियार कऽ लेबै हेता। कटहर छाप जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद। (दुनू हाथ उठा कऽ)

बच्चा बाबू- गोवर्धनबाबू जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

रामेश्वर- (उठि कऽ) बच्चा बाबू, एकमिनट समए दिअ।

बच्चा बाबू- जी कहल जाउ। (रामेश्वर आ बच्चा बाबू अंदर गेलथि। रामेश्वर बच्चा बाबूकेँ पाँच हजार टाका देलथि। फेर दुनूक प्रवेश)

रामेश्वर- आब हमरा लोकनिकेँ आज्ञा देल जाउ। बड़ काज छै।

बच्चा बाबू- अहाँ निश्चिंत भऽ कें जाउ। (गोवर्धन दलक प्रस्थान)

पंचू- बच्चा बाबू, केते माल हाथे? बैमानी नै करबै

बच्चा बाबू- जदी अहाँ सभकेँ हमरापर बिश्वास अछि तँ हम बिश्वासघात नै करब। मात्र पाँचे हजार हएत। से हम अपने आ एतै बाँटि दैछी। (सभकेँ बच्चा बाबू पाइ बाँटै छथि।)

पंचू- हे भगवान। हे भगवती। अहिना माल अबैत रहति तँ भोँट पबसैमे बड़ मन लागति।



(ब्रजेश, सुरेश, राकेश, मोनू आ सोनूक प्रवेश)

बच्चा बाबू- पधारल जाउ, पधारल जाउ नेताजी?

ब्रजेश- कहु बच्चा बाबू, चुनावक हाल-चाल।

बच्चा बाबू- पहिने बैसू, गप-सप्प हेबे करतै। (ब्रजेश, सुरेश आ राकेश कुरसीपर बैसलथि। मोनू आ सोनू ठाढ़े-ठाढ़ ओघाइ छथि।) अहाँकेँ के हरा सकैए? अहाँकेँ मरौसी क्षेत्र छी। हमरा लगैए, अहाँ सभकेँ जमानत-जप्त करबा देबै। जत्त-तत्त अहीक माहौल अछि कहि सोलहन्नी भोंट अहीकेँ नै भेट जाए आ पक्का भेटत।

ब्रजेश- पहिने अहाँ सभ एकटा खुशखबरी लऽ लिअ। बबिक हमरामे मिलि गेलथि।

बच्चा बाबू- तखनि घीओसँ चिक्कन आ सोनामे सुगंध भऽ गेल। अहाँक जीत सुनिश्चित भऽ गेल।

राकेश- बच्चा बाबू, हमरा एक मिनट समए दिअ। एगो जरूरी गप करबाक अछि।

बच्चा बाबू- (उठि कऽ लग जा कऽ) कहियौ भाय।

(राकेश आ बच्चा बाबू अन्दर गेलथि। राकेश बच्चा बाबूकेँ दसहजार टाका देलनि। राकेश आ बच्चा बाबूक प्रवेश।)

ब्रजेश- बच्चा बाबू, खुश छिऐ ने?

बच्चा बाबू- अपनेकेँ कहब तँ बिसवास नहियोँ भऽ सकैए। हमरा लोकनि केते खुश छी, से जीतक पछाति बुझाएत।

ब्रजेश- तखनि आज्ञा देल जाए। बहुत गाम जेबाक छै।

(हाथ जोड़ि प्रणाम कऽ ब्रजेश, सुरेश, राकेश, मोनू आ सोनूक प्रस्थान)

पंचू- बच्चा बाबू, अइमे केते सुतरलै?

बच्चा बाबू- ओकर देबर, दस हजार मात्र।

पंचू- अइ सालसँ आर टानितौ से नै। ई साल तँ बड़ माल मारने हएत। कारम क्षेत्रमे केतौ कोनो विकास नै देखै छिऐ।

(बच्चा बाबू पाइ बाँटि रहल छथि।)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

વય્યા વાવૂ- કયિો છૂટવ નૈ આ કયિો દૂવેન નૈ માનવ।

(વ઼િવ઼િક, સૂનાળ, પંકળ આ પપ્પુક પ્નવેશ। સભ કયિો દાનૂ પી કઽ વુય્ય છથિ। વ઼િવ઼િક હાથ ળોડ઼ િસભકેં પ્નાણામ કેઉનિ।)

વ઼િવ઼િક- (હુમૈત-હુમૈત) વ઼િવ઼િક ભૈયા આઇ યનિ વાપોકેં નૈ ગોન ઉગાનૈ હએત। મુદા અહાઁ સભકેં ગોન ઉગિનહ઼ઉ છથિ। સે વસિનૈ નૈ ળાઇ ળેવૈ, પ્નાતિષ્ઠા નપ્પવૈ। નૈ તઁ હમન દોપ્પ નૈ દઇ ળાઇ ળાએવ।

વય્યા વાવૂ- ભેતાળી, વૈસ કઽ ગપ કએઉ ળાઇ।

(વ઼િવ઼િકક ટીમ કુનસીપન વૈસઉથિ।)

ઘુટન- ભેતાળી, સુનઉ, અપને ભૈસા પાનુટીમે મઉ ગેઉપિ હેત।

વ઼િવ઼િક- ઠીકે સુનઉપિ। કી કનવૈ? વ્નાળેશ ભૈયા અપને હમના દૂનાપન આવ પિપ્પનયિઁ કનએ ઉગાઉ। હમના દયા આવ ગેઉ હેઁ કહિ દેઉપિ। ળીયત ઠાન સિભ પકડ઼ઉ યાહૈ છૈ। હમહૂઁ સએહ કેઉ।

ઘુટન- ભેતાળી, મઉ વડ઼ ભેટઉ હએત।

વ઼િવ઼િક- નૈ દયિ સાઉ। કમ્મે દયિ। દસ ઉપ્પસે કથી હોગા? વય્યા વાવૂ, ઐવેન વનુ છાપકેં કોનો હાઉતમે ળીતેવાક હાય।

વય્યા વાવૂ- ભેતાળી, ઐવેન વનુએ છાપક યઉતી અછિ, હવ઼ા અછિ એકનાકેં હના સકૈએ। તઇમે અહૂઁ મઉ ગેઉપિ। કોન માએકેં ઉઉ વનુ છાપકેં હના સકૈએ?

વ઼િવ઼િક- પહિ ઓકના અહાઁ સભ ળીતાઇએ તવ ઉ ળનુ યીળ ગછા હાય, સે ઓકના વાપસે ઉગા। તૈપન સઁ એકટા યીળ ઓન હમ ગછવ઼ાયા હાય।

વય્યા વાવૂ- કથી ભેતાળી?

વ઼િવ઼િક- પ્નનુયેક માતદાતા ઉઉ એક-એક ળોડ઼ા વનાનસી વનુિદી।

ઘુટન- ભેતાળી, અહાઁક વનુ છાપ ળીતઉમે ળીતઉ અછિ કછિ મઉ-પાની પ્પનય-વનય કનયિ નૈ?

વ઼િવ઼િક- સભ મઉ દાનૂમે સયિ ગેયિ। પહિ અહાઁ સભ વ્નાળેશ ભૈયાક ળીતાઇએ તવ સભકેં એક-એકટા વનુ દયિ દેગા। આવ હમ સભ ળાતા હાય। વનુ છાપકેં નૈ વસિનાએગા। (વ઼િવ઼િક દઉક પ્નસ્થાન।)

ઘુટન- વય્યા વાવૂ, અપના સભ વનુિદી આ વનુ કી કનવૈ?



बच्चा बाबू- की करबै, बिन्दी माथपर, दुनू गालपर, नाकपर आ काटल दाढ़ीपर साटबै आर बानूसँ भाड़ा कमेबै।

(सुभद्रा, माल, चन्द्रमोहन आ उमाकान्तक प्रवेश। सुभद्रा हाथ जोड़ि प्रणाम करै छथि।)

सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

बच्चा बाबू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

बच्चा बाबू- दीदी, अपने सभ पहिने बैसै जाउ। तखनि गप-सप्प हेतै। (सुभद्रा दल बैसलथि)

सुभद्रा- बच्चा बाबू, चुनावक की माहौल अछि?

बच्चा बाबू- हमरा जनैत ऐगाम अहाँक माहौल पूरा ठीक अछि आ जीत सुनिश्चित अछि। मुदा आन गामक माहौल केहेन अछि से अही कहब।

सुभद्रा- सभ गामक माहौल नीके नै बड़ नीक बुझारहल तखनि सूरदासबला गप, घी गारारे बुझबै। मतदाताकेँ हमरासँ केते अपेक्षा छन्हि से समए एला पछाति बुझबै।

उमाकान्त- बौआ भगवान सभ, अहाँ सभ जे करबै से हेतै। हिनकर माहौल आर बनाउ आ हिनका जीताउ ई अपनो किछु देती नै। जीतला पछाति काज करती आ महिनामे एक सप्ताह क्षेत्रमे रहि जनता दरबार लगेती आर सबहक समस्याक समाधान करती वा करेती।

सुभद्रा- भाय सभ, आब चलैक आज्ञा देल जाउ। बहुत गाम जेबाक अछि।

बच्चा बाबू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

बच्चा बाबू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

सभ- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

(सुभद्रा दलक प्रस्थान।)

पटाक्षेप-

સાતમ દૃશ્ય-

(સ્થાન- થાના વડ઼ા વાવૂ સુળીત, છોટા વાવૂ ંળીત, હવલદાર, સુભાષ આ ચૌકીદાર વુચન મંચપર ઉપસ્થતિ છથિ સભ ચુનાવક- નૈયાનીસમ્વન્ધમે વિચાર-વિમર્શ કડ રહલ છથિ સુળીત-ંળીત કુરસીપર વૈસલ છથિ સુભાષ-વુચન ઠાઢ઼ છથિ કાતમે)

સુળીત- છોટા વાવૂ, ચુનાવ વડ઼ી નળદીક વા મંગાવેલાનકેં વા આળ સે ૧૪૪ લગા દી?

ંળીત- વડ઼ા વાવૂ, આચાર સંહિતા લાગા ળૂરી વા

સુળીત- છોટા વાવૂ, ઢોલહો સે કામ ચલી કી લાઉડસ્પીકર સે?

ંળીત- હમરા વિચાર સે લાઉડસ્પીકરે અચ્છા હોઇ

સુળીત- લાઉડસ્પીકર અચ્છા વા (સુળીત કાગતપર કછુ લખિલથિ)

રહઇ વુચન, એમ્હરે સુના

વુચન- (લગ આવિ) ળી સર

સુળીત- હે ઇ લે ગંગા ટેન્ટકેં હીયાઁ ળો લાઉડસ્પીકર લેકે પ્રચાર કડ દે કાગતમે લખિલ હઉ દેખકે કહૈ કે હઉ

વુચન- હમરા વઢ઼ીયાઁ ળકાઁ અક્ષર નૈ ચલૈ છે સે?

સુળીત- ળો ન, ળઇસે હોઇ તઇસે પઢ઼ દેના

વુચન- ળે આળ્ઞા સર (વુચનક પ્રસ્થાન)

સુભાષ- (સુળીતસઁ) સર, ઇસવાર ચુનાવક આયુક્ત વડ઼ી ટાઇટ વા ઇસવાર વડ઼ી સાવધાન રહૈકે વા

ક્ષણાંતિ પટાક્ષેપ

(વુચનક પ્રવેશ)

વુચન- સભ સચાતાગ્ન કો સૂચતિ કિયા ળાતા હૈ કિ આળ ની વળે રાતસે ૧૪૪ લગૂ કિયા ળાતા હૈ ચાર આદમી એક ળગહ ળહઁ-તહઁ એક સાથ નહી રહ સકતે હૈ પકડ઼ે ળાનેપર કડ઼ી સળા દી ળાએગી

तथा पाँच हजार तक की जुर्माना हो सकती है। प्रचार-प्रसार बंद रहेगा। (तीन बेर अहि बातकेँ बुधन प्रचार कएलथि। बुधनक प्रस्थान। घुटर, मुटर, ननकू आ उदीमक प्रवेश।)

घुटर- ऐबेर सुभद्राकेँ जीतेवाक छै।

मुटर- छै तँ मौगी। मुदा काज करैमे जोशगर बड़ छै।

ननकू- जदी ऐबेर उ मौगी नै जीतती तँ अपना सभ मसोमात भऽ जेबै।

उदीम- ओइ मौगी लेल हम जान दइले तैयार छिऐ। घुटर भाय किछु हेबो करतै की?

घुटर- अवस्स हेतै, अवस्स हेतै। बोल शंकर कैलाशपति। कथीदुनपर पादे लप्पति।

(राकेशक प्रवेश। घुटर, मुटर, ननकू आ उदीम गाँजा पीऐले बैसै जाइ गेल। घुटर गाँजा बनकिलि मुटरकेँ देलक। मुटर गाँजा काटि ननकूकेँ देलक। ननकू गाजा लटा कऽ उदीमकेँ देलक। उदीम गूल बना कऽ गाँजा चीलममे दऽ आगि लगौलक। चारू मस्तीमे गाँजापी रहल छथि। राकेश चारूकेँ दू-दूसए टाका दइ छथि। सुजीत, रंजीत, सुभाष आ बुधनक प्रवेश। पुलिस राकेशकेँ रंगल हाथ पकड़ि लेलथि। पड़ाएल। तइमे ननकू पकड़ा गेल आर तीनू भागि गेल। राकेश आ ननकूकेँ चारि-पाँच सटका सुभाष देलक। दुनू माए गे, बाप रौ चचिआएल।)

सुभाष- सार सभ गाजा पीयत बा। शरीरपर एक्को रत्ती मौस नै बा। हरमजादा सभ पूरा परिवारकेँ गाँजामे पीकेँ नाश करेल। हौ बुधन, सारकेँ बान्हह, ले चलह थाना। बापसे भेँट हो जाइ। (बुधन हथकड़ी लगाबए ननकूकेँ) ई नेतवोकेँ बान्हह। टाकासे भोँट खरीदी।

(बुधन राकेशकेँ बान्हलक।) रहए सार सभ, पबलिककेँ गुमराह करत बा। चलऽ एकरा भीतर करी।

ननकू- सर, आब गाँजा नै पीबै। गरीब आदमी छी। आइ माफ कऽ दिअ। आब कहियो नै पीबै गाँजा।

सुभाष- सार नाहि समझता है- नाशा का जो हुआ शिकार। उजड़ा उसका घर परिवार।

ननकू- हे सर, गोर लगै छी, पएर पकड़ै छी।

(ननकू सुभाषक पएर पकड़ि लेलक)

सुभाष- बुधन, खोल दह सारकेँ। (बुधन हथकड़ी खोलि देलक।)

सार, कान पकड़िकेँ दसबार उठी-बैठी।



(બબકૂ કાન પકડ઼ દિસવેર ગનિ કઽ ઉઠા-વૈસી કેઊકા।)

ળો સાઊ। શ્રવ પકડ઼ાઈ ળવ વાપસે ભેંટ કરાઈ।

(બબકૂક પ્રસ્થાન)

ગળીત- વડ઼ા વાવૂ, એગો કહવી વા- ઘરમે જુળી માઁઙ નૈ, મયિઁા પાદए યુડ઼ા। સાઊ સબ કમાબેમે કોઢ઼યિા વા। ઊકનિ ગાઁળા પીબેમે વડ઼ી ળેળ વા।

સુળીત- છોટા વાવૂ, ઇસવાર ઇયર-ઉયરમે ળો પકડ઼ાઈ ઉ સાઊ સીયે ઊપર ળાઈ। ઈ યુનાવ શ્રાયુક્તકેં શ્રાઁરુર વા। ઇસવાર યુનાવ કા બયા સસ્ટિમવા। એક મહિનાસઁ પ્રત્યેક વઊઁકપર વડ઼ી ઢંગાસે પ્રત્યેક મતદાતાકેં પ્રશિક્ષણ હો રહઊ વા। મતદાતાકેં શ્રાબે-ળાબે કે ઊઈ સરકાર કી શ્રોરસે ગાડ઼ી કી વેવસ્થા વા।

પટાક્ષેપ-

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(ભેસ૧શ્રંક)

પહિ૯ દૃશ્ય-

(સ્થાન- પ્‌૧ાથમિક વિધિા૯યા ૌંટક ૌયા૧ી પૂ૧ાીઃ ભઽ ગે૯ શ્ર્છા મંચપ૧ પીઠાસીન પદાયિકાિ૧ી પ્રેમ પ્‌૧કાશ શ્રા૧ ીનટા સીશ્રા૧ પીએશ્ચ મહેન્દ્‌૧, ૧વીન્દ્‌૧ શ્રા સુ૧ેશ ઉપસ્થિતિ છથિ। પ્રેમ પ્‌૧કાશ કુ૧સીપ૧ વૈસ૯ છથિ શ્રા હિનિકા શ્રાગુમે ટેવુ૯પ૧ પહ્યાન પત્‌૧સઁ મહિ઼ત-ળુઝૈત મતદાતાક કાન્‌ડ ૧ાખ્‌૯ શ્ર્છા પ્રેમ પ્‌૧કાશ ૯ાા દુનૂ કાત મહેન્દ્‌૧ શ્રા ૧વીન્દ્‌૧ ઠાઢ઼ છથિ। ૌંટ મશીન કાતમે ૧ાખ્‌૯ શ્ર્છા ૌંટ મશીન ૯ાા સુ૧ેન્દ્‌૧ ઠાઢ઼ છથિ। વાતાવ૧ાઃ વિઙ્કુ૯ શાન્ત શ્ર્છા પ્રેમપ્‌૧કાશક કાતમે કુ૧સીપ૧ યુનાવ પ્‌૧તિનિધિ સૌ૧ભ વૈસ૯ છથિ। પ્રેમ પ્‌૧કાશ શ્રા સૌ૧ભમે સઁ કયિો ગ્‌૧ામીણ ૌ છથિ।)

પ્રેમ પ્‌૧કાશ- (ઘડ઼ી દેખૈત) સૌ૧ભ, સમય ભઽ ગે૯ હેના શ્રપ્‌નહિ ૧ કિયો મતદાતા ૌ શ્રાવિ ૧હ૯ હેના કી કા૧ાઃ છૈ?

સૌ૧ભ- હમ૧ા ૯ગૈ ળે ગ્‌૧ામીણકેં ૌ વુ઼ઝ૯ છન્હિ ળે શ્રાઝ ૌંટ છી।

પ્રેમ પ્‌૧કાશ- ૌ, ઈ ૌ ભઽ સકૈયા એક-એકટા ૌંટક મહત્ વડ઼ વેસી છૈ। પ્‌૧ત્યાશી શ્રા થાના નિશ્ચિતિ વતેને હેતૈ। ઈ ભઽ સકૈ ળે મતદાતા સમૈક મહત્ ૌ વુઝૈત હેથિ વા પ્‌૧ત્યાશીક કાળક૧ાા કોઢ઼ હિએત।

(૧ામેશ્વ૧, ળીતેન્દ્‌૧, શ્‌૧ી૯ાલ, ૧ામ, શ્યામ, મહેશ, ગોપા૯, સોહન, કૃષ્ણાનંદ, કન્હૈયા, ગો૯, ળીવછ, ૧ાળા, પ૯ટ, પંડીત, સુ૧ેશ, ૧ાકેશ, નવીન, પ્‌૧વીણ, સુમન, સંળીવ, ૧ાહુ૯, માલા, યન્દ્‌૧મોહન, ઉમાકાન્ત, ૯ાલૂ, કાલૂ, ૧હીમ, ક૧ીમ, વદ૯, વા૯યન, ૯ા૯યન, નન્દન, કુન્દન, શ્રા યન્દનક પ્‌૧વેશા સભ કયિો પંક્તિવિદ્ધ છથિ। સભ કયિો વે૧ા-વે૧ી શ્રપન પહ્યાન પત્‌૧ સૌ૧ભકેં દેખ્યા શ્રાગૂ વઢ઼િ પ્રેમપ્‌૧કાશસઁ ૌંટ કાન્‌ડ ૯ઽ ૌંટ મશીન ૯ાા ળા શ્રપન-શ્રપન છાપપ૧ કાન્‌ડ ઘુસા વટન દવવૈ છથિ શ્રા પ્‌૧સ્થાન ભે૯ ળાઈ છથિ। એ ત૧હેં ૧ામેશ્વ૧, ળીતેન્દ્‌૧ શ્રા શ્‌૧ી૯ાલ પ્‌૧સ્થાન કે૯થિ।)

કૃષ્ણાનંદ- સ૧, વડ઼ દે૧ી હોઝયા ગાડ઼ી ળ૯દી-ળ૯દી ઘીયયિો। વડ઼ીકા૯સઁ ઠાઢ઼ છી।

પ્રેમપ્‌૧કાશ- હમ કોનો સુત૯ ૌ છી। કાળ કેહન સુન્‌ન૧ ભઽ ૧હ૯ શ્ર્છા વેસી હડવડ઼ી શ્ર્છા તેં પહિને કાળ કેને ળાઉ।

(૧ામ, શ્યામ, મહેશ, ગોપા૯, શ્રા સોહનક ૌંટ દઽ કઽ પ્‌૧સ્થાના)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

𑒩𑒰𑒖𑒰- 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒦𑒳𑒮𑒏𑒼𑒪𑒯𑒰 𑒯𑒰𑒏𑒱𑒧𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒥𑒳𑒟𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰 𑒠𑒃 𑒕𑒻। 𑒞𑒿𑒋 𑒢𑒹 𑒋𑒞𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒯𑒼𑒃𑒋।

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒞𑒹𑒖 𑒕𑒲 𑒞𑒿 𑒯𑒰𑒏𑒱𑒧 𑒦𑓄 𑒖𑒃𑒞𑒾𑓀 𑒢𑒹? 𑒁𑒢𑓂𑒙-𑒮𑒢𑓂𑒙 𑒢𑒻 𑒥𑒰𑒖𑒴। 𑒢𑒻 𑒞𑒿 𑒥𑒹𑒏𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒡𑒩𑒰 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒖𑒹 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒻𑒪𑒹 𑒂𑒋𑒪 𑒕𑒲 𑒮𑒹 𑒏𑒰𑒖 𑒔𑒳𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒏𑒩𑒴 𑒂 𑒩𑒮𑓂𑒞𑒰 𑒢𑒰𑒣𑒴।

(𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝𑒰𑒢𑓀𑒠, 𑒏𑒢𑓂𑒯𑒻𑒨𑒰, 𑒑𑒼𑒪𑒴, 𑒖𑒲𑒫𑒕 𑒂 𑒩𑒰𑒖𑒰𑒏 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢।)

𑒩𑒰𑒏𑒹𑒬- 𑒮𑒩, 𑒏𑒢𑒲 𑒯𑒰𑒟 𑒔𑒪𑒰 𑒏𑓄 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒱𑒨𑒾। 𑒒𑒩𑒣𑒩 𑒥𑒛𑓃 𑒖𑒩𑒴𑒩𑒲 𑒏𑒰𑒖 𑒕𑒻। 𑒁𑒡𑒩𑒞𑒱𑒋𑒮𑒿 𑒧𑒯𑒲𑒮 𑒛𑒱𑒩𑒱𑒂𑒃 𑒕𑒻।

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬- 𑒞𑒐𑓂𑒢𑒲 𑒖𑒰𑒅, 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒧𑒯𑒲𑒮𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒐𑒮𑒥𑒰 𑒂𑒅। 𑒍𑒏𑒩 𑒞𑒴𑒏 𑒥𑒛𑓃 𑒏𑒛𑓃𑒑𑒩 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻।

(𑒣𑒪𑒙, 𑒣𑓀𑒛𑒱𑒞, 𑒮𑒳𑒩𑒹𑒬, 𑒩𑒰𑒏𑒹𑒬 𑒂 𑒢𑒫𑒲𑒢𑒏 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢।)

𑒧𑒰𑒪𑒰- 𑒋𑒞𑒹 𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩 𑒜𑓀𑒑𑒮𑒿 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒻 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒞𑒞𑒹 𑒍𑒪-𑒯𑒼𑒪 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒻 𑒖𑒹 𑒪𑒼𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒦𑒹𑒪-𑒦𑒹𑒪 𑒛𑒰𑒿𑒩-𑒣𑒲𑒚 𑒁𑒿𑒏𑒛𑓃 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒹𑒪𑒻। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒌𑒥𑒹𑒩 𑒮𑒩𑒰𑒏-𑒮𑒩𑒰𑒏 𑒒𑒲𑒔𑒰𑒃 𑒕𑒻।

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬- 𑒯𑒧 𑒌𑒥𑒹𑒩 𑒪𑒑𑒰 𑒏𑓄 𑒔𑒰𑒩𑒱𑒧 𑒥𑒹𑒩 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦𑒰 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒫 𑒏𑒩𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒌 𑒥𑒹𑒩𑒏𑒰 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒢𑒲𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒹𑒩 𑒢𑒻 𑒕𑒪।

(𑒣𑓂𑒩𑒫𑒲𑒝, 𑒮𑒳𑒧𑒢, 𑒮𑓀𑒖𑒲𑒫, 𑒩𑒰𑒯𑒳𑒪 𑒂 𑒧𑒰𑒪𑒰𑒏 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒠𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢।)

𑒩𑒯𑒲𑒧- 𑒮𑒱𑒣𑒰𑒯𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒻𑒥, 𑒣𑒰𑒕𑒴𑒮𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒚𑒹𑒪𑒻𑒋। 𑒯𑒧𑒯𑒴𑒿 𑒚𑒹𑒪 𑒠𑒃 𑒖𑒰𑒃 𑒖𑒹𑒥𑒻। 𑒞𑒐𑓂𑒢𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒠𑒼𑒐 𑒢𑒻 𑒠𑒹𑒥।

𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- (𑒩𑒯𑒲𑒧𑒏 𑒪𑒑 𑒂𑒥𑒱) 𑒏𑒹 𑒚𑒹𑒪𑒞𑒰 𑒯𑒰𑒨 𑒖𑒲? 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒮𑒹 𑒪𑒰𑒃𑒢𑒧𑒹 𑒩𑒯𑒼। 𑒦𑒑𑒠𑒛𑓃 𑒧𑒔𑒰𑒋𑒑𑒰 𑒞𑒼 𑒔𑒪𑒰 𑒖𑒰𑒋𑒑𑒰 𑒆𑒣𑒩। 𑒆𑒣𑒩𑒹𑒮𑒹 𑒂𑒿𑒛𑒩 𑒯𑒰𑒨। (𑒮𑒦 𑒚𑒹𑒪𑒰-𑒚𑒹𑒪𑒲 𑒥𑒢𑓂𑒢 𑒏𑓄 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒑𑒯𑒣𑒩 𑒑𑒹𑒪। 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒧𑒼𑒯𑒢, 𑒅𑒧𑒰𑒏𑒰𑓀𑒞, 𑒪𑒰𑒪𑒴, 𑒏𑒰𑒪𑒴, 𑒩𑒯𑒲𑒧 𑒂 𑒏𑒩𑒲𑒧𑒏 𑒦𑒼𑒿𑒙 𑒠𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢। 𑒥𑒠𑒪𑒴, 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒯𑒔𑒰𑒢 𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒮𑒾𑒩𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒪𑒟𑒱। 𑒮𑒾𑒩𑒦 𑒞𑒖𑒥𑒲𑒖 𑒏𑓄 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒢𑒱।)

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒏𑒲 𑒢𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱?

𑒥𑒠𑒪𑒴- 𑒥𑒠𑒪𑒴।

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒢𑒰𑒧?

𑒥𑒠𑒪𑒴- (𑒏𑒢𑒲𑒏𑒰𑒪 𑒑𑒳𑒧𑓂𑒧 𑒦𑓄) 𑒔𑒢𑓂𑒠𑒹।

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒑𑒪𑒞। 𑒮𑒱𑒣𑒰𑒯𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒻𑒥, 𑒃 𑒑𑒪𑒞 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒕𑒟𑒱। 𑒤𑒼𑒙𑒼 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒢𑒻 𑒧𑒱𑒪𑒻 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- (𑒣𑒏𑒛𑓃𑒱 𑒏𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒪𑓄 𑒖𑒰 𑒏𑓄) 𑒁𑒥𑒹 𑒮𑒰𑒪𑒰, 𑒞𑒴𑒿 𑒠𑒳𑒮𑒩𑒹 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒏𑒰 𑒕𑒼𑒙𑒼 𑒨𑒳𑒫𑒰𑒏𑒩 𑒏𑒰𑒯𑒹 𑒂 𑒑𑒨𑒰? (𑒥𑒹𑒞 𑒥𑒩𑒮𑒰𑒥𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪। 𑒥𑒠𑒩𑒴 𑒥𑒰𑒣 𑒩𑒾, 𑒧𑒰𑒋 𑒑𑒻 𑒔𑒔𑒱𑒂𑒃𑒋। 𑒮𑒦 𑒧𑒞𑒠𑒰𑒞𑒰 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒕𑒟𑒱। 𑒥𑒠𑒩𑒴 𑒣𑒮𑒩𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒪। 𑒥𑒹𑒞 𑒥𑒩𑒮𑒱 𑒩𑒯𑒪। 𑒞𑒞𑓂𑒏𑒰𑒪 𑒫𑒼𑒙 𑒢𑒴𑒏𑒪 𑒁𑒕𑒱।)

𑒥𑒠𑒩𑒴- 𑒮𑒱𑒣𑒰𑒯𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥, 𑒂𑒥 𑒢𑒻 𑒨𑒾। 𑒂𑒥 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒱𑒁। 𑒂𑒥 𑒢𑒻 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒏𑒩𑒥𑒻। (𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒣𑒲𑒙𑒢𑒰𑒃 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒟𑒱।)

𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒮𑒰𑒪𑒰, 𑒏𑒰𑒢 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒼 𑒂 𑒅𑒚𑒼-𑒥𑒻𑒚𑒼।

(𑒥𑒠𑒩𑒴 𑒏𑒰𑒢 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒱 𑒅𑒚𑒪-𑒥𑒻𑒮𑒪।) 𑒖𑒰𑒍 𑒮𑒰𑒪𑒰।

(𑒥𑒠𑒩𑒴𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢। 𑒫𑒼𑒙 𑒬𑒴𑒢 𑒦𑒹𑒪। 𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒖𑒑𑒯𑒣𑒩 𑒑𑒹𑒪𑒟𑒱। 𑒥𑒹𑒩𑒰-𑒥𑒹𑒩𑒲 𑒥𑒰𑒪𑒔𑒢, 𑒪𑒰𑒪𑒔𑒢, 𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢, 𑒏𑒳𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒂 𑒔𑒢𑓂𑒠𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒫𑒼𑒙 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢। 𑒏𑒢𑒲𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒧𑒞𑒠𑒰𑒞𑒰 𑒢𑒻 𑒋𑒪।)

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒮𑒩, 𑒧𑒞𑒠𑒰𑒞𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒻 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒟𑒱?

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬- 𑒦𑒼𑒖𑒢𑒏 𑒮𑒧𑒋 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒻। 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒋 𑒁𑒯𑒴 𑒠𑒳𑒂𑒩𑒹 𑒢𑒻 𑒂𑒥𑒻𑒞 𑒯𑒼𑒟𑒱। 𑒋𑒑𑒼 𑒧𑒞𑒠𑒰𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢𑒱 𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻। 𑒞𑒯𑒴𑒮𑒿 𑒠𑒯𑒮𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒯𑒹𑒞𑒻।𑒮𑒲𑒣𑒰𑒯𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥, 𑒍𑒞𑓂𑒞𑒹 𑒏𑒱𑒋 𑒣𑒲𑒙𑒪𑒱𑒌?

𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩- 𑒮𑒩, 𑒏𑒧𑓂𑒧𑒹 𑒣𑒲𑒙𑒰। 𑒎𑒩 𑒣𑒲𑒙𑒢𑒰 𑒔𑒰𑒯𑒱𑒋। 𑒞𑒰𑒏𑒱 𑒠𑒴𑒮𑒩𑒰 𑒌𑒮𑒰 𑒢𑒯𑒲𑓀 𑒏𑒩𑒹। 𑒆𑒣𑒩 𑒮𑒹 𑒯𑒲 𑒂𑒿𑒛𑒩 𑒯𑒻।

(𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒥𑒰𑒥𑒴, 𑒒𑒳𑒙𑒩, 𑒧𑒳𑒙𑒩, 𑒦𑒼𑒧𑓂𑒣𑒢, 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒲𑒧, 𑒥𑒹𑒔𑒴, 𑒏𑒬𑒱𑒢, 𑒦𑒑𑒞, 𑒢𑒢𑒏𑒴, 𑒮𑒳𑒪𑒹𑒧𑒰𑒢, 𑒮𑒪𑒲𑒧, 𑒮𑒪𑒰𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒢, 𑒢𑒰𑒖𑒢𑒲, 𑒯𑒲𑒢𑒰, 𑒪𑒴𑒫𑒞𑒲, 𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒲, 𑒖𑒲𑒫𑒴, 𑒣𑓀𑒔𑒴 𑒂 𑒥𑒢𑓂𑒯𑒴𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬। 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 𑒣𑓀𑒏𑓂𑒞𑒱𑒧𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒕𑒟𑒱। 𑒫𑒼𑒙 𑒬𑒰𑓀𑒞𑒱𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒥𑒰𑒥, 𑒒𑒳𑒙𑒩, 𑒧𑒳𑒙𑒩, 𑒦𑒼𑒧𑓂𑒣𑒢 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒲𑒧𑒏 𑒫𑒼𑒙 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢।

𑒥𑒹𑒔𑒴- 𑒮𑒩, 𑒏𑒯𑒰𑒿𑒠𑒳𑒢 𑒥𑒠𑒩𑒴𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒱𑒣𑒰𑒯𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒧𑒰𑒩𑒪𑒐𑒱𑒢 𑒥𑒹𑒔𑒰𑒩𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒔𑒜𑓃𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒻।

𑒮𑒾𑒩𑒦- 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒏𑒩𑒻 𑒖𑒰𑒃 𑒪𑒹𑒥𑒻 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒼𑒃 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒡𑒴𑒢𑒥𑒻 𑒔𑒰𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒡𑒮𑒥𑒻 𑒢𑒻।

(𑒔𑒳𑒢𑒰𑒫 𑒢𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒭𑒏 𑒛𑒲.𑒋𑒮.𑒣𑒲. 𑒑𑒝𑒣𑒞𑒲 𑒂 𑒠𑒴𑒙𑒰 𑒮𑒲.𑒂𑒩.𑒣𑒲.𑒋𑒤. 𑒣𑒫𑒢 𑒂 𑒩𑒧𑒢 𑒏𑒹𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬। 𑒫𑒰𑒞𑒰𑒫𑒩𑒝 𑒂𑒩 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒫𑒼𑒙 𑒬𑒰𑓀𑒞𑒱𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪।)

𑒑𑒝𑒣𑒞𑒱- (𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒮𑒿) 𑒮𑒩, 𑒫𑒼𑒙𑒏 𑒏𑒲 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱?

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬- 𑒥𑒛𑓃 𑒢𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒩।

ગ્રામપતિ- કોનો તરહક સમસ્યા?

પ્રેમપ્રકાશ- નૈ સર, કોનો સમસ્યા નૈ।

ગ્રામપતિ- જદી કોનો તરહક સમસ્યા આવએ, ફોન કરબ। હમરા લોકનિ ચલૈ છી। (ગ્રામપતિ, પવન આ રમનક પ્રસ્થાન। વેયૂ, કશિશ, જગત, નનકૂ આ સુલેમાનક પ્રસ્થાન।)

સલીમ- સલાઉદ્દીન ભાય, અપન છાપ ગદહા છાપ મન રખીયહ।

મહેન્દ્ર- સબ ચુપચાપ રહો। કોઈ કિસી કો યે સબ નહીં બતાએગા। યે સબ ગુપ્ત રખને કી બાતેં હૈ। સબ ચુપચાપ અપના વોટ ડાલકર જાઓ।

(સલીમ, સલાઉદ્દીન, બાજની, હિના, લૂવતી, આનંદીક વોટ દઽ કઽ પ્રસ્થાન। સૂરજ, પંકજ, મોહન આ પપ્પુક પ્રવેશ। ચારૂ લગ હથિયાર છન્હિ ચારૂ મસ્તીમે અછિ ચારૂ પ્રેમપ્રકાશ આ સૌરભ લગ ગેલથિ।)

સૂરજ- (સૌરભસઁ) સર, અપ્પનિ ચિન્હિ કેને વોટ ભેલ હએત?

સૌરભ- લગભગ પચાસ પ્રતિશત ભેલ।

પંકજ- આબ અપને સભ કથી કાત હેરઐ। ચાઁચલ વોટ હમ સભ ખસેબૈ।

મોહન- અહાઁ સભ ઊપર શકાઇત સેહો નૈ કરબૈ। નૈ તઁ ઘુરિ કઽ ઘર નૈ જાએબ।

(શીઘ્ર મોહનકેઁ મહેન્દ્ર ગોલી મારિ ખસા દૈલક। એક દિસિ તીનૂ સિપાહી આ દોસર દિસિ તીનૂ વોટ લૂટૈવલા મે ગોલી ચલએ લગલ। જીવૂ, પંચૂ આ વનહૂ ખરાપ સ્થિતિ દેખિ પડ઼ા ગેલ। પ્રેમપ્રકાશ આ સૌરભ અઢમે નુકા રહલથિ। પાઁચટા ગુણ્ડા રાજૂ, તસલીમ, મોસલીમ આ વ્રજાનંદક પ્રવેશ। અંધાધુન ગોલી ચલિ રહલ અછિ। સુરેન્દ્રકેઁ ગોલી લગિ ગેલ। ઓ ખસિ પડ઼લ। ખસલાહ સભ કરાહિ રહલ અછિ। શીઘ્ર સૂરજ, પંકજ આ રાજૂ ખસિ પડ઼લ। ગ્રામપતિ, પવન આ રમનક પ્રવેશ। ગ્રામપતિ, પવન આ રમન સેહો ગોલી ચલાવએ લગલ। રામા, તસલીમ, મોસલીમ આ વ્રજાનંદ ખસિ પડ઼લ। પપ્પુ મૌકા પાબિ ભાગલ। સિપાહી ખદિહારથિ કથી દૂર જા કઽ પપ્પૂકેઁ ગોલી લગિ ગેલ આ ઓ ખસિ કરાહિ રહલ અછિ। શીઘ્ર પપ્પુ દમ તોડ઼િ દૈલક। પાઁચૂ સિપાહી બુથપર એલથિ।)

મહેન્દ્ર- આજ સુરેન્દ્ર ભાઈ શહીદ હો ગએ સભી બુથ લુટેરો કે પરાજિત રોએંગે, વલિપ્પેગે। હા-હા-હા। ઽઽઽ હમારે બુજુર્ગ લોગ જો છુપે હુએ હૈ, કૃપયા યહાઁ આએ।

(પ્રેમપ્રકાશ આ સૌરભ બહરેલથિ આ સભ એકઠામ ભેલથિ।)

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

हमलोग शहीद सुरेन्द्र की आत्मा की शांती के लिए एक मिनट का मौन धारण रखें। (सभू आदमी एकमिनट मौन धारण रखलनि।)

गामपति- जाय सुरेन्द्रक लाशकेँ धार खण्डा हनिका परिजनकेँ यहू सौंप दी। मौंटक समए आब धनमे भऽ रहल अछि। ओम्हरसँ ओम्हरे थाना पर सेहो कहि दियै ऐ लाशकेँ पोस्टमार्टम लेल लऽ जाए ले। (महेन्द्र आ रवीन्द्र सुरेन्द्रक लाशकेँ उठा कऽ लादि अन्दर गेलथि। गामपति, पवन आ रमन सेहो अन्दर गेलथि।)

पटाक्षेप-

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

દોસર દૃશ્ય-

(સ્થાન- વવાળીક ચાહ દોકાન। દોકાનપર ગામેશ્વર, ળીતેન્દ્ર, કૃષ્ણાનંદ, કન્હૈયા, ગાકેશ, ઉમાકાંત આ ચન્દ્રમોહન વૈસ કઽ ભોંટક વષિયમે ગપ-સપ્પ કગૈ છથિ। આગ ચાહ પીવૈ ળાઽ છથિ।)

વવાળી- ગામેશ્વગ વાવૂ, અપના ક્ષેત્રગસઁ ઐવેગ કોન પાગ્ટીકેં નકિઉેક ઉમ્મીદ છૈ?

ગામેશ્વગ- નશ્ચિયતિ કહનાઽ તઁ મુશ્કિલ છૈ। કાગણ કોન મતદાતા કોન પાગ્ટીકેં ભોંટ દેઉક, ઈ વુઝનાઽ વડ઼ અસમ્ભવ છૈ। તખની હમગ પાગ્ટીક માહૌલ નીક છેઐ। ઓકગા ળીતક વેસી સંભાવના છૈ।

ળીતેન્દ્ર- કટહગ છાપ કેતે ભોંટસઁ ળીતત? ઈ ગૈ કહિ સકૈ છી। મુદા નશ્ચિયતિ ળીતત, સે હમગ દાવા અછિ।

ઉમાકાંત- વાઉ, દાવા ગૈ ઠોકહક। અપન દહીકેં કોઽ ખટ્ટા ગૈ કહૈ છૈ। અપના ભગિસિભ પાગ્ટી એકપગ-એક છૈ।

વવાળી- વાવા, અપનેક વ઼િચાગસઁ કોન પાગ્ટી પક્કા નકિઉત?

ઉમાકાંત- પક્કાવઉ વાત હમ ગૈ કહિ સકૈ છી। પાનમિ મછગી નઆ-નઆ કુટિયા વખના। હમ અનુમાનતઃ કહિ સકૈ છી ળે વેસી ઉમ્મીદ વ્રાળેશ નકિઉ ળાએત।

ગાકેશ- કાકા, અહાઁક અનુમાન પૂગણ ઠીક અછિ। કાગણ વ્રાળેશમે છઉ-વઉ-કઉ સભટા છન્હિ।

કૃષ્ણાનંદ- શ્રીગન ભૈયાક માગૂતી પાગ્ટકેં કિયો ગૈ હગા સકૈ છથિ। પવ઼ઉકિ આવ ઓતૂતે મુગૂખ ગૈ ગહિ ગેઉ હેના। ગસે-ગસે સભ વુચયિાગ ભઽ ગહઉ છૈ। શ્રીગન ભૈયાક કઉ સભકેં અપના દસિ ઘીચવે કગતૈ।

કન્હૈયા- કૃષ્ણાનંદ ભાય, ભૌગી સાઽકિઉ છાપ તઁ અપન છાપ છી। હમના એ છાપક સમ્વન્ધમે ગૈ વાળક ચાહી ળે ઈ છાપ હાગિ ળાએત। મુદા વાળઽ પડ઼ૈએ ળે અપન છાપકેં ળીતક સંભાવના વડ઼ કમ છૈ।

ચન્દ્રમોહન- ળદી પવ઼ઉકિકેં કનયિા-કનયિા દમિાગ હેતૈ તઁ સુભદ્રા દીદી યાની ગદહા છાપ નશ્ચિયતિ ળીતત। પવ઼ઉકિ આવ ચઉાક ભઽ ગેઐ હેના। વડ઼ સોચયિ-વ઼િચાગિ કિઽ ભોંટ ખસવૈ છૈ। સભ નેતાકેં વુઝાઽ છન્હિ ળે પવ઼ઉકિ હમગે દસિન અછિ મુદા નૈ। પવ઼ઉકિ કેમ્હગ છથિ, સે વ઼ણ્ટા વૂઝિ સકૈ છથિ ઈ હુનકગ વુચયિાગી છયિની।

ઉમાકાંત- વૌઆ, એકઉખ ગૈ કનોડ઼ક વાત વળઉહ। ળનતામે ળાગૃતિ તીવ્રગ ગતસિઁ એઐ હેન આ આવિ ગહૈ હેના। તખની કિછુ-કિછુ હુગાગ આ મચંડ ગહવે કગતૈ। સએ હંસમે એગો વૌગઉ હંસે।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(સજ્ઞ કષિ્ાે યાહ પીવ કપ નયિ્યાસઁ નપ્પઙનિ વવાળી શીઘ્ન કપ યોઙનિ)

વવાળી- ઍવેન ળૌ વિવિક જૈયા વ્નળેશ જૈયામે નૈ મઙિનથનિ ńહુનકન ળીન સુનશ્યિનિ છેઙનિ।

કૃષ્ણાનંદ- ળપ્પનિ ૩ વ્નળેશ જૈયામે મઙિગેઙપ્પનિ ń વ્નળેશ જૈયાકેઁ નશ્યિનિ ળીનક યાહી। મુદા હુનકન ળેગાડ઼ નૈ સુનનઙનિ। વેયાના ળઽ નાગાનપન કુદૈ છઙાહ, સે સજ્ઞ નાગાન જૌંટ દનિ ઍ દુનયિાઁસઁ યઙિ ગેઙપ્પનિ। વેયાના વકિઙાંગા જઽ ગેઙા।

યન્દ્નમોહન- વેયાના સજ્ઞ શ્રાગા વિડ઼ મુનૈ છેઙપ્પનિ।

વાવાળી- જૌંટક ગાનિની કહયિા હેનૈ?

યન્દ્નમોહન- કૌઙહુકે સમય છૈ। શ્રપ્પનિ સિજ્ઞ પાન્ટી કવુઙા-પાની કનૈન હ્પન ળે હ્મ ળીનવ ń ૬ યઢાએવ, હ્મ ળીનવ ń ૬ યઢાએવ। નાકેશ જ્ઞાયક પાન્ટી ઍવેન ળીનવે કનન એક, દૂ, નીના ળીનક પછાનિ શ્રહઁ કથી યઢવૈ જ્ઞાય? નૈ હ્પન ń નસગુઙ વનસા દેવ।

નાકેશ- (પ્પીસયિા કઽ મુડ઼ી ઙેઙવૈન) યન્દ્નમોહન, હ્મ સજ્ઞટા વુહૈ છી। હ્મના શ્રહઁ વુડ઼વક વના નહઙ છી। વાન પ્પનાપ જઽ ળાએન।

યન્દ્નમોહન- ળે પાન્ટી ળનનાકેઁ પાજ઼સઁ પટીએઙથિ, ૩ પાન્ટી નૈ ળીનન ń શ્રાન કોન પાન્ટી ળીનન?

નાકેશ- શ્રહીક પાન્ટીકેઁ વડ઼ડ દમ છેઙએ ń કોશ્રએ નૈ ળનનાકેઁ પાજ઼સઁ પટયિેઙથિ?

યન્દ્નમોહન- હ્મના પાન્ટીકેઁ શ્રહઁ ળકઁ ઘોટાઙવઙ થોનહે છૈ સે?

નાકેશ- હ્મના પાન્ટીકેઁ ળે છૈ સે શ્રપન કમાજ઼ છૈ શ્રા શ્રહઁક પાન્ટીકેઁ વાપવઙ ઘોટાઙક પાજ઼ છૈ।

યન્દ્નમોહન- ળે છૈ સે ળનસેવામે ઙગા નહઙ છથિ શ્રા શ્રહઁક પાન્ટી પેટ પૂળામે ઙગા નહઙ છથિ।

નાકેશ- હ્મન પાન્ટી શ્રહઁક પાન્ટીકેઁ યુટકીમે મીડ઼ દેન।

યન્દ્નમોહન- નઁએ ને પુઙસિવઙ શ્રોજ઼ નાન સુશ્રાગાન કેને નહથિ। વડ઼ દમ છેઙએ ń પુઙસિકેઁ યુટકીમે મીડ઼ દજ઼નએિ ને?

નાકેશ- પુઙસિવઙ નોહન વાપ છયિેા।

યન્દ્નમોહન- નોમે વાપ છયિેા।

નાકેશ- નોહન વાપક વાપ છયિેા।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

चन्द्रमोहन- मुँह सम्हारि कऽ बाजू। उनटे चोरो उनटे सीना जोरो।

राकेश- साला, तोहर माए-बहिनिकेँ चोरौलियौ?

चन्द्रमोहन- सार, जो ने अपन माए-बहिनिकेँ चोरबहिँ।

उमाकांत- बौआ सभ, अपनामे झगड़-दन नै करै जाइ जो। केकर खेती केकर गाए, कोन पापी रोमऽ जाए। जीतत कोइ आर मारि कूटू आ मरू हम सभ। ई बात ठीक नै। तूँ सभ शान्त भऽ जाइ जो।

राकेश- सएह कहियौ ने? ऐ सभबाकेँ दिमाग जे नै छै।

चन्द्रमोहन- सार, तूँ बड़ सार-सार करै छेँ। अप्पन भैंट करा देबौ।

राकेश- (उठि कऽ ठाढ़ भऽ) हरमजादा, आ अहीयाबे कोन बाप काज दइ छौ, देखै छियौ।

बबाजी- हे सरकार सभ, अपने सभ दोकानपर सँ जइयौ। एतऽ झगड़ा नै करू। अपनामे एना कथि करै जाइ छी? ऐर नहि जाएब एक्केठाम।

चन्द्रमोहन- हरामी बच्चा गारि कथि पढ़ि देलक? एक्को रत्ती दिमाग नै छै हरामी बच्चाकेँ।

राकेश- रै घोड़ा बच्चा, तोरा हम नानासँ भैंट करबै छियौ।

(चन्द्रमोहन आ राकेश धप्पर-थप्पर करैत उठा-पटकी करए लागल। दुनू एक-दोसरकेँ पटकि रहल। उमाकांत छोड़बैले गेल। हुनको ताउ नै मानै जाइ गेल। हुनको धक्का देलक। ओ उठि कऽ प्रस्थान कऽ गेल। उठा-पटका चलि रहल। बबाजी आ रामेश्वर झगड़ा छोड़ा दुनूकेँ दू दिसि केलनि चापुरोटे हकमि रहल।)

कृष्णानंद- चन्द्रमोहन आ राकेश, तूँ सभ ई ठीक नै करै जाइ गेलेँ। आइ समाज बुझि गेल जे तूँ सभ पक्का मनुष्य आ मचंड छेँ।

पटाक्षेप-


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

તેસર દૃશ્ય-

(સ્થાન- ભગવતી મંદીર। મંદીરમે પૂજારી દેવનાથ ઉપસ્થિત છથિ। દેવનાથ ધૂપ-અગરબત્તી કરૈ છથિ।)

દેવનાથ- યા દેવી સર્વભૂતેષુ શક્તિ રૂપેણ સંસ્થિતા।

નમસ્તસ્યૈ, નમસ્તસ્યૈ, નમસ્તસ્યૈ નમો નમઃ।

(૬ શ્લોક દેવનાથ તીન બેર ગાઉલનિ। ધૂપ અગરબત્તી રખિ દેલનિ।)

એખન ભોંટ બડ઼ બઢ઼િયાઁ ભેલૈ। એક્કો બત્તી એમ્હર-ઓમ્હર સરકાર નૈ ચલઽ દેલકૈ। કેહેન-કેહેન મોછવલાકેઁ બાપસઁ પુલિસ ભોંટ કરા દેલકૈ।

ભોંટક ગિનિતી કાલ્હિ છિ। જે નશીબક તેજ હેતાહ સે નિકલત। ઓના હમરા લગૈ જે બ્રજેશ ભૈયા નિકલિ જેતા। આનદિન એખન ધરિ કિછુ દક્ષિણા-પાની ભઽ ગેલ રહૈ છેલઇ। મુદા ઓહ્કા સંજોગે ખરાપ લગૈ।

(ગોવર્ધન આ રામેશ્વરક પ્રવેશ। દુનૂગોટે ભગવતીકેઁ પ્રણામ કેલથિ।)

ગોવર્ધન- પંડીજી પ્રણામ।

દેવનાથ- કોન અસિર્વાદ દી જજમાન? પકિયા-કચિયા વા મહૌલવા?

ગોવર્ધન- પકિયા અસિર્વાદ દેવ કી?

દેવનાથ- અહાઁકેઁ પકિએ ચાહ્વે કરી। મુદા ઓકર રેટ બડ઼ કડ઼ગર છૈ।

ગોવર્ધન- કેતે?

દેવનાથ- પાઁચસએ એક ટાકા।

ગોવર્ધન- પંડીજી રેટ ઠીકે બડ઼ કડ઼ગર અછિ। કિછુ કમ કરિયૌ।

દેવનાથ- જાઉ જજમાન, વોહ્નિ અપ્પન ચિન્હિ નૈ ભેલ હેન તઁએ ચારસિએ એકે ટાકા દિઔ। અહાઁ નૈ બુઝૈ છિએ, ભોંટ ભેલૈ હેન। મઁહગાઇ બઢ઼ત આ બઢ઼લે અછિ।

ગોવર્ધન- અચ્છા છોડૂ લટારમ। તીન સએ એક ટાકા દેવ। અહાઁ અસિર્વાદ દિઔ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

देवनाथ- जजमानक बात तँ मानहे पड़त। अच्छा लाउ।

(गोवर्धन तीनसए एक टाका देवनाथकेँ देलनि। देवनाथ गोवर्धनकेँ पीठी ठोकि रहल छथि।)

एक, दू, तीन। अहाँ पक्का जीतब, पक्का जीतब, पक्का जीतब।

गोवर्धन- हे भगवती जदी हम जीत गेलौं तँ एकमन घीसँ बनल लड्डू चढ़ाएब।

(भगवतीकेँ प्रणाम कऽ गोवर्धन आ रामेश्वरक प्रस्थान। श्रीधर आ कन्हैयाक प्रवेश।)

देवनाथ- आउ-आउ जजमान, बड़ भाग्यशाली छी अहाँ।

(श्रीधर आ कन्हैया भगवतीकेँ प्रणाम केलनि।)

श्रीधर- प्रणाम।

देवनाथ- अहाँ प्रत्याशी छथि। बिनु दक्षिणाकेँ आसिर्वाद नै देब। अहाँले ओहका आसिर्वाद बड़ महत छै।

श्रीधर- है ने, अहाँ आसिर्वाद दिअ दक्षिणा अवस्स हेतै।

देवनाथ- पहिने तँए करू, केते देब। पछाति हम हुज्जत नै करब।

श्रीधर- अहाँ आसिर्वाद दियौ ने। अहाँकेँ दक्षिणा कम नै देब, बेसीए देब पूरा एगारह टाका।

(देवनाथ पीनकि कऽ भागि गेल। फेर शीघ्र आपस एल।)

देवनाथ- गोवर्धनबाबू हँसी-खुशीसँ पाँच सए एकावन टाका देलखिन हेन। अहाँ चारिओ सए एक दियौ।

श्रीधर- अहाँ आसिर्वाद दिअ। जौं हम जीत गेलौं तँ अहाँक पएरपर पाँचसए एक टाका दऽ जाएब।

देवनाथ- उधारो केतौ आसिर्वाद होइ। अच्छा लाउ, एक सए एके टाका।

श्रीधर- तखनि आइ अहाँ आसिर्वाद छोड़ि दियौ। काल्हि हम अबै छी।

देवनाथ- (पीनकि कऽ) जाउ, ने तँ गुम्मे रहल हएत।

श्रीधर- कौआ सरापने बेंग नै मरै छै। मैया भगवतीक कृपा रहक चाही। हे भगवती। जौं हम जीत गेलौं तँ अहाँकेँ जुआएल पाठा चढ़ाएब।

(श्रीधर आ कन्हैयाक प्रस्थान।)

દેવ઼નાથ- ઈ ગેળવા ń ઠાઁર ગમિહ છેઊએ। ઓહ। હુસ઼િગેઊ। ગૈ સુળળી સિકઊ। એગાગહો ટાકા મ઼ડ ળરાએ ń નક્ષ્ટે છેઊએ। હમહૂઁ વડ઼ વેકૂજ્ઞ છથિ। (અપન મુઁહપન થપ્પન માનઊક।) સાન મુઁહ, ń કિયિ ગૈ વળઊઁ- ળે દેવસે દયિ઼ો। આઇસઁ સાન મુઁહ કહયિો એના ગઊતી ગૈ કનાહીઁ। ગૈ ń વાપસઁ ભેઁટ કનેવૌ।

(વ઼િવ઼િક આ નાકેશક પ્નવેશ। દુનૂ મસ્તીમે છથિ।)

વ઼િવ઼િક- (હુમૈન-હામૈન) પંડીળ, કી હાઊ-ચાઊ?

દેવ઼નાથ- વ઼િવ઼િક ભૈયા, અહાઁક કનિપાસઁ વડ઼ નીક અછિ। પહિને મગવ઼તીકેઁ પ્નામામ કનૂ।

(વ઼િવ઼િક આ નાકેશ મગવ઼તીકેઁ પ્નામામ કેઊળિ।)

ભૈયા, અહાઁક પાન્ટી એવેન વાળી માનવે કનળ। અહાઁ ળઇ પાન્ટી દસિ ńકવૈ ઓકન વ઼ળિય઼ સુનિશ્ચિયળિ છૈ।

વ઼િવ઼િક- અહાઁક મુહસઁ એહેન સુન્દન વચન વહનાએઊ, ઓઇસઁ હમ વડ઼ પ્નસન્ન છી।

દેવ઼નાથ- ળદી અહાઁ હમનાપન પ્નસન્ન છી ń કિછુ દક્ષિણા-પાની દઽ દઇળિએ ń વડ઼ નીક હોઇળૈ હી, હી, હી ઽઽઽ

વ઼િવ઼િક- ળદી અહાઁ મુઁહ છોડ઼ દેવૌ ń ગૈ પાન ń પાનક ડંટી હેવે કનળૈ।

(એગો પનટકહી વ઼િવ઼િક ળેવીસઁ નિકિઊ દેવ઼નાથકેઁ દેઊળિ।)

પંડીળી, ખુશ છથિ ગે?

દેવ઼નાથ- ભૈયા, અહાઁપન ખુશ ગૈ નહવૈ ń હમ કેના મ઼ડ કઽ નહવૈ? હી, હી, હી ઽઽઽ અહાઁ એમ્પી સાહેવક અપ્પન આદમી છથિ। અહાઁકેઁ વેસી દક્ષિણા દેવાક ચાહી।

વ઼િવ઼િક- પંડીળી, અહાઁ મન છોટ ગૈ કનૂ। હમ ળીળક પછાળિ સ્વેન અવૈ છી। મનમાના દક્ષિણા-પાનિ દેવ। હમન ળીળ નિશ્ચિયળિ અછિ। અહાઁ દક્ષિણા-પાનિમે કી સમ લેવ, સે વ઼િચાનિ કઽ નાખૂ।

દેવ઼નાથ- હી, હી, હી ઽઽઽ વેસ હમ સોચ-વ઼િચાનિ લેઇ છી। મુદા મગવ઼તીકેઁ અહાઁ કી ચઢ઼ેવળિ, સે કહિ દયિ઼ુ ળનિ દયિ઼ુ। હુનકે હાથમે સમ કિછુ છન્હિ।

વ઼િવ઼િક- હે મગવ઼તી, અહાઁક કનિપાસઁ હમન પાન્ટી ળીળવે કનળ। હમના ń મન છઊ ળે અહાઁકેઁ હમ શેનક વલિ દેઇળૌ। કાનામ હમન પાન્ટી વડ઼ પૈઘ પાન્ટી છૈ। મુદા શેન અહાઁક સવ઼ાની છી ńએ શેનક વલિ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

अनुमति हएत। तँ बदलामे हम कहुना करै छी जे एक जोड़ा धुआएल बन्नूक बर्णि देबा की पंडीजी, ठीक रहै ने?

देवनाथ- घीओसँ चिक्कन रहै। (वरिक आ राकेशकेँ भगवतीकेँ प्रणाम कऽ हुसैत-हाँसैत प्रस्थान।)

पटाक्षेप-

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

चारिम दृश्य-

(स्थान- समाहरणालय। समाहरणालयक एकटा कोठलीमे नोट मशीन सभ राखलए। दूटा सी.आर.पी.एफ. महेन्द्र आ नवीन्द्र नोट मशीनक पहरा दऽ रहल, ओतुका समए तखने ब्रजेशक गुण्डाक सरदार प्रदीपक साधारण भेषमे प्रवेश।)

प्रदीप- (महेन्द्रसँ) सर, की हाल-चाल अछि?

महेन्द्र- हाल-चाल अच्छा है। लेकिन बात क्या है?

प्रदीप- सर, बात कोनो खास नै छै। अपना अहाँकेँ किछु माल कमाइकेँ बढ़ियाँ मौका अछि। माल लेल सौंसे दुनियाँ हरान छै।

महेन्द्र- आप कहना क्या चाहते है?

प्रदीप- सर, अपने सभ बुजुर्ग बेकती छथि। बूझि गेल हेबै। तैयो कहि दइ छी। हम एम.पी. साहेब ब्रजेशक आदमी छी। नोट मशीन बदलैक ऑर्डर दइयौ। मुँहमाँगा इनाम भेटतए।

महेन्द्र- आप चुपचाप यहाँ से चले जाइए। हमलोगोंको कोई इनाम नही चाहिए। सरकार हमको बहुत इनाम दे रही है। ब्रजेशवा को कहना-

अपना इनाम अपने पास रखनेके लिए।

प्रदीप- अहाँकेँ बजैक सभ्यता नै अछि की? एम.पी. साहेबकेँ केना कहि देलिऐ ब्रजेशवा?

महेन्द्र- आप बहुत सभ्यता वाले आदमी है। क्या आपका यही काम है नोट हेरा-फेरी करना? चुपचाप यहाँसे चले जाइए। बकवास मत कीजिए।

प्रदीप- सर, कृपया कोठलीक चाभी देल जाउ।

नवीन्द्र- यदि आप भला चाहते है तो चुपचाप यहाँ से चले जाइए।

अन्यथा बकसे नहीं जाएगे। ऊपरसे ही ऑर्डर है।

प्रदीप- अहाँ सभ चाभी दिअ, नै तँ बकसल नै जाएब।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(महेन्द्र प्रदीपकेँ गोली मारि देलथि। शीघ्र चारिटा गुण्डा उमेश, रमेश, गणेश आ महेशक प्रवेश। प्रदीप कराहैत-कराहैत मरि गेल। दुनू तरफसँ गोली चलि रहल। नवीन्द्र उमेशकेँ गोली मारलथि। उमेश खसि कराहि रहल। महेन्द्र, रमेशकेँ गोली मारलथि। रमेश खसि कराहि रहल। उमेश मरि गेल। नवीन्द्र गणेशकेँ गोली मारि खसेलथि। गणेश कराहैत-कराहैत मरि गेल। महेश महेन्द्रकेँ बाँहमे गोली मारि देलक। नवीन्द्र महेशक माथमे गोली मारि देलथि। महेश कराहैत-कराहैत दम तोड़ि देलक। ऐ तरहेँ पाँचू गुण्डा मरल पड़ल अछि। महेन्द्र बाँहि पकड़ने ठाढ़ छथि। महेन्द्र आ नवीन्द्र एकमैत ठाढ़ अछि।

नवीन्द्र- महेन्द्र भाइ, आपकी हालत कैसी है?

महेन्द्र- मै ठीक हूँ। जल्दी हॉस्पीटल ले चलिए।

(कलक्टर साहेब कुलदीप आ हुनिक चपरासी रुद्रदेवक प्रवेश। दृश्य देखि कुलदीप आश्चर्यचकित छथि।)

कुलदीप- अहाँ सभ ठीक छी कि?

नवीन्द्र- सर, महेन्द्र भाइ की बाँहमे गोली लगी है।

कुलदीप- रुद्रदेव, अहाँ महेन्द्रकेँ जल्दी अस्पताल लऽ जाउ।

रुद्रदेव- जी आज्ञा सर। (आगू-आगू रुद्रदेव आ पाछू-पाछू महेन्द्रक प्रस्थान।)

कुलदीप- अहाँ सभ भारतक वीर सपूत छी। अहाँ सभकेँ हमर हार्दिक बधाइ। (कुलदीप सुधीरकेँ फोन करै छथि।)

हलो बड़ा बाबू, अहाँ जल्दी आबि लाशकेँ पोस्टमार्टम लेल लऽ जाउ।

सुधीर- जी सर, तुरन्त एलौं।

कुलदीप- हम अहाँ दुनू सुरक्षा बलक वीरतासँ अति प्रसन्न छी। महेन्द्र एला तँ हम अहाँ दुनूकेँ सम्मानित करब।

(सुधीर, रधीर, सुभाष आ बुधनक प्रवेश आपसमे प्रणाम-पाती भेल।)

सुधीर- (कुलदीपसँ) जी सर, हम हाजिर छी।

कुलदीप- लाशकेँ पोस्टमार्टम लेल जल्दी लऽ जाउ।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(सुभाष आ बुचन लाशकेँ अन्दर लऽ गेलथि। फेर आपसमे प्रणाम-पाती भऽ सुजीत, रंजीत सुभाष आ बुचनक प्रस्थान। कुलदीप बैसलथि।)

अच्छा नवीन्द्र, ई सभ भेल केना?

नवीन्द्र- पाँचू गुण्डा व्रजेशवा आदमी छल। जइमे एगो कम्प्युटर इंजीनियर सेहो छल। सभ भौटक हेरा-फेरीमे आएल छल। हमरा सभकेँ मुँह मंगा इनाम गछलक आ कोठलीक चाभी माँगलक। हम सभ चाभी नै देलिऐ। हमरा सभकेँ कम्प्यूटर इंजीनियर चुनौती दऽ देलक। तहिपर दुनू दिसिसँ गोली चलए लागल। परिणाम अपनेक समक्ष अछि।

(इन्द्रदेव आ महेन्द्रक प्रवेश। महेन्द्रकेँ मरहम-पट्टी लागल छन्हि।)

कुलदीप- महेन्द्र, जदी भारतमे अही सभ जकाँ वीर सिपाही भऽ जाइ तँ भारतक चौमुखी विकासमे अति शीघ्रता आएत। काल्हि हम दुनू वीरकेँ सम्मानीत करब। भारतमे बेसी पुलीस माल कमाइक चक्करमे रहै छै। उ घूस लऽ कऽ नमहरसँ-नमहर केसकेँ छोटसँ-छोट बना दइ छै। फलस्वरूप अपराधीकेँ सह बढ़ै छै आ उ मनमाना करै छै। मारल जाइ छथि पब्लिक बेचारा। एतुक्का संविधानो किछु उटपटांग छै। ओइमे हमरा नजरिमे प्रधान अछि- प्रत्येक विभागपर राजनीतिक दबाब। महेन्द्र आ नवीन्द्र, काल्हि भौटक गिनितीसँ पूर्व हम अपने सभकेँ सम्मानित करब।

पटाक्षेप-

પાઁચમ દૃશ્ય-

(સ્થાન- સમાહરણાલય। ગૌંટક ગનિતીક તૈયારી અછિ। મહેન્દ્ર આ નવીન્દ્ર ગૌંટ મશીનક રક્ષા કઽ રહલ છથિ। ગોવર્ધનલાલ,

રામેશ્વર આ શ્રીલાલક પ્રવેશ। સભ બૈસલથિ કુરસીપર। શીઘ્ર શ્રીરન, કૃષ્ણાનંદ આ કન્હૈયાક પ્રવેશ। સભ કુરસીપર બૈસલથિ। વ્રજેશ, સુરેશ, વિવેક, રાકેશ, મોનૂ આ શોભૂક પ્રવેશ। સભ કુરસીપર બૈસલથિ। સુભદ્રા, માલા, ચન્દ્રમોહન આ ઉમાકાંતક પ્રવેશ। સભ કુરસીપર બૈસલથિ। ગિનતી પદાધિકારી પ્રેમકાન્ત આ શુભકાન્તક પ્રવેશ। સભ અપન-અપન સીટપર બૈસલથિ। અન્તમે રુદ્રદેવક સંગ કુલદીપક પ્રવેશ। રુદ્રદેવક હાથમે દૂટા ફૂલમાલા દૂટા પ્રશસ્તિપત્ર આ દૂટા મેડલ છથિ। કુલદીપકેં દેખિ સભ ઠાઢ઼ ભઽ ગેલથિ। હુનકા બૈસલા ઉપરાન્ત સભ અપન-અપન સીટપર બૈસલથિ। વાતાવરણ બિલ્કુલ શાન્ત અછિ।)

કુલદીપ- આદરણીય પ્રત્યાશી લોકનિ, હુનકર સહયોગી લોકનિ આ સુરક્ષાબલ લોકનિ। અહુઁકા દનિ અપને સભહક લેલ બડ઼ મહત્વપૂર્ણ દિન અછિ। અહીં સભ જનસેવા લેલ જે તન-મન-ધનસઁ પરિશ્રમ કેલૌ ઓકર પરિણામ આઇ ઘોષિત કએલ જાએત। ઐના નવ ઢંગસઁ ગૌંટ ભેલ જઇમે કતૌસઁ કોનો તરહક ગડ઼બડ઼ીક સૂચના નૈ અછિ। મુદા એગો પ્રત્યાશી ગડ઼બડ઼ કરૈક પ્રયાસ કેલનિ જઇમે હુનકા સફલતા નૈ ભેટલનિ। હમરા નજરિસઁ ઉ બડ઼ પૈઘ ઘનૌના કાજ કેલનિ। હમ હુનકર નાઓ કહિ દિતૌ, મુદા નૈ કહબા કારણ ઓઇ પ્રત્યાશીક નાઓ લઇમે હમહી પાપી સાબિત હએબ। એ બીચમે હમ અપને સભહક માત્ર પાઁચ મિનટક સમએ બરબાદ કરબ। ઓહો હમ અપના લેલ નૈ, અહી સભહક સુરક્ષા આ સંરક્ષા લેલ। અપ્પનિ અપના સભહક બીચ ઉપસ્થિતિ દેશક દૂટા વીર સપૂત મહેન્દ્ર આ નવીન્દ્રકેં હમ સમ્માનીત કરબનિ।

(મહેન્દ્ર આ નવીન્દ્ર હાથ જોડ઼િ સભકેં પ્રણામ કેલથિ।)

કારણ ઈ દુનૂ ગોટે જાનપર ખેલ કઽ અપન કર્તવ્યક પૂર્ણ પાલન કેલથિ। આઇ દેશમે એહને વીર સપૂતક આવશ્યકતા છૈ। નૈ તઁ દેશસ્ત્રેર ગુલામ ભઽ જાએત।

ભાય મહેન્દ્ર આ નવીન્દ્રસઁ આગ્રહ જે અપને સભ દેશક ભવિસિ લોકનિકિ સમક્ષ ઉપસ્થિતિ હેવાક કષ્ટ કરી।

(મહેન્દ્ર આ નવીન્દ્ર કુલદીપ લગ જા દર્શક દિસિ ઘુમલથિ। કુલદીપ પહિને મહેન્દ્રકેં ફૂલમાલા પહિરૌલથિ। થોપરીક બૌછાર ભેલ। પ્રશસ્તિપત્ર દેખલખિન। સ્ત્રેર કુલદીપ નવીન્દ્રકેં ફૂલમાલા પહિરૌલથિ। થોપરીક બૌછાર ભેલ। સ્ત્રેર ઉ હુનકા પ્રશસ્તિપત્ર દેલખિન। થોપરીક બૌછાર ભેલ।)

શ્રાવ શ્રપના સ્રમ નૌંટક ગાનિતી દસિ શ્રાવિ શ્રા શ્રપન-શ્રપન નાગ્યકેં શ્રળમાવી।

(મહેન્દ્ર શ્રા નવીન્દ્ર શ્રપન ળાગહપન વનિાળમાન બs ગેલથિ।)

ગાનિતી પદાયકિાનીસઁ શ્રાગ્નહ ળે નૌંટક ગાનિતી શુનૂ કનથિ।

(દુનૂ ગાનિતી પદાયકિાની નૌંટ મશીનસઁ નૌંટક વ્યોના નકિાલિક ડાન કનૈ ળાર ગેલથિ। સવહક નૌંટક યોગા બેલ।)

પ્રેમકાંત- મહાનુબાવ, નૌંટક ગાનિતી બs ગેલ।

ગોવર્યનલાલ- કટહન છાપ- ૫૦, ૦૦૮

શ્રીનન- મૌગી સારકવિ છાપ- ૧૫, ૦૮૦

વ્નળેશ- વતૂ છાપ- ૫, ૦૦૨

સુબદ્ના- ગાદહા છાપ- ૧, ૨૫, ૩૬૧

(ગોવર્યનલાલ, શ્રીનન શ્રા વ્નળેશક દલક ઉદાસ મને પ્નસ્થાન। શ્વેન શીઘ્ન વ્નળેશ દલક પ્નવેશ સુબદ્ના દલ પસન્ન છથિ।)

કુલદીપ- હલી સન, ળી, ળી, ળી, ળી, ળી। સન, વહુત શ્રસમ્બવ છૈ। કની-મનીક શ્રન્તન નૈ છૈ। કેતએ એક લાખ પચ્ચીસ હળાન તીનસએ એકસઠ શ્રા કેતએ માત્ન પાઁચ હળાન દૂ। એક-દૂ સએક શ્રન્તન નહિતિ તઁ કછુ સોચલ ળા સકૈ છેલૈ। મુદા એતે શ્રન્તનમે કછુ સોચનાર વેકૂશી શ્રછિ। સન, પ્નતિષ્ઠિા વડી કઠનિસઁ શ્રવૈ છૈ। ળી, ળી, ળી, ળી, ળી। સન કોનો ઉપએ સમ્બવ નૈ છૈ। ળી, ળી, ળી। સન, શ્રહાઁ એક કનોડક વાત કહૈ છિએ। હળાનો-લાખો કનોડમે ઈ કાળ સમ્બવ નૈ શ્રછિ। હમ શ્રપન પ્નતિષ્ઠિાક સંગ ખેલવાન નૈ કનવ।

(શ્રોન કાટિ દૈલથિ કુલદીપ।)

શ્રંતીમ પનિણામ હમ ઘોષતિ કનૈ છી। સુબદ્ના શ્રપન નકિટતમ પ્નતદ્વિન્દ્વી ગોવર્યનલાલસઁ ૭૫, ૩૫૨ નૌંટસઁ શ્રાગૂ નકિલ વળિયી બેલી। શીઘ્ન હનિકા પ્નમાણ પત્ન બેટતનિ।

(વ્નળેશ દલક પ્નસ્થાન। કુલદીપ પ્નમાણ પત્ન વના શ્રોરપન મોહન દs તૈયાન કેલથિ।)

आउ सुभद्रा, अहाँ अपन जीतक प्रमाण पत्र लऽ जाउ। (सुभद्रा कुलदीप लग जा अपन प्रमाण पत्र कुलदीपसँ लेलि। थोपड़ीक बौछार भेल। सुभद्रा प्रसन्न मने आपस भेलि। सुभद्रा दलक नारा लगबैत प्रस्थान। चन्द्रमोहन नारा लगौलनि।)

आन क्षेत्रक भोटक गिनती पछाति होएत। जेना-जेना भोट भेल वा होएत, तेना-तेना भोटक गिनती भेल वा होएत। नीक परिणाम लेल नीक सिस्टम चाही।

पटाक्षेप-



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छठम दृश्य-

(स्थान- सुभद्राक अवास। सुभद्रा, माला, चन्द्रमोहन, लालू, कालू, रहीम, करीम, बदरू आ उमाकांत उपस्थित छथि। सभ रंग-अबीर लगेने पसन्न छथि। मुख्य आदमी कुरसीपर बैसल छथि आ किछु आदमी ठाढ़ छथि।)

सुभद्रा- (हाथ जोड़ि) काका, अपने सबहक असिर्वादसँ हमरा नीक सफलता भेटल। दिल्ली जाइसँ पहिने अपन जनता जनार्दनकेँ दर्शन कऽ ली आ उ आरो बढ़ियाँ होएत।

उमाकांत- बुच्ची, अहाँक विचार उत्तम अछि। अप्पनि सभ कियो सम्हरल छी। चलै-चलू।

चन्द्रमोहन- दीदी, एगो नै हेतै। काल्हि वा परसु एगो आम सभाक आयोजन करू। पब्लिक सभ एबे करथिन। ओहीमे पब्लिक दर्शन भऽ जेतै।

सुभद्रा- हमरा विचारसँ बढ़ियाँ नै हेतै। भौंट लए कालमे घरे-घरे जाइ छेलिऐ आ लोकक पछाति जनता जनार्दनक दर्शन भेल आम सभाक मदति धिव। ई हमरा नै अरघैए। पहिलुका सम्बन्धसँ अप्पुनका सम्बन्ध नीक हेवाक चाही। मतलब नकिल गया तो पहचानते नहि वला गप उचित नै।

माला- दीदी, अहाँ तँ अपने दूध-पानि बेरा दइ छिऐ। अहाँक विचार उत्तम अछि। अप्पने चलै-चलू, जनता जनार्दनकेँ दर्शन कऽ ली।

(सबहक प्रस्थान। आगू-आगू सुभद्रा तइ पाछू माला छथि। सुभद्रा फूलमाला पहिरने आ हाथ जोड़ने मुस्कीया रहल छथि। माला पाछूमे उमाकांत आ चन्द्रमोहन छथि। सभसँ पाछू लालू, कालू, रहीम, करीम आ बदरू नारा लगा रहल छथि।)

लालू- सुभद्रा दीदी जिन्दाबाद।

चारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

लालू- खच्चर पार्टी जिन्दाबाद।

चारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।

लालू- गदहा छाप जिन्दाबाद।

चारू- जिन्दाबाद जिन्दाबाद।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ભાનૂ- જીત ગેલી માય જીત ગેલી।

ચાનૂ- સુભદ્રા દીદી જીત ગેલી।

ભાનૂ- દેશક નેતા કેહેન હો।

ચાનૂ- સુભદ્રા દીદી જેહેન હો।

(પબ્લિકિક એકટા ભીડ઼ સુભદ્રાક પ્રતીક્ષામે છથિ। સુભદ્રાક દલ ઓર ભીડ઼ દિસ પહુઁચ ચૂકલ ગેલ।)

સુભદ્રા- સમસ્ત જનતા જનાર્દનકેઁ હમર હાર્દિક પ્રણામ।

અપને સભહક શુભ પરિણામસઁ હમ ધન્ય છી।

(થોપડ઼ીક બૌછાર ભેલ।)

હમરા આર વિશ્વાસ ભ' ગેલ જે જનતામે જાગૃતિ તીવ્ર ગતિસઁ આબિ રહલ છૈ। નીક-અધલા બેરબૈક ક્ષમતા આબિ રહલ છૈ। અપને સભહક આશીર્વાદસઁ અપન જનતા ભગવાનક સેવા લેલ તન-મન-ધન નિછાવર કરૈક સપ્પત ખાઇ છી।

(થોપડ઼ીક બૌછાર ભેલ।)

એતબે નૈ ઉમાકાંત કાકા કહને રહથિ જે જીતલા પછાતિ કાજ કરતી આ મહિનામે એક સપ્તાહ ક્ષેત્રમે રહિ જનતા દરબાર લગેતી આર સભહક સમસ્યા સમાધાન કરતી વા કરેતી। ઉ હમ કરબે કરબ। અરલ હમરા જે બેલા બેલ' પડ઼ત।

(થોપડ઼ી બૌછાર ભેલ।) અન્તમે અપને સભકેઁ ધન્યવાદ દર છી આ વાદા નિભૈક આશીર્વાદ ચાહૈ છી।

ઉમાકાંત- જદી એમ્હર-ઓમ્હર કરતી તઁ હમ સભ છીહે।

સુભદ્રા- આબ આગૂ બઢૈક આજ્ઞા દર જાર જરયૌ। બહુત ગોટે પ્રતીક્ષામે હેથિન।

(હથ જોડ઼િ પ્રણામ ક' આગૂ બઢલી। ભાનૂ તાના ઓગૈત આગૂ બઢિ રહલ અછિ। સભ કિયો અન્દર જા ક' સ્ટેજ મંચપર એલથિ। સભ કિયો દર્શકકેઁ પ્રણામ કેલથિ।)

પટાક્ષેપ-

શુભમ્



Fortnightly ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका 'विदेह' १६२ म अंक १५ सितम्बर २०१४ (वर्ष ७ मास ८१ अंक १६२)
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बेचन ठाकुर

विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंचक संस्थापक। जन्म- ५ नवम्बर १९७०ई.मे, गाम- बनौलागंज, मामा- हृद्यानपुर, जिला- मधुबनी, बिहार। पिताक नाम- स्व. राम सुन्दर ठाकुर, माता- स्व. कलावती देवी।

साहित्यिक कृति-

नाटक- बेटीक अपमान आ छीनरदेवी, विश्वासघात, बाप भेल पित्ती आ अधिकार, ऊँच-नीच प्रकाशित। कौआसँ गेल्ह बुधियार, सिनेमाक फंदा, तेतरी गाछमे आम केरा, राष्ट्रीक खाज, घोघटवाली कनियाँ, सपूत नाटक आ रमेश डाबिन, महाविनाश, कलियुग वस, ब्रह्मबाबा, रसून-पखिआनु हुक्कर नाटक आ नाटक अप्रकाशित।



पल्लवी मण्डल, गाम- बेरमा, जिला- मधुबनी।

नदीक धारा सन

ળપ્પન કયિ઼ો સાથ નર દશ્રિए

ηપ્પન एકટા કાળ કનવ

શ્રપનાસઁ નૈ હાનવ

ળઁ ગΘη નહિ છી

ηઁ શ્રપનાકૈં નહિ વિદΘવ

શ્રપ્પન સંગ નહિ છોડ઼વ

વાઁકી સબ ઠીક હएη

ળહિ સિક્ષનપન ચΘ નિહΘ છી

શ્રો एકટા ખોળ હएη

Θકક एકટા શ્રાય઼ામ હएη

ળપ્પન વસિયૈη શ્રછિ નદી

શ્રપન નસ્ηા

ηય઼ૌ શ્રો શ્રપન યાનાક સંગ

ચΘη ચમિη વનવૈη શ્રછિ

एકટા શ્રાન નસ્ηા

શ્રો મોન નહિ નિપ્પૈη શ્રછિ

શ્રપન સીમાηિηા

શ્રો વહૈη શ્રછિ

વહૈη નહૈη શ્રછિ

શ્રનવ઼નη઼

કએિક ηઁ વહવે શ્રોકન કાળ છી

શ્રહૂઁ શ્રપન કાળકૈં શ્રહી નૂપૈં Θશ્રિ

कहियो साथ देत वा नहि

तैयो अपन काज

करैत चलू

बढ़ैत चलू

ओहि नदीक धारा सन! !

विदेह

मैथिली साहित्य आन्दोलन

पत्रिका एतऽ पहुँचल अछि, जे **www.videha.co.in** पर ई प्रकाशित होइत अछि आर "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका **ISSN 2229-547X VIDEHA**





सिद्धिरस्तु